3 राजधानी
तिहाड़ में बंद चिदंबरम की हालत बिगड़ी, एम्स रेफर

6 अभिमत
अंतिम समय तक जारी रहा बापू का संघर्ष

11 स्पोर्ट्स
रोहित का ऐतिहासिक शतक टेस्ट रोमांचक मोड़ पर

12 विदेश
थाईलैंड में जज ने कोर्ट में खुद को मारी गोली

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 7 अंक 327
नई दिल्ली, रविवार, 6 अक्टूबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

देह तस्करी: सतर्क निगाह रखे सरकार
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

फारुख और उमर से मिल सकेंगे नेकां के नेता

जम्मू-कश्मीर सरकार ने दी इजाजत, दो माह से हिरासत में हैं दोनों लीडर

● राज्य में बीडीसी चुनाव से पहले इस घटनाक्रम को माना जा रहा है महत्वपूर्ण

मोहित कंडारी। जम्मू

फारुख अब्दुल्ला उमर अब्दुल्ला

पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में जम्मू स्थित नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को सरकार ने पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारुख अब्दुल्ला तथा उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला से मुलाकात करने की अनुमति दे दी है। दोनों नेता पिछले दो माह से श्रीनगर में हिरासत में हैं। पांच अगस्त को केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त किए जाने से एक रात पहले पिता और बेटे को नजरबंद कर दिया गया था। राणा ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में 15 पूर्व विधायक शामिल हैं।

प्रतिनिधिमंडल रविवार को श्रीनगर जाएगा। इससे पहले नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं को परिवार के सदस्यों से मिलने की अनुमति दी गई थी। लेकिन 24 अक्टूबर को होने वाले खंड विकास परिषद चुनाव से पहले राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल को मुलाकात की अनुमति देना सत्ता के गलियारों में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। बहुप्रतीक्षित पहले चरण के चुनाव में 26,629 पंच और सरपंच 310 खंड विकास अध्यक्षों का चुनाव करेंगे। इसके बाद जिला विकास बोर्डों के 22 जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव होगा। जेकेएनसी के प्रवक्ता मदन मंटू ने शनिवार को कहा ' नेकां नेतृत्व ने पार्टी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष से मुलाकात करने की अनुमति मांगी थी, जिसे सरकार ने मंजूरी दे दी।' तीन बार मुख्यमंत्री रहे और श्रीनगर से निवर्तमान सांसद फारुख अब्दुल्ला अपने गुपकर रोड स्थित आवास, जबकि इससे पांच सौ मीटर दूर राज्य अतिथि गृह हरि निवास, जिसे जेल में तब्दील कर दिया गया है, उसमें उनके बेटे उमर नजरबंद हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू स्थित नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं पर से प्रतिबंध हटने के तुरंत बाद जम्मू के वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की दो (शेष पेज 10)

श्रीनगर में पूरी सतर्कता बरत रहे हैं सेना और अर्द्धसैनिक बलों के जवान

कश्मीर में ग्रेनेड हमला, 14 घायल

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में उपायुक्त कार्यालय के बाहर शनिवार को आतंकवादियों के ग्रेनेड हमले में ट्रैफिक पुलिस के एक कर्मी और एक स्थानीय पत्रकार सहित 14 लोग घायल हो गए।

जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को पांच अगस्त को रद्द करने के बाद यह दूसरा ग्रेनेड हमला है। अनंतनाग में कड़ी सुरक्षा वाले डीसी कार्यालय परिसर के बाहर सुरक्षा गश्ती दल पर सुबह करीब 11 बजे ग्रेनेड फेंका गया। ग्रेनेड का निशाना चूक जाने के कारण वह सड़क के पास ही फट गया, जिससे ट्रैफिक पुलिस का एक कर्मी और एक स्थानीय पत्रकार सहित 14 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से 13 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। एक व्यक्ति अब भी अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसकी हालत अब स्थिर है।

जमीन खो रहे आतंकी दर्ज कराना चाहते हैं मौजूदगी

राकेश कुमार सिंह। नई दिल्ली

● पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने दहशतगर्द गुटों को सौंपा अलग-अलग लक्ष्य

जम्मू-कश्मीर में चौकस सुरक्षा बंदोबस्त के बीच जमीन खोते जा रहे आतंकी गुटों को पाकिस्तानी सेना तथा आईएसआई ने बांट कर काम देना शुरू कर दिया है। नापाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए इन्हें अलग अलग लक्ष्य दिए जा रहे हैं जिससे कि घाटी में हमलों का अधिक से अधिक प्रभाव पड़े।

लश्कर ए तैयबा को सुरक्षा बलों को निशाना बनाने का काम सौंपा गया है, खासतौर से तब जब उनका काफिला राजमार्गों से गुजर रहा हो। जैश ए मोहम्मद को महत्वपूर्ण व्यक्तियों और विभिन्न सुरक्षा ठिकानों, जबकि हिजबुल मुजाहिदीन को पंचायतों की नुमाइंदगी करने वाले निचले स्तर पर लोकतंत्र के अगुआ पंचों और सरपंचों को निशाना बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सुरक्षा एजेंसियों को मिली खुफिया सूचनाओं के मुताबिक पाक स्थित लश्कर के सरगना ने जम्मू स्थित अपने साथी को आने वाले दिनों में मेंधर, सुरनकोट या पुंछ कस्बे (सभी पुंछ जिले में) सुरक्षा बलों को पर ग्रेनेड हमले का जिम्मा सौंपा है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद आतंकी गुट अपनी मौजूदगी का एहसास कराने के लिए बेचैन हैं। इसके अलावा खुफिया सूचनाओं में यह भी संकेत दिया गया है कि जोंकार, रैनावारी, सफाकदल तथा श्रीनगर के धर्मशाल इलाके में अज्ञात आतंकवादियों की आवाजाही देखी गई है। आतंकी इस क्षेत्र में पुलिस तथा अन्य अधिकारियों को निशाना बना सकते हैं। ये सूचना उस समय मिल रही है, जब खुफिया रिपोर्टों में कहा गया है कि (शेष पेज 10)

आरे में पेड़ों पर चली आरी 29 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

मुंबई में आरे कॉलोनी में विरोध प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेती पुलिस

● स्टे के लिए हाईकोर्ट में नई याचिका पर भी नहीं मिली राहत

● विपक्ष ने की सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा की तीखी आलोचना

● आदित्य ठाकरे ने किया प्रदर्शनकारियों का समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

पुलिस ने आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प होने के मामले में शनिवार को छह महिलाओं सहित 29 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इलाके में एक प्रस्तावित मेट्रो कार शेड बनाने के लिए पेड़ों की कटाई की जा रही है। पुलिस ने शनिवार को आरे में धारा-144 लगा दी और पूरे इलाके (शेष पेज 10)

हाईकोर्ट ने माना है कि आरे जंगल नहीं: जावड़ेकर

लखनऊ। मुंबई की आरे कॉलोनी में हुई पेड़ों की कटाई पर केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को कहा कि उच्च न्यायालय ने माना है आरे जंगल नहीं है और जहां जंगल है, आप वहां पेड़ नहीं काट सकते हैं। यह पूछने पर कि भाजपा की सहयोगी शिवसेना भी इन पेड़ों को काटने का विरोध कर रही है, उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है, अगर कहीं पेड़ काटे जाते हैं तो उससे अधिक लगाए भी जाते हैं।

अष्टम महागौरी

समारूढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिरू। महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोदया।।

आदिशक्ति श्री दुर्गा का अष्टम रूप श्री महागौरी देवी का है। मां के इस महागौरी रूप की पूजा नवरात्र के आठवें दिन की जाती है। मां महागौरी का रंग अत्यंत गोरा है इसलिए इन्हें महागौरी के नाम से जाना जाता है। श्री महागौरी की आराधना से उनके भक्त शक्तिशाली होते हैं। महागौरी को प्रसन्न कर लेने पर भक्तों को सभी सुख स्वत: ही प्राप्त हो जाते हैं। इसके अलावा मन को शांति भी मिलती है।

नाराज अशोक तंवर का कांग्रेस से इस्तीफा

बोले- मेरी राजनीतिक हत्या हुई, पार्टी खत्म की जाने की हो रही साजिश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में प्रेस वार्ता करते अशोक तंवर

हरियाणा विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण से नाराज प्रदेश कांग्रेस समिति के पूर्व अध्यक्ष अशोक तंवर ने शनिवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और आरोप लगाया कि कांग्रेस में उनकी एवं कुछ अन्य नेताओं की राजनीतिक हत्या कर दी गई है। तंवर ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजे त्यागपत्र में यह आरोप भी लगाया कि पार्टी को खत्म करने की साजिश की जा रही है। कुछ दिनों पहले उन्होंने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए बनी विभिन्न समितियों से इस्तीफा दे दिया था। तंवर ने बातचीत में कहा कि उनके सामने पार्टी छोड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। वह फिलहाल भाजपा या किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं होने जा रहे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि राहुल गांधी के करीबियों की राजनीतिक हत्या की जा रही है। त्यागपत्र में तंवर ने कहा, मौजूदा समय में कांग्रेस अपने राजनीतिक विरोधियों के कारण नहीं, बल्कि अंतर्विरोधों के चलते अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। जमीन से उठे तथा किसी बड़े राजनीतिक परिवार से संबंध नहीं रखने वाले मेहनती कार्यकर्ताओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि पार्टी में पैसे, ब्लैकमेलिंग और दबाव बनाने रणनीति काम कर रही है। तंवर ने पार्टी के प्रभारी महासचिव गुलाम नबी आजाद और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि इन नेताओं के साथ साठगांठ ही टिकट पाने का सबसे महत्वपूर्ण मापदण्ड रहा और ऐसे में पांच साल मेहनत करने वाले कई कार्यकर्ता टिकट पाने से उपेक्षित रह गए। उन्होंने कांग्रेस से अपने अपने ढाई दशक के जुड़ाव और राजनीतिक घटनाक्रमों का हवाला देते हुए कहा, मेरी लड़ाई व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था के खिलाफ है जो देश की सबसे पुरानी पार्टी को खत्म कर रही है।

बाद में तंवर ने संवाददाताओं से कहा, पार्टी में कुछ नेताओं की राजनीतिक हत्या की जा रही है। इनमें मैं, अजय कुमार और संजय निरूपम शामिल हैं। कुछ की राजनीतिक हत्या होना अभी बाकी है। तंवर ने दावा किया, कुछ लोग पांच साल एसी कमरों में बैठते हैं, विदेशों में रहते हैं और चुनाव में प्रकट हो जाते हैं लेकिन ऐसे नेताओं के कर्म देवताओं वाले नहीं बल्कि राक्षस वाले होते हैं। उन्होंने दावा किया, हमारे ऊपर हमला तक किया गया, (शेष पेज 10)

भारत-बांग्लादेश में हुए सात समझौते

● एनआरसी और रोहिंग्या शरणार्थियों के मुद्दे भी उठे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना

भारत और बांग्लादेश ने अपने संबंधों को विस्तार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच व्यापक वार्ता के बाद शनिवार को सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए जिनमें एक संयुक्त तटीय निगरानी तंत्र की स्थापना से संबंधित है। वार्ता के दौरान हसीना ने असम में अद्यतन राष्ट्रीय नागरिक पंजी लाए जाने पर अपनी चिंता रखी। असम में असली भारतीयों की और अवैध बांग्लादेशियों की पहचान करने के लिए एनआरसी प्रक्रिया चलाई गई थी। सरकार के सूत्रों ने बताया कि भारतीय पक्ष ने हसीना से कहा कि एनआरसी का प्रकाशन अदालत की निगरानी में चली प्रक्रिया है और इस मुद्दे पर अंतिम परिदृश्य अभी सामने आना बाकी है।

अधिकारियों के अनुसार रोहिंग्या शरणार्थियों का मुद्दा भी बातचीत के दौरान उठा और दोनों प्रधानमंत्री विस्थापित व्यक्तियों की म्यामां के रखाइन प्रांत में सुरक्षित, तीव्र और सतत वापसी की जरूरत पर सहमत थे। संयुक्त बयान के अनुसार मोदी ने आतंकवाद को बिल्कुल नहीं बर्दाश्त करने की बांग्लादेश सरकार की नीति की सराहना की और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं स्थायित्व सुनिश्चित करने के हसीना के दृढ़ प्रयास को लेकर उनकी प्रशंसा की। वार्ता के बाद मोदी और हसीना ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए बांग्लादेश से भारत को रसोई गैस के आयात की परियोजना का शुभारंभ किया तथा ढाका के रामकृष्ण मिशन में विवेकानंद भवन और खुलना में कौशल विकास संस्थान का उद्घाटन किया। मोदी ने कहा, भारत बांग्लादेश के साथ अपनी साझेदारी को प्राथमिकता देता है। भारत-बांग्लादेश संबंध दो मित्र पड़ोसी देशों के बीच सहयोग का पूरी दुनिया के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने कहा कि शनिवार की वार्ता भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी।

संयुक्त बयान के अनुसार हसीना ने कहा कि बांग्लादेश के लोग तीस्ता जल बंटवारा समझौते शीघ्र होने की बाट जोह रहे हैं जिस पर 2011 में दोनों देशों की सरकारों के बीच सहमति हुई थी। मोदी ने हसीना से कहा कि उनकी सरकार यथाशीघ्र यह समझौता करने के लिए भारत में सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम कर रही है। दोनों देशों ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए जो जल संसाधन, युवा मामलों, संस्कृति, शिक्षा और तटीय निगरानी से संबंधित है। सरकारी सूत्रों ने तटीय निगरानी रडार प्रणाली में सहयोग संबंधी समझौता क्षेत्रीय (शेष पेज 10)

मौसम

अधिकतम 32.6°C (-1)
न्यूनतम 21.0°C (-1)

बाजार

सेंसेक्स	37,673	
निफ्टी	11,174	
सोना	39,075	/10g
चांदी	46,490	/kg

क्विक न्यूज

मिजोरम के मुख्यमंत्री ने एनआरसी का किया विरोध

आइजोल। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से शनिवार को कहा कि मिजोरम के लोगो ने नागरिकता कानून 1955 मे प्रस्तावित संशोधन का विरोध किया है। एक आधिकारिक बयान मे यह कहा गया। आधिकारिक बयान मे कहा गया कि नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 से मिजोरम मे अवैध प्रवासियो की बाढ़ आ जाएगी। जोरामथांगा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाह से यहां राजभवन मे मुलाकात की। दोनो नेताओ के बीच कई मुद्दो पर चर्चा हुई। पदभार ग्रहण करने के बाद शाह पहली बार मिजोरम के दौरे पर आए है।

शहीद सैनिकों के परिजनों को आर्थिक मदद चार गुना बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● दो लाख से बढ़ाकर आठ लाख रुपए करने को सैद्धांतिक स्वीकृति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युद्ध में हताहत सैनिकों के परिवार को दी जाने वाली आर्थिक सहायता मौजूदा दो लाख रुपए से बढ़ा कर आठ लाख रुपए करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। सेना लंबे समय से यह मांग कर रही थी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह वित्तीय मदद युद्ध के हताहतों के लिए बनाए गए सेना युद्ध हताहत कल्याण कोष (एबीसीडब्ल्यूएफ) के तहत दी जाएगी। युद्ध में शहीद होने वाले सैनिकों के निकट परिजन को और 60 प्रतिशत या उससे अधिक शारीरिक अपंगता का सामना करने वाले सैनिकों को फिलहाल दो लाख रुपए की वित्तीय मदद दी जाती है। यह वित्तीय मदद पेंशन, सेना की सामूहिक बीमा, सेना कल्याण निधि और अनुग्रह राशि के अलावा दी जाती है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया, रक्षा मंत्री ने युद्ध हताहतों की सभी श्रेणी के सैनिकों के परिवारों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता दो लाख रुपए से बढ़ाकर आठ लाख रुपए करने को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। फरवरी 2016 में सियाचिन में हुई हिमस्खलन की एक घटना के बाद हताहत हुए सैनिकों के परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की पेशकश के बाद भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग (ईएसडब्ल्यू) के तहत एबीसीडब्ल्यूएफ की स्थापना की गई थी।

युद्ध स्मारक पर दर्ज होगा शहीद रवि खन्ना का नाम

तीन दशक पहले जेकेएलएफ के मुखिया यासीन मलिक ने की थी स्क्वाड्रन लीडर की हत्या

● न्याय के लिए लड़ रहीं विधवा निर्मल खन्ना, वायुसेना ने दी नाम अंकित करने की मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रवि खन्ना की पत्नी निर्मल खन्ना

दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक

शहीद स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना का नाम राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर लिखा जाएगा। वायु सेना ने दिल्ली स्थित शहीदों की शान इस स्मारक पर रवि का नाम शामिल करने के लिए मंजूरी दे दी है। स्क्वाड्रन लीडर खन्ना को 25 जनवरी 1990 में अलगाववादी संगठन जेकेएलएफ के आतंकियों ने मार डाला था।

इस हमले में खन्ना के तीन और साथी अधिकारियों ने जान गंवाई थी। यह संगठन अलगाववादी नेता यासीन मलिक के नेतृत्व में काम करता है। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की दीवारों पर विभिन्न सैन्य अभियानों में मारे गए सभी रक्षा कर्मियों के नाम अंकित हैं। राष्ट्रीय राजधानी में इंडिया गेट के पास बने इस स्मारक का उद्घाटन इसी साल के शुरू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। कुछ दिन पहले राज्यसभा के सांसद राजीव चंद्रशेखर ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना का नाम भी राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में शामिल करने का अनुरोध किया था। रवि खन्ना की पत्नी निर्मल खन्ना पिछले तीन दशक से न्याय के लिए लड़ रही हैं।

निर्मल खन्ना उस हत्याकांड की गवाह हैं। उन्होंने बताया था कि उनके पति के शरीर में यासीन मलिक ने 27 गोलियां मारी थीं। पिछले 29 सालों से वह न्याय के लिए लड़ रही हैं, लेकिन इस दिशा में अब तक सरकार असफल रही है। रवि का नाम युद्ध स्मारक पर लिखे जाने के बाद रवि की विधवा निर्मल खन्ना को कुछ राहत जरूर मिलेगी। वह भी यही चाहती थीं कि उनके पति का नाम यहां दर्ज हो।

रिपोर्ट के अनुसार यासीन मलिक मौके पर हथियारों से लैस होकर हीरो होंडा मोटर साइकिल और मारुति जिप्सी से पहुंचा था। हमले में रवि खन्ना समेत चार अफसर मारे गए थे और 10 लोग घायल हुए थे। इस मामले में सीबीआई ने यासीन के खिलाफ जम्मू की टाडा कोर्ट में 31 अगस्त 1990 को चार्जशीट दाखिल की थी। जेकेएलएफ के मुखिया यासीन मलिक को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी फंडिंग के आरोप में इसी साल अप्रैल में गिरफ्तार किया था। वह इस समय दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। बीते शुक्रवार को ही एनआईए ने उसके खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। उसकी न्यायिक हिरासत 23 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है।

लाइव वीडियो बनाकर प्रबंधक ने की खुदकुशी

कहा-तुम्हें खुश रखने की बहुत कोशिश की

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित एक सोसायटी में रहने वाले प्रबंधक ने लाइव वीडियो बनाकर आत्महत्या कर ली। वीडियो बनाने के दौरान प्रबंधक फांसी का फंदा दिखा रहे थे और कह रहे थे कि बहुत परेशान करके रख दिया है तुमने। वीडियो में प्रबंधक यह भी कह रहे है कि मैंने तुम्हे हमेशा खुश रखने की कोशिश की है लेकिन, इसके बाद भी सब कुछ ठीक नहीं हुआ।

हालांकि इस बात का पता नहीं चल पाया कि प्रबंधक यह बातें किसके लिए कह रहे थे। वीडियो में प्रबंधक ने किसी का नाम नहीं लिया है। वीडियो बनाने के दौरान एक गाना भी बैकग्राउंड में बज रहा है। बताया गया है कि एक अक्टूबर को प्रबंधक ने आत्महत्या की और दो दिन तक शव फ्लैट में ही पड़ा रहा। बृहस्पतिवार रात फ्लैट से बदबू आने पर मामले की जानकारी हुई और पुलिस पहुंची।

बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित एक सोसायटी में वीर सिंह अपने परिवार के साथ रहते थे। बीते दिनों उनकी पत्नी अपने घर गई थी। दोनों के बच्चे भी हैं। वीर सिंह एक कंपनी में प्रबंधक की नौकरी करते थे। उन्होंने अपनी मौत से पहले एक वीडियो बनाया जिसमें वह कह रहे हैं कि वह आत्महत्या कर रहे हैं। पुलिस जांच के दौरान पता चला है कि प्रबंधक कई दिनों से तनाव में थे संभवत: इसी के चलते ही उन्होंने अपनी जान दी है। दो दिन तक शव फांसी के फंदे पर ही लटकता रहा। इस वजह से शव फूल गया था।

यमुना एक्सप्रेसवे पर पलटा केले से भरा ट्रक

हादसे में चालक और परिचालक घायल, सड़क पर फैला मलबा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे पर रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार रात केले से भरा एक ट्रक कार को बचाते समय खंभे से टकरा गया और असंतुलित होकर सड़क पर पलट कर क्षतिग्रस्त गया। इस घटना में ट्रक का चालक व परिचालक दोनों घायल हो गए और केले सड़क पर बिखर गए। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

चालक बिहार से ट्रक में केले लेकर दिल्ली जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही यमुना एक्सप्रेस वे सुरक्षाकर्मियों ने दोनों घायलों को ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर पहुंची पुलिस ने सड़क पर बिखरे केले हटवाकर यातायात सुचारु कराया। पुलिस ने बताया कि मैनपुरी जिले के भोगांव निवासी ट्रक चालक योगेश परिचालक अवतार के साथ बिहार के नोगछिया शहर से ट्रक में केले लेकर दिल्ली के महरौली जा रहा था। शुक्रवार देर रात जैसे ही ट्रक यमुना एक्सप्रेस वे पर रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के मिर्जापुर गांव के पेट्रोलपंप के पास पहुंचा, तभी आगे चल रही एक कार को बचाने के चक्कर में ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क के बीच खड़े खंभे से टकराकर पलट गया। ट्रक पलटने के बाद केले व ट्रक का मलवा यमुना एक्सप्रेस वे पर फैल गया।

घटना की सूचना मिलते ही यमुना एक्सप्रेस वे के सुरक्षाकर्मियों व गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर ट्रक चालक व परिचालक को निकालकर ग्रेटर

यमुना एक्सप्रेसवे पर खंभे के टकराने के बाद सड़क पर क्षतिग्रस्त पड़ा ट्रक और बिखरा सामान।

नोएडा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने सड़क से केले व मलवा हटवाकर यातायात सुचारू कराया। रबूपुरा पुलिस का कहना है कि उन्हें ऐसी किसी घटना की कोई शिकायत नहीं मिली है।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने शनिवार सुबह एक सूचना के आधार पर 25,000 हजार रुपए के एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश ने वर्ष 2018 के मार्च माह में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स में काम करने वाले डीजीएम अमित पांडे की गोली मारकर हत्या की थी। उसके दो साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना सेक्टर 39 पुलिस ने रोहित उर्फ बिल्लू पुत्र विनीत निवासी जनपद इटावा को गिरफ्तार किया। उसकी गिरफ्तारी पर जनपद गौतमबुद्धनगर पुलिस ने 25,000 रुपए का इनाम घोषित किया था। कृष्ण ने बताया कि पकड़े गए बदमाश के पास से एक देसी तमंचा बरामद किया गया है।

एसएसपी ने बताया कि वर्ष 2018 के 7 मार्च को उक्त बदमाश ने अपने साथी प्रवीण, जोगिंदर के साथ मिलकर भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स में तैनात डीजीएम अमित पांडे की गोली मारकर हत्या व लूटपाट की थी।

क्रिकेट टूर्नामेंट में वीआईएस ने एसआरसी को 6 रन से हराया

मैच शुरू होने से पूर्व एक दूसरे का परिचय लेते खिलाड़ी।

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा विशाल इंटरनेशनल स्कूल वीआईएस और श्रीराम क्रिकेट एकेडमी के बीच वीआईएस तिगड़ी में खेले गए क्रिकेट टूर्नामेंट में विशाल इंटरनेशनल स्कूल को जीत मिली है। वीआईएस ने श्रीराम एकेडमी को 6 रन से मात दी । इस मुकाबले में वीआईएस के दिपांशु ने आठ विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई है।

वीआईएस के अवनीश तिवारी हर्षित, देवेंद्र, शाहिल ने बेहतर प्रदर्शन किया। इस मैच में वीआईएस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वीआईएस की टीम निर्धारित 35 ओवर में 10 विकेट खोकर 87 रन बनाए। वहीं, इस लक्ष्य की पीछा करने उतरी एसआरसीए ने 17 ओवर में 81 रन बनाकर आल आउट हो गई। वीआईएस टीम के कोच गौरव विष्ट ने टीम को बधाई दी।

शिविर में 250 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

गाजियाबाद। यशोदा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, नेहरु नगर गाजियाबाद में मोटापे एवं मोटापे से होने वाली बीमारियों के इलाज के संबंध में शनिवार को एक नि:शुल्क मोटापा जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 250 से भी ज्यादा लोगों की जांच की गई।

वरिष्ठ बैरियाट्रिक, लैप्रोस्कोपिक एवं गैस्ट्रो सर्जन डॉ. आशीष गौतम ने बताया कि बेरियाट्रिक सर्जरी महज वजन कम करने का एक शॉर्ट कट तरीका नहीं है। यह सर्जरी मोटापे से छुटकारे के साथ मोटापा जनित रोगों जैसे हाइपरटेंशन, मधुमेह, गठिया जैसे रोगों में भी फायदा पहुंचाती है। शिविर संचालन में शेखर झा व असलम खान का योगदान रहा।

दादरी में नहर से बरामद हुआ अज्ञात व्यक्ति का शव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● शिनाख्त के प्रयास कर रही पुलिस

ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र के कोट गांव के पास गंग नहर में शनिवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला है।

थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि कोट गांव के पास गंग नहर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि शव काफी पुराना है और क्षत-विक्षत अवस्था में है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा। उन्होंने बताया कि आसपास के लोगों की सहायता से पुलिस शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। सिंह ने बताया, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शव कहीं से बहकर यहां पर आया है।

एयरफोर्स डे पर अपाचे और चिनूक होंगे मुख्य आकर्षण

गाजियाबाद। इस बार एयरफोर्स-डे पर हाल ही में एयरफोर्स में शामिल चिनूक और अपाचे हेलीकॉप्टर आकर्षण का केंद्र होंगे। पीआरओ ग्रुप कैप्टन अनुपम बनर्जी ने बताया है कि 8 अक्टूबर को वायु सेना स्टेशन हिंडन में चिनकू व अपाचे के अलावा वायु सेना के लड़ाकू विमान मिराज-2000, मिग-29, मिग-21 और सुखोई-30 प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान विमानों द्वारा कम ऊंचाई से उड़ान भरी जाएगी।

खासतौर पर वजीरपुर, करावलनगर, अफजलपुर, हिंडन, शामली, जिवाना, चांदीनगर, हापुड़, पिलखुवा क्षेत्र में विमान उड़ेंगे। आकाश गंगा टीम द्वारा विमान से पेराशूटस जंप भी किया जाएगा।

फैशन शो में दो दर्जन बच्चों ने रैंप पर बिखेरा जलवा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

चमचमाती रोशनी से रंगीन रैंप और अपनी चंचलता भरी रैम्पवॉक से सभी दर्शकों का दिल जीतते नन्हे-मुन्ने बच्चे। इंदिरापुरम स्थित शिप्रा मॉल में शुक्रवार रात गोल्डन आई और रेल इवेंट्स की और से आयोजित किड्स फैशन फ्रेंजी-2019 के ग्रैंड फिनाले में कुछ ऐसा ही नज़ारा देखने को मिला।

ग्रैंड फिनाले शो में शरद कुमार कोहली, विभा रावत, आशुतोष कौशिक और अभिषेक शर्मा मुख्य अतिथि और निर्णायक मंडल के तौर पर मौजूद रहे। शो के अंतिम राउंड में करीब दो दर्जन प्रतिभागियों ने रैंप पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उपस्थित रेल इवेंट्स सर्विसेज के ऑर्गनाइजर और सेलेब्रिटी मॉडल्स के साथ दर्शकों ने भी जमकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। इसी के आधार पर शो के अंत में अक्षरा, अविका, डेविक और प्रतिष्ठा शर्मा को फिनाले का विजेता घोषित किया गया।

सभी विजेताओं को ट्रॉफी और गिफ्ट हैम्पर प्रदान किए गए। इस अवसर पर शो ऑर्गनाइज़र गगन त्यागी, राहुल शवल और मयंक राजपूत ने सभी विजेताओं को बधाई और बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

ग्रैंड फिनाले शो के दौरान रैंप पर मौजूद बच्चे।

संक्षिप्त समाचार

रामलीला मंचन के दौरान किरदारों की वेशभूषा में खड़े नन्हे-मुन्ने बच्चे।

नन्हे-मुन्ने ने किया रामलीला का मंचन

हापुड़। शनिवार को नन्हे-मुन्ने बच्चों ने स्कूल में रामलीला का मंचन किया। श्रीमति कमला अग्रवाल गर्ल्स पब्लिक स्कूल में अनोखी रामलीला देख लोगों ने खूब तालियां बजाई। फ्रीगंज रोड स्थित स्कूल में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रामलीला का शानदार मंचन किया, दर्शकों ने इसकी खूब सराहना की। इन दिनों नई पीढ़ी में मोबाइल-कंप्यूटर के बढ़ते क्रेज के दौर में पौराणिक जानकारियां और परपंराए लुप्त होती जा रही हैं। लेकिन हापुड स्थित इस स्कूल ने रामलीला का आयोजन कर नवाचार किया है। स्कूल में छोटे बच्चों ने भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, रावण सहित रामायण के प्रमुख किरदारों को निभाया। नन्हें मुन्ने बच्चों ने जब तुतलाते हुए रामलीला का मंचन किया तो रामलीला देख रहे लोगों ने खूब ठहाके लगाए और तालियां बजाई। रामलीला के दौरान बच्चों की ओर से बीच-बीच में रामलीला के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी गई।

समाधान दिवस पर शिकायतों का निस्तारण करतीं डीएम अदिति सिंह।

समाधान दिवस पर डीएम ने सुनीं समस्याएं

हापुड़। शनिवार को जिलाधिकारी अदिति सिंह ने समाधान दिवस पर थाना हापुड़ देहात व बाबूगढ़ थाने में फरियादियों की समस्याओं का निस्तारण किया। जिलाधिकारी द्वारा समाधान दिवस पर हापुड़ देहात थाने में दर्ज शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता की जांच करते हुए थानाध्यक्ष को निर्देश दिए कि थानों में जो भी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं उनकी गहनता से जांच करते हुए उसका निस्तारण किया जाए। इसके बाद डीएम थाना बाबूगढ़ में पहुंचीं वहां फरियादियों द्वारा की गई शिकायतों का समाधान किया गया। जिलाधिकारी द्वारा थानों में प्राप्त शिकायत दर्ज कराने के अभिलेखों की भी जांच की गई तथा थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए कि लंबे समय से दर्ज शिकायतों का संज्ञान लेते हुए उनका गुणवत्ता परक निस्तारण किया जाए।

पेटीएम एकाउंट से उड़ाए पचास हजार

गाजियाबाद। लोनी कोतवाली क्षेत्र की अशोक विहार कॉलोनी में रहने वाले डाक्टर से साइबर ठगों ने पेटीएम एकाउंट खोलने के बहाने खाते से 50 हजार निकाल लिए। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है इसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। अशोक विहार कॉलोनी में डाक्टर इमरान परिवार के साथ रहते हैं। करीब पांच दिन पूर्व उन्होंने पेटीएम एकाउंट खुलवाया था। शनिवार सुबह उनके फोन पर एक वेरिफिकेशन कॉल आई थी। युवक ने उनके खाते, एटीएम और पेटीएम की सारी जानकारी ली। उसके कुछ देर बाद खाते से 50 हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

तस्करी कर लाई लाखों की अवैध शराब पकड़ी

गाजियाबाद। विजयनगर थाना पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान के दौरान लाखों रुपये कीमत की अवैध शराब पकड़ी गई।

एसपी सिटी श्लोक कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि चांदमारी झुग्गी-झोपड़ी में शराब की खेप आने वाली है। सूचना पर एसएचओ विजयनगर श्यामवीर सिंह और उनकी टीम ने आबकारी विभाग के अधिकारियों संग बताए स्थान पर छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान शराब तस्कर सूरज निवासी बुद्ध विहार बहरामपुर को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उसकी निशानदेही पर 35 पेटी शराब भी बरामद कर ली।

रंजिश में बाइक सवारों ने घर के बाहर बैठे युवक को मारी गोली

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोनी कोतवाली क्षेत्र के भनेड़ा गांव में रंजिश के चलते शनिवार रात जान से मारने की नियत से युवक पर फायरिंग की गई। गनीमत रही कि गोली युवक के पैर में लगी है। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

भनेड़ा गांव में मोहित त्यागी परिवार के साथ रहते हैं। मोहित के मुताबिक वह रात को घर के बाहर बैठे थे। तभी बाईक सवार तीन युवकों ने उन्हे गाली देते हुए उन पर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली मोहित के पैर में लगी। परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज जारी है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह भड़ाना ने बताया कि कुछ समय पूर्व मोहित त्यागी के एक रिश्तेदार का ट्रेक्टर चोरी हुआ था इसपर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया था। दस दिन पूर्व युवक जेल से छूटकर आया है। प्रारंभिक जांच में मामला रंजिश का प्रतीत हो रहा है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेनो वेस्ट में खुलेंगी पांच नई पुलिस चौकियां

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबद को लिया निर्णय

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए पांच नई पुलिस चौकियां खुलेंगी। नई चौकी खोलने के लिए पतवाड़ी, ऐस सिटी गोलचक्कर, याकूबपुर, शाहबेरी व हरनंदी पुल के समीप जगह चिह्नित की गई है। जल्द ही चौकी के लिए भवन का निर्माण कार्य शुरू होगा। चौकी खोलने की प्रक्रिया के साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल की मांग जोन स्तर के अधिकारी से की जाएगी।

दरअसल, बिसरख कोतवाली क्षेत्र में पांच ऐसी जगहों को चिह्नित किया गया है जहां पुलिस चौकी स्थापित करने की आवश्यकता है। यह सारी जगह ग्रेटर नोएडा वेस्ट के अंतर्गत आती है। चौकी खोलने के लिए कोतवाली पुलिस के स्तर से जगह चिह्नित कर ली गई है। बता दें कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आए दिन चेन स्नेचिग की घटनाएं होती है। पुलिस लाइन मोड़ से बिसरख कोतवाली की दूरी पांच किलोमीटर के करीब है।

इतनी लंबी दूरी के बीच पुलिस का एक भी बूथ नहीं है और न ही कोई चौकी है। इसके मद्देनजर ऐस सिटी गोलचक्कर के समीप चौकी खोली जाएगी। इसके अलावा बिसरख कोतवाली के बार्डर क्षेत्र हरनंदी पुल के समीप चौकी स्थापित की जाएगी। जिससे कि लूटपाट की घटना कर बार्डर रास्ते से भागने वाले बदमाशों पर काबू पाया जा सके।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की अलग-अलग सोसायटी में रहने वाले लोग लंबे समय से ग्रेटर नोएडा वेस्ट में नई चौकियां खोलने की मांग करते आ रहे है। बीते दिनों लोगों की मांग पर ही गौर सिटी की एक और नई चौकी खोली गई थी। सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के मद्देनजर ग्रेटर नोएडा वेस्ट में पांच नई चौकियां खोली जाएंगी। हमारा प्रयास है कि लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाए।

सिलेंडर फटने से सिलाई कारखाने की छत गिरी

कड़ी मशक्कत के बाद दमकल ने बुझाई आग, लाखों का नुकसान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोनी कोतवाली क्षेत्र की अंकुर एंक्लेव कॉलोनी में शनिवार दोपहर अचानक सिलाई कारखाने में आग लग गई। आग में लाखों का माल जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी किशनलाल का डीएलएफ अंकुर एंक्लेव कॉलोनी में सिलाई कारखाना है। उन्होंने बताया कि कारखाने में ग्राउंड फ्लोर पर सिलाई का काम होता है जबकि प्रथम तल पर कटिंग मशीन लगी हुई है। दोपहर डेढ़ बजे किशन लाल और तीन सिलाई कारीगर काम कर रहे थे। तभी पड़ोसियों ने कारखाने में पहुंचकर उन्हें प्रथम तल पर आग लगे होने की जानकारी दी।

कारखाना मालिक ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन, आग ने विकराल रूप धाराण कर लिया। जिससे वहां रखा पांच किलो का घरेलू गैस सिलेंडर तेज आवाज के साथ फट गया। इसमें प्रथम तल के ऊपर लगी टीन की छत नीचे आ गिरी। लोगों ने आग की सूचना दमकल विभाग को दी।

सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। पीड़ित के मुताबिक घटना में करीब दो लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह भड़ाना का कहना है कि मौके पर गई पुलिस टीम ने शार्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई है।

ऑन स्पाट डांस प्रतियोगिता में जज भी मंच पर थिरके

गाजियाबाद। सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल की सीनियर ब्रांच में आयोजित ऑन स्पाट डांस कंपटीशन में सत्यम एवं सृजन हाउस ने जीत हासिल की। कक्षा नौ से बारहवीं के छात्रों को प्रतिभाग के लिए विषय मौके पर ही बताया गया था। सुझाए गए विषय पर प्रस्तुति के लिए प्रतिभागी टीम को एक घंटे की अवधि दी गई थी।

इस आयोजन की खास बात यह रही कि निर्णायक मंडल में शामिल सभी जज स्कूल के ही पुराने छात्र थे। जजों में वर्ष 2011 बैच के दिव्य बवेजा, 2017 बैच की श्रृक्ति सेन गुप्ता एवं मानसी मिश्रा शामिल थे।

सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र।

बचपन दिवस व सुपोषण उत्सव में बच्चों को कराया सामूहिक भोज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद के सभी 1373 आंगनबाड़ी केंद्रों पर शनिवार को बचपन दिवस और बाल सुपोषण उत्सव का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी शशि वार्ष्णेय ने बताया इस मौके पर छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों को उनके माता-पिता के साथ बुलाया गया। सभी बच्चों को एक साथ बैठाकर उनके माता-पिता द्वारा लाया गया पौष्टिक भोजन कराया गया। इसके अलावा पुष्टाहार में मीठा और नमकीन दलिया और लड्डू वितरित किए गए।

साथ ही बच्चों के माता-पिता को पोषण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें बताया गया कि बच्चे सुपोषित होंगे तो तमाम बीमारियों से दूर रहेंगे। मुरादनगर

मुरादनगर ब्लॉक के बड़का आरिफपुर गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पुष्टाहार वितरण करते आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

ब्लॉक के बड़का आरिफपुर गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर काफी संख्या में बच्चों की माताएं और दादी बच्चों को लेकर पहुंची थीं। दरअसल बच्चों की दादी मातृ समिति में भी शामिल हैं।

माना यह जाता है कि घर की बुजुर्ग होने के नाते उनके जरिए घर में पहुंचने वाला संदेश ज्यादा प्रभावी होता है। मुरादनगर बाल विकास परियोजना अधिकारी रीना त्यागी ने बताया कि पोषण को लेकर इन महिलाओं की काउंसिलिंग की गई। महिलाओं को बताया गया कि खासकर छह माह से दो वर्ष की आयु बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर बहुत संवेदनशील होती है। इस दौरान उनके खानपान का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया बाल विकास परियोजना अधिकारियों की देखरेख में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों के माता-पिता को पोषण संदेश पुस्तिका पढ़कर सुनाई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि गर्भधारण करने से बच्चे की आयु दो वर्ष होने तक, यानी करीब एक हजार दिनों तक पोषण का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है।

बच्चे के पोषण के लिए यह एक हजार दिन बड़े अहम होते हैं। छह माह तक बच्चे को केवल स्तनपान कराएं लेकिन इस दौरान उसकी मां के पोषण का ख्याल रखें। छह माह से बच्चे को ऊपरी आहार देना शुरू करें।

मुठभेड़ के बाद दो लुटेरे धरे गए तमंचा, मोबाइल फोन बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● सौ से ज्यादा वारदातों में शामिल होना स्वीकारा

जिले की सेक्टर 20 थाने पुलिस ने शुक्रवार रात मुठभेड़ के बाद कथित दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से मोटरसाइकिल, एक देसी तमंचा और लूटे गए दो मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में लुटेरों ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 100 से ज्यादा लूट की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

सेक्टर-20 थाने के प्रभारी निरीक्षक राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि शुक्रवार रात को पुलिस को सूचना मिली कि दो कुख्यात लुटेरे लूट करने की नियत से संदीप पेपर मिल के पास आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहनों की जांच शुरू की और कुछ देर बाद एक मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाश पुलिस को आते हुए दिखे। सिंह ने बताया कि जब पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने उनपर गोली चला दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने राजू उर्फ राजवीर तथा सूरज नामक दो बदमाशों को पकड़ लिया। इनके पास से पुलिस ने लूटे गए दो मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल होने वाली मोटरसाइकिल और एक देसी तमंचा बरामद किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

सड़कों के गड्ढों पर छिड़ी सियासत

सीएम ने की अभियान की शुरुआत, गंभीर ने 'बाबूजी धीरे चलना' से साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी की सड़कों के गड्ढे भरने पर सियासत छिड़ गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सड़कों के गड्ढे भरने का अभियान शनिवार को शुरू किया। इसके तहत लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आने वाली 1260 किलोमीटर लंबी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि यह पहली बार है जब लोक निर्माण विभाग द्वारा इतने बड़े पैमाने पर गड्ढा मुक्त करने के लिए सड़कों का निरीक्षण किया जा रहा है। भाजपा ने इस पर निशाना साधा और उनके अभियान को कोरा प्रचार करार दिया।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि दिल्ली सरकार के अधीन पीडब्ल्यूडी सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने का अभियान आज से शुरू। राजधानी के 50 विधायक आज 25-25 किमी सड़क का निरिक्षण करेंगे, जिसमें हर विधायक के साथ एक इंजीनियर भी होगा। उन्होंने बताया कि बारिश से सड़कों पर जो असर होता है, उससे किसी को असुविधा न हो, इसलिए ये अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐप के जरिए गड्ढे या अन्य खराबी की फोटो और लोकेशन रिकॉर्ड होगी और हर खराबी को तुरंत ठीक कर दिया जाएगा। केजरीवाल ने मंगलवार को सड़कों पर गड्ढों का पता लगाने के लिए पांच अक्टूबर से अभियान शुरू करने की घोषणा की थी।

जैसे ही शनिवार को मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर अभियान के बारे में जानकारी दी सरकार के कामकाज के तरीकों पर अकसर हमलावर होनेवाले सांसद गौतम गंभीर ने फिर सीएम केजरीवाल पर तंज कसा।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता और सांसद गौतम गंभीर ने ट्वीट कर निशाना साधते हुए सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के अभियान पर धीरे चलने की सलाह दी। पूर्व क्रिकेटर और पूर्वी दिल्ली से सांसद गौतम गंभीर ने लिखा कि बाबूजी धीरे चलना, बड़े गड्ढे हैं इस राह में!

हम को मालूम है दिल्ली की हकीकत, लेकिन दिल को खुश रखने को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ये ख्याल अच्छा है।

- पीडब्ल्यूडी की 1260 किमी सड़कें होंगी साफ
- 50 विधायक 25-25 किलोमीटर सड़क का निरिक्षण करेंगे

एक हजार करोड़ का फंड हुए बेकार : गुप्ता

विजेन्द्र गुप्ता ने केजरीवाल सरकार द्वारा सड़कों के गड्ढे भरने के लिए निरीक्षण पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उनकी सरकार दिल्ली में नई सड़के क्यों नहीं बनाना चाहती? सरकार ने वर्ष 2018-19 में नगर निगमों का एक हजार करोड़ रुपये काट कर मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों के निर्माण के लिए बजट रखा था। केजरीवाल सरकार ने वर्ष 2018-19 में एक भी सड़क मुख्यमंत्री योजना के अंतर्गत नहीं बनाई और न ही दिल्ली नगर निगमों को इस पर काम करने दिया तथा ये एक हजार करोड़ रुपये फंड लैपस हो गया।

बरसात में बड़े पैमाने पर सड़क होती है खराब

हर साल बरसात में बारिश के पानी की वजह से बड़े पैमाने पर सड़कें खराब हो जाती हैं और उनमें बड़े-बड़े गड्ढे बन जाते हैं। हर दूसरी सड़क की हालत जर्जर नजर आने लगती है और उन पर चलना दुश्वार हो जाता है। इससे हादसों में भी इजाफा हो जाता है। विभाग को कई महीने इन सड़कों को दुरुस्त करने में लग जाते हैं। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि यदि अभियान चलाकर सड़कों की मरम्मत की जाएगी तो वे जल्दी चलने लायक हो जाएंगी और हादसों में कमी आएगी।

तिहाड़ में बंद चिदंबरम की हालत बिगड़ी, एम्स रेफर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के पेट में हुआ तेज दर्द

कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में रेफर किया गया है। उन्होंने आज पेट तेज दर्द की शिकायत की थी।

आइएनएक्स मीडिया केस में आरोपी पी चिदंबरम फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। इससे पहले पी चिदंबरम ने कोर्ट से घर का बना खाने की मांग की थी जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। उन्होंने कहा था कि जेल का खाना खाने से उनका वजन कम हो रहा है। उनकी तबियत ठीक नहीं है। इसलिए उन्हें घर का बना खाने की इजाजत दी जाए। हालांकि कोर्ट ने उन्हें दिन में सिर्फ एक बार घर का बना खाने की इजाजत दी है।

दिल्ली की कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत को 17 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दी है। बता दें कि आईएनएक्स मीडिया केस मामले में घोटाले के आरोप में पूर्व मंत्री चिदंबरम को सीबीआई ने 21 अगस्त को उनके दिल्ली वाले आवास से गिरफ्तार किया था। कुछ दिनों तक रिमांड पर रखने के बाद चिदंबरम को न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल जाना पड़ा। इससे पहले चिदंबरम की नियमित जमानत याचिका हाई कोर्ट से खारिज हो चुकी है।

पी चिदंबरम पर आरोप है कि कांग्रेस के सत्ता में रहते हुए जब वह वित्त मंत्री थे तब उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया। यह बात वर्ष 2007 की है। उन पर आरोप है कि उन्होंने रिश्वत लेकर आईएनएक्स मीडिया को करोड़ों रुपए लेने के लिए विदेशी निवेश प्रोत्साहन बोर्ड से मंजूरी दिलाई थी।

सीएम केजरीवाल को धमकी देने वाला राजस्थान से पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने आम आदमी पार्टी मुखिया और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईमेल भेजकर जान से मारने की धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। राजस्थान के अजमेर का रहने वाला 36 वर्षीय आरोपी इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में स्नातक है लेकिन अभी बेरोजगार है। उसका नाम मनीष सारस्वत है।

गिरफ्तार इंजीनियर ने दो बार मुख्यमंत्री के आधिकारिक आईडी पर धमकी भरा ईमेल भेजा। बीते 20 सितंबर को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव अजय चागती ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस कमिश्नर अमूल्य पटनायक से शिकायत की थी। पुलिस अधिकारी का कहना है कि जांच के दौरान साइबर सेल को सुराग मिला और अजमेर पहुंच गई। पुलिस आरोपी का लैपटॉप जब्त कर लिया है। इसी से उसने मुख्यमंत्री को ईमेल भेजा था। केजरीवाल को धमकी मिलने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी न केवल अरविंद केजरीवाल, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों को भी धमकियां मिल चुकी हैं। यही नहीं, मुख्यमंत्री बनने से पहले और उसके बाद केजरीवाल पर कई बार हमले हो चुके हैं। यही वजह है कि पुलिस ने तत्परता से मामले की जांच की और फौरन मामला साइबर सेल को सौंपा।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. शर्मा भानु भूपेंद्र द्वारा लिखित पुस्तक 'का लोकार्पण करते पदाधिकारी।

भारतीय दर्शन पर राष्ट्रीय सम्मलेन संपन्न

नई दिल्ली। डीयू के हंसराज महाविद्यालय में 'द फलकर्म ऑफ भारतीय दर्शन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा के सान्निध्य में आयोजित किया गया। यह आयोजन हंसराज कॉलेज के फिलोसोफी विभाग एवं इंडियन काउंसिल ऑफ फिलोसिफिकल रिसर्च द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य न्यायधीश केरला हाईकोर्ट वी. के. बाली (सेवानिवृत) ने किया। उन्होंने दर्शन की महानता को आज के सन्दर्भ में जोड़ते हुए सत्य एवं धर्म की व्याख्या की। प्रो. रमा ने अपने सम्बोधन में भारतीय दर्शन को वर्तमान से जोड़ते हुए कहा कि पतझड़ इस देश में आते रहेंगे और हम अपने देश में बसंत खिलाते रहेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजिका डॉ. शर्मा भानु भूपेंद्र द्वारा लिखित पुस्तक 'का लोकार्पण किया गया। यह पुस्तक में निष्काम कर्म को दर्शाता है। दो दिवसीय कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय कुमार मिश्र एवं श्रुति शर्मा ने किया।

कृष्णा नगर मार्केट में वाहन प्रतिबंध पर मांगा सहयोग

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर ने कृष्णा नगर लाल क्वार्टर मार्केट के पैदलीकरण और पार्किंग योजना के क्रियान्वयन में स्थानीय निवासियों और दुकानदारों से सहयोग करने की अपील की है। श्रकपूर ने कहा कि पूर्वी दिल्ली में यह अपने तरह का पहला प्रयोग है जिसके तहत किसी बाजार को वाहन मुक्त किया जा रहा है और इसका ट्रायल 7 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2019 के बीच किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह प्रयोग है जिससे लोगों को थोड़ी बहुत असुविधा भी हो सकती है लेकिन बड़े परिपेक्ष्य में इसके कई लाभ होंगे। योजना के लागू होने के बाद लाल क्वार्टर मार्केट में वाहनों की भीड़ कम होगी जिससे ग्राहकों का खरीदारी अनुभव अच्छा होगा। साथ ही वाहनों का। धुआं कम होने से पर्यावरण में भी सुधार होगा। इसके साथ कि क्षेत्र की पार्किंग समस्या का भी समाधान इस योजना के तहत किया जाएगा।

सबको साथ लेकर चलती है हिंदी : जतीन राम

नई दिल्ली। हिन्दी को राष्ट्रभाषा और राज्यभाषा दोनों का दर्जा प्राप्त है और ऐसे वक्त में जब भारत में सारी भाषाओं को एक सूत्र में गूँथने के लिए किसी एक सार्वभौम भाषा की आवश्यकता है, हिन्दी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जो सबको साथ लेकर चल सकती है हिन्दी में संस्कृत से लेकर तमिल और उर्दू आदि सभी के शब्द भी सम्मिलित हैं इसलिए इसे संविधान में ऊंचा दर्जा प्राप्त है। हिंदी को बढ़ावा देने से सारी भाषाओं का उत्थान निश्चित है। ये शब्द हिन्दी अकादमी के सचिव डॉ जीतराम भट्ट ने हिन्दी माह के समापन समारोह में आयोजित कवि सम्मेलन एव सांस्कृतिक संध्या में बोले । इस अवसर पर हिन्दी जगत के सुप्रसिद्ध कवि सुरेन्द्र शर्मा ने हास्य कविताएँ सुना कर सभी का मन मोह लिया।

जस्ट डायल का दावा दिल्ली में 5 हजार स्पा

नई दिल्ली। सर्च इंजन जस्ट डायल ने दिल्ली महिला आयोग को दिए जवाब में चौकाने वाली जानकारी दी है। कंपनी के मुताबिक दिल्ली में 5 हजार के करीब स्पा सेंटर मौजूद है।

कंपनी द्वारा दी गई सूची तीनों नगर निगम द्वारा दी गई सूचना से एकदम अलग है जिसमें बताया गया है कि राजधानी में 498 स्पा सेंटर चल रहे हैं। कंपनी ने स्पा की अनुमानित संख्या की जानकारी दी है।

इससे नाराज होकर जस्ट डायल को भेजे गए एक नए नोटिस में दिल्ली महिला आयोग ने पोर्टल को डेटा इकठ्ठा करने और उसे नई रिपोर्ट को आयोग को देने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया है।

सीवर सफाई के लिए 100 और पंप लगेंगे

मंत्री राजेंद्र पाल गौतम

- लोगों को सफाई के लिए सीवर में उतरने से मिलेगा छुटकारा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सीवर में उतर कर उसकी सफाई करने की प्रथा को खत्म करने की मुहिम के तहत आप सरकार 100 और स्वचालित जेट पम्प लगाने वाली है।

मशीनों का संचालन करने के लिए सफाई कर्मियों के बीच से सफलतापूर्वक बोली लगाने वालों को वित्तीय सहायता देने की मंजूरी दे दी गई है। दिल्ली एससी, एसटी, ओबीसी, माइनॉरिटी एंड हैंडीकैप फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएसएफडीसी) अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, सफाई कर्मचारियों और दिव्यांग व्यक्तियों से संबंधित अपने लक्षित समूहों के सदस्यों को पांच लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। सरकार के बयान के अनुसार, दिल्ली जल बोर्ड द्वारा की गई एक खुली नीलामी के जरिए सीवर साफ करने के 100 स्वचालित जेट पंप लगाने का फैसला किया गया है। ये पंप 200 पंपों के अतिरिक्त होंगे। एक मशीन की कीमत 40.16 लाख रुपए है। सीवर की सफाई के लिए उसमें उतरने के कारण कई सफाईकर्मियों की मौत हुई है।

समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि यह प्रथा कई पीढ़ियों से चली आ रही है और सिर्फ एक खास समुदाय को इस प्रथा के लिए बाध्य किया जाता है। आंध्र प्रदेश सरकार की प्रायोगिक परियोजना का अध्ययन करने के बाद मशीनीकृत सीवर सफाई योजना अब दिल्ली में भी लागू की गई है।

गांधी संकल्प यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करते मनोज तिवारी।

जनता को गुमराह कर रहे सीएम : तिवारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी नवीन शाहदरा जिला द्वारा गांधी संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा विश्वकर्मा गेट, राम नगर, मंडौली रोड से शुरू होकर राम नगर रोड से होते हुए जीटी रोड, शहादरा चौक पर समाप्त हुई।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कैलाश जैन, भाजपा नेता जयभगवान गोयल, अनिल गुप्ता, दिव्य जायसवाल, जितेंद्र महाजन, जिला महामंत्री कर्मवीर चंदेल, मास्टर विनोद कुमार, मीडिया विभाग के प्रदेश सह-प्रमुख आनंद त्रिवेदी, सभी निगम पार्षद, सभी मंडल अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए तिवारी ने कहा महात्मा गांधी ने भारतीय मूल्यों को पूरे विश्व में पहुंचाने का काम किया।

सीएम उनका दुरुपयोग कर जनता में भ्रम, झूठ और फरेब फैलाकर एक बार फिर सत्ता हासिल करना चाहते हैं, जो न सिर्फ गांधी के दिखाए गए आदर्शों के विपरीत है बल्कि नैतिक मूल्यों से भी विपरीत है।

साहनी के आने की सुगबुगाहट से आप में बेचैनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रहलाद सिंह साहनी के आम आदमी पार्टी में शामिल होने की चर्चा से चांदनी चौक के आप कार्यकर्ताओं में बेचैनी हैं। हाईकमान के फैसले के खिलाफ दो दिन से लगातार बैठकों का दौर जारी है और वे आगे की रणनीति बनाने में जुटे हैं।

यह अलग बात है कि साहनी को पार्टी में शामिल कराने की पूरी तैयारी कर ली गई है। सूत्रों का कहना है कि वह रविवार को आप का दामन थाम सकते हैं। साहनी ने भी रविवार को ही आप की सदस्यता लेने का ऐलान किया है।

अलका लांबा के साथ छोड़ने के बाद पार्टी को विधानसभा चुनाव में चांदनी चौक जैसी महत्वपूर्ण सीट पर मजबूत नेता की जरूरत है। साथ ही मुख्यमंत्री चार बार के विधायक रहे नेता को अपने पाले में लाकर कांग्रेस को जैसे को तैसा जवाब देना चाहते हैं। मालूम हो कि कई महीने से नाराज चल रहीं चांदनी चौक की विधायक अलका लांबा आप से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। वह इसी सीट से विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही हैं। प्रहलाद साहनी ने भी उपेक्षा से नाराज होकर आप में जाने का फैसला किया। उन्हें यहां टिकट मिलने का पूरा भरोसा है। साहनी को चांदनी चौक वि क्षेत्र का संभावित उम्मीदवार बनाने के खिलाफ इलाके के आप नेता नाराज बताये जा रहे हैं।

मुठभेड़ में अशोक प्रधान गैंग का सरगाना गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर में कई वारदातों को अंजाम देने वाले अशोक प्रधान गैंग के एक कुख्यात सरगना को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। इसके खिलाफ हत्या, फिरौती और लूट के कई मामले दर्ज है।

इसके पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस बरामद हुए है। आरोपी की पहचान नीरज भारद्वाज के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पिछले दिनों अशोक प्रधान गैंग ने दिल्ली और एनसीआर में कई वारदातों को अंजाम दिया था। वहीं इलाके में गैंगवार भी चल रहा था।

तर्कसंगत बने प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग : एलजी

एक टन क्षमता वाले एरोबिक ड्रम कम्पोस्टर का उद्घाटन, वेस्ट टू वेल्थ की ओर बढ़े कदम

पायनियर समचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने ईस्ट ऑफ कैलाश और चिराग दिल्ली में प्रतिदिन 1 टन क्षमता के एरोबिक कम्पोस्टर का उद्घाटन किया। बैजल ने इसे सही दिशा में उठाया गया सही कदम बताया क्योंकि इससे हम वेस्ट टू वेल्थ की ओर आगे बढ़ सकेंगे।

बैजल ने दिल्लनी की जनसंख्या में तेजी से हो रही वृद्धि और उपलब्ध सीमित संसाधनों का उल्लेख करते हुए स्थानीय निकायों से प्राकृतिक संसाधनों का तर्कसंगत उपयोग और संरक्षण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 1977 में 20 लाख जनसंख्या थी जो अब बढ़ कर 2 करोड़ हो गई है। प्रतिदिन निकलने वाले कचरे की मात्रा भी तेजी से बढ़ रही है। इसकी पूरी मात्रा का प्रबंधन और प्रोसैस करना एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए स्त्रोत पर कचरे अलग-अलग करना बेहद आवश्यक है। बैजल ने कहा कि दिल्ली की लैंड फिल साइट राजधानी के लिये शर्म की बात है।

नई साइट बनाना कठिन है क्योंकिन तो इसके लिए जमीन मिलती है और न ही प्रस्तावित स्थल पर इसे बनाने के लिए स्थानीय लोग राजी होते हैं। वहां के कचरे के पहाड़ के मशीनों की मदद से तीन किस्मों का रूप दिया जा रहा है।

ग्रीन कूड़े से बनाई जाएगी खाद : निगम आयुक्त

आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कहा कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने वेस्ट टू वेल्थ की राह पर आगे बढ़ने के लिए ग्रीन वेस्ट से खाद बनाने का काम तेज करेगा। इससे अधिक मात्रा में कचरा प्रबंधन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि चार एरोबिक ड्रम कम्पोस्ट लगाने का फैसला किया था। जिनमें से एक एरोबिक ड्रम कम्पोस्टर ने फरवरी में काम शुरू कर दिया था। ऐसे दो संयत्रों का आज ईस्ट आफकैलाश और चिराग दिल्ली में उद्घाटन किया जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में लोगों का अफोर्डेबल हाउसिंग के प्रति रुझान

आधे से अधिक अफोर्डेबल प्रोजेक्ट की यहां हुई है शुरुआत

दीवाली पर अफोर्डेबल हाउसिंग में खरीदारी अधिक होने की संभावना

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

बेशक मिलेनियम सिटी गुरुग्राम करोड़पतियों, अरबपतियों का शहर बन चुका है, लेकिन यहां मध्यमवर्गीय परिवारों की भी संख्या बहुत अधिक है। इसलिए सरकार की अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम उनके अपने घर लेने के सपनों को साकार कर रही है।

रियल एस्टेट क्षेत्र से मिली जानकारियों के आधार पर हम कह सकते हैं कि यहां आधे से अधिक अफोर्डेबल प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई है। दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले अधिकांश लोग वेतनभोगी वर्ग हैं, जिन्होंने अफोर्डेबल आवास की मांग को आगे बढ़ाया है। संशोधित अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी के तहत 1650 एकड़ जमीन अब गुरुग्राम जिले में अफोर्डेबल आवास के लिए आरक्षित है। जहां लगभग तीन लाख इकाइयां आ सकती हैं। रियल एस्टेट क्षेत्र में कंसल्टिंग एजेंसी एनारोक के सर्वे के अनुसार वर्ष-2019 के प्रथम तिमाही में 27 हजार नए आवसीय यूनिट्स शुरू किये गए, जिसमें लगभग 13 हजार यूनिट्स अफोर्डेबल क्षेत्र में रहे, जो इस क्षेत्र में शुरू किये गए परियोजनाओं का लगभग 48 प्रतिशत के करीब है।

इसके साथ ही दिल्ली-एनसीआर में जनवरी से सितम्बर 2019 के बीच सभी बजट के लगभग 36 हजार 210 यूनिट बिके, जिसमें लगभग 49 प्रतिशत यूनिट्स अफोर्डेबल क्षेत्र (40 लाख से कम) में बिके। एनारोक द्वारा ये आंकड़े केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से देश में मध्यम आय और अफोर्डेबल आवासीय क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं में आ रही अड़चनों को ध्यान में रखते हुये 20 हजार करोड़ के एक कोष की स्थापना की घोषणा करने के बाद जारी किये गये थे। साथ ही कहा गया है कि सरकार के इस कदम से देश भर में 3.5 लाख आवासीय इकाइयों को लाभ मिलने की संभावना है।

इस विषय में सीएसएसओएस के प्रेसिडेंट नेह श्रीवास्तव का कहना है कि अफोर्डेबल आवासीय इकाईयों की मांग में वृद्धि, रियल एस्टेट में आई मंदी को धीरे-धीरे कम करने में यह कदम कारगर सिद्ध हो सकता है। किफायती आवासों की मांग बढ़ रही है, इसलिए डेवेलपर्स ऐसी परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ती मांग के कारण रियल एस्टेट क्षेत्र में दीवाली पर प्रोजेक्ट की बिक्री में उछाल आने की संभावना है।

जेल की दीवार से मोबाइल फेंकने वाला गिरफ्तार

सोहना। भोंडसी जिला जेल की दीवार के ऊपर से पैकेट बंद वस्तु फेंकने के आरोप में एक युवक को दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ भोंडसी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। शुक्रवार को सोहना के वार्ड-8 निवासी सैलुद्दीन पुत्र खुर्शीद जेल में सील बंद वस्तु को अंदर बंद किसी अज्ञात बंदी तक पहुंचाने के लिए आया था। सैलुद्दीन सील बंद वस्तु फेंकने में कामयाब तो गया, लेकिन उसकी यह हरकत को जिला जेल के अधिकारी ने देख लिया और बाद तुरन्त जेल कर्मी की मदद से पकड़ लिया। जिसे मौके पर भोंडसी थाना पुलिस को सौंप दिया। भोंडसी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि पैकेट के अंदर मोबाइल फोन था। जो किसी बंदी तक पहुंचाने के लिए फेंका था। आरोपी को शनिवार को जेल भेज दिया।

प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय पर हमला, तोड़फोड़

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

भोंडसी के मारुति कुंज कॉलोनी मोड़ पर स्थित प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय पर दर्जनभर युवकों ने हमलाकर तोड़फोड़ की। आफिस के अंदर शीशे, दरवाजे, इनवेटर और मकान के बाहर खड़ी ओडी कार के शीशे तोड़ दिए। मकान मालिक सहित उसके मौके पर मौजूद चचेरे भाई को हमलावरों ने जान से मार देने की धमकी दी।

भोंडसी की मारुति कुंज कॉलोनी मोड़ पर भोंडसी निवासी प्रॉपर्टी डीलर देवीलाल का निजी आफिस है। गुरुवार-शुक्रवार रात करीब 12 बजे स्कॉर्पियो, कार-बाइक सवार दर्जन भर युवकों ने अंदर घुसककर तोड़फोड़ कर दी। गेट, इनवेटर, उसकी ट्रॉली, सोफे आदि सामान तोड़ दिया। कार्यालय के बाहर खड़ी ओडी कार के शीशे तोड़े दिये।

प्रॉपर्टी डीलर देवीलाल के कार्यालय पर रात के समय में की गई तोड़फोड़ में टूट पड़े शीशे दरवाजों का कांच। इंसेट में आफिस के बाहर खड़ी क्षतिग्रस्त ओडी कार।

वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद

रात के समय में कार्यालय पर की गई तोड़फोड़ की वारदात यहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से फुटेज से हमलवारों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस जल्द से जल्द आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

हमलावारों पर केस दर्ज

भोंडसी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि विजय कुमार पुत्र सुरेन्द्र सिंह की शिकायत पर अज्ञात हमलवारों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। विजय कुमार ने पुलिस को बताया कि जिस समय हमला करने के लिए नौजवान युवक आए थे। उस समय वह अकेला था। हमलावरों ने देवीलाल को जान से मार देने की धमकियां दी।

विवादित टिप्पणी पर सुखबीर कटारिया का फूंका पुतला

पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया ने दिया है यह विवादित बयान

गुरुग्राम भाजपा की आईटी सैल व हिंदू संगठनों ने किया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस प्रत्याशी सुखबीर कटारिया का भारत माता को लेकर दिये गये बयान के विरोध में पुतला फूंकते हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता।

फर्जी वोट प्रकरण में अदालत के चक्कर काट रहे गुरुग्राम विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया ने सोनिया गांधी की तुलना भारत माता से करके बड़े विवाद को जन्म दे दिया है। इसके विरोध में हिंदू संगठनों व भाजपा आईटी सैल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को उनका पुतला भी फूंका।

अपने बयान में सुखबीर कटारिया ने कहा है कि भारत माता की जय नहीं अब गुड़गांव में सोनिया गांधी की और उनके समर्थकों की जय होगी। उनकी यह बात तुरंत सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और लोगों ने उनके खिलाफ बोलना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ लोगों ने खासकर हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों ने खूब खरी-खोटी सुनाई है। उनके द्वारा दिये गये इस तरह के बयान पर शनिवार को हिंदू संगठनों ने एकत्रित होकर सुखबीर कटारिया के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद जुलूस निकालते हुये उनका पुतला भी फूंका। लोगों ने मांग की है कि सुखबीर कटारिया अपने इस बयान को वापस लेते हुये सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। प्रदर्शन करने वालों में में बजरंग दल से संयोजक अभिषेक गौड़, प्रवीण सैनी, अखिल भारतीय हिन्दू क्रांति दल से राजीव मित्तल, अमित हिन्दू, दिनेश भारती, आईटी सैल जिला संयोजक, साहिल मनोचा, शिव सेना से जिलाध्यक्ष गौतम सैनी, सूरज प्रकाश एडवोकेट, सत्यनारायण गुप्ता, इंदू भारती, वाईके शर्मा, अरुण यादव, श्याम, यतेंद्र, यशपाल फरीदपुर, सीता देवी, प्रेम सिंह, बिट्टू समेत अनेकों हिन्दू संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

बिग बॉस सीरियल में अश्लीलता परोसे जाने का गुरुग्राम में विरोध

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री का पुतला फूंका

भारतीय संस्कृति पर इस सीरियल को बताया कुठाराघात

गुरुग्राम में बिग बॉस सीरियल में अश्लीलता परोसे जाने के विरोध में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर का पुतला फूंकते लोग।

गुरुग्राम। कलर्स चैनल पर प्रसारित किये जाने वाले बिग बॉस सीरियल में अश्लीलता परोसे जाने के गुरुग्राम में खुलकर विरोध किया गया है। सीरियल की कुछ तस्वीरें जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो लोगों ने उन पर कटाक्ष करने शुरू कर दिये। साथ ही फिल्म अभिनेता एवं इस सीरियल के होस्ट सलमान खान पर भी प्रहार किये गये।

शनिवार को यहां फव्वारा चौक पर काफी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता एकत्रित हुये और बिग बॉस सीरियल पर परोसी जा रही अश्लीलता का नारेबाजी करते हुये विरोध करने लगे। विरोध-प्रदर्शन कर रहे माइकल सैनी, अखिल भारतीय हिन्दू क्रांति दल से राजीव मित्तल, शिव सेना से प्रवक्ता रितुराज अग्रवाल, जिलाध्यक्ष गौतम सैनी आदि ने बिग बॉस सीरियल में होस्ट सलमान खान द्वारा प्रसारित नाटक को भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिग बॉस सीरियल में अश्लीलता को परोसा जा रहा है, जो कि भारतीय संस्कृति के लिए सही नहीं है। इस सीरियल को तत्काल प्रभाव से बन्द किए जाने की मांग करते हुए जोरदार नारेबाजी की गई। साथ ही केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर का पुतला फूंका। इस मौके पर पण्डित लक्ष्मीकान्त व्यास, विनोद, अमित सहरावत, सुनील कटारिया, संदीप, जगत, सुनील प्रजापत, अशोक समेत अनेक हिन्दू संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

चुनौली रैली में सरपंच की जेब से एक लाख 88 हजार चोरी

सोहना। सोहना की चुनावी रैली में जेब कतरे ने सरपंच की जेब काटकर एक लाख 88 हजार रुपये उड़ा दिए। जेब काटने की हरकत रैली में वीडियो बना रहे युवक के मोबाइल में कैद हो गई। सोहना सिटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जिला नूंह के गांव बैंसी के सरपंच अरशद पुत्र इशाक ने सोहना सिटी थाने में नूंह के ही गांव पल्ला निवासी अख्तर पुत्र कमरू के खिलाफ जेब काटने का मामला दर्ज कराया है। अरशद ने पुलिस को बताया कि वह गुरुवार को चुनावी रैली में शामिल होने के लिए सोहना की राघव वाटिका में आया था। उसे एक लाख 88 हजार रुपये अपने रिश्तेदार को देने थे। जो वह घर से लेकर आया था। चुनावी सभा के दौरान स्टेज पर चढ़ते समय अख्तर निवासी पल्ला ने उसके कुर्ते की जेब काटकर एक लाख 88 हजार रुपये निकाल लिए। अख्तर की यह हरकत पास में वीडियो बना रहे युवक के मोबाइल में कैद हो गई। इस दौरान अख्तर भीड़ का फायदा उठाते हुए भाग गया। सोहना सिटी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफमामला दर्ज करने के बाद तलाश शुरू कर दी है।

नवरात्रों में आसान उपायों से अपने मुख को रखें खुश

गुरुग्राम। जो लोग उपवास रखते हैं वे प्याज, लहसुन, अदरक जैसे कुछ खाद्य पदार्थों का परहेज करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी इस दौरान मौखिक स्वास्थ्य के पहलू पर भी विचार किया है। इस बात पर कोई दोराय नहीं है कि उपवास शरीर के लिए लाभदायक होता है, किंतु क्या आपको जानकारी है कि उपवास का संबंध आपके मौखिक स्वास्थ्य से भी है। हमें यह तो पता है कि प्याज व लहसुन सांसों को बदबूदार बनाते हैं और उपवास के दौरान आप इनसे छुटकारा पाकर ताजगी महसूस करते हैं। इसी तरह इसके कुछ अन्य मौखिक लाभ भी हैं। क्लोव डेंटल की डॉ. पारुल सिंह कहती हैं कि उपवास और ओरल हाइजीन के बीच का संबंध काफी सकारात्मक है, क्योंकि वसायुक्त खानपान कम हो जाता है और लोग मेवे, फल, दूध व अन्य प्रोटीन युक्त चीजों का सेवन ज्यादा करते हैं। परिणामस्वरूप डेंटल कैविटी व मुंह की अन्य समस्याओं का जोखिम कम हो जाता है। इससे न केवल मौखिक सेहत की क्वालिटी बरकरार रहती है उसमें सुधार होता है और वह नियंत्रित रहता है।

आयुष विभाग ने की स्वास्थ्य कार्यशाला आयोजित

फर्रुखनगर। राष्ट्रीय पोषण अभियान के अंतर्गत जिले के गांव धनकोट स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयुष विभाग द्वारा एक दिवसीय स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ कुलदीप श्योराण की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में जिला आयुष अधिकारी डॉ. मंजू नागर ने मुख्य वक्ता के तौर पर भाग लिया। कैंप में आयुष विभाग योग विशेषज्ञ भूदेव द्वारा योग का प्रशिक्षण एवं इसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. शशि बाला ने कार्यशाला में बताया कि स्वास्थ्य के चार आध्यात्मिक, सामाजिक, मानसिक व शारीरिक पक्षों में तालमेल आवश्यक नहीं अनिवार्य है। उन्होंने आयुर्वेद के महत्व, दिनचर्या खानपान, संतुलित आहार, ऋतु चक्र पर आधारित बहुआयामी रोचक जानकारी दी। डॉ. कुलदीप श्योराण ने कहा कि अक्टूबर माह में आयुष विभाग द्वारा पोषण अभियान के तहत और भी कार्यशाला लगाई जाएगी। कैंप में विभिन्न प्रकार के 283 रोगियों का उपचार किया। इस मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्य सुशीला देवी, डॉ. किरण छिल्लर, मुकेश कुमार, डॉ. शशि बाला, गुरदास, फार्मासिस्ट मोनिका के अलावा अध्यापिका सुरेश देवी व सीमा देवी मौजूद रही।

चलते ऑटो में युवती से मोबाइल लूटा

सोहना। गुरुग्राम-सोहना मार्ग पर बाइक सवार तीन युवकों ने चलते ऑटो में बैठी युवती के हाथों में से मोबाइल फोन लूट कर भाग गए। भोंडसी थाना पुलिस ने बाइक सवार युवकों के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। सोहना के वार्ड-17 निवासी युवती दिव्या पुत्री तलेशपाल ने पुलिस को बताया कि वह भोंडसी में एक कंपनी में बतौर एजेंट के नौकरी करती है। शुक्रवार को जब वह अपने ऑफिस से घर सोहना ऑटो से जा रही थी। गुरुग्राम मार्ग पर गांव महेन्द्रवाड़ा मोड़ के पास पीछे से आए बाइक सवार युवक ने झपट्टा मारकर मोबाइल फोन छीन लिया। युवक बाइक को तेजी से दौड़ते हुए फरार हो गए।

चुनाव आयोग के नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर गुरुग्राम पहुंचे

गुरुग्राम। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गुरुग्राम जिला में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव करवाने के लिए नियुक्त किए गए जर्नल ऑब्जर्वर राजीव कुमार और रिचर्ड विंसेंट डिसोजा पहुंच गए हैं।

राजीव कुमार को गुड़गांव तथा बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए जनरल ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है, जबकि रिचर्ड विंसेंट डिसोजा को जिला के पटौदी और सोहना विधानसभा क्षेत्रों के लिए जनरल ऑब्जर्वर लगाया है। राजीव कुमार 1997 बैच के पश्चिम बंगाल काडर के आईएएस अधिकारी हैं और रिचर्ड विंसेंट डिसोजा 2007 बैच के कर्नाटक काडर के आईएएस अधिकारी हैं। दोनों जर्नल ऑब्जर्वर ने उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अमित खत्री तथा संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों से चुनाव करवाने के प्रबंधों के बारे में जानकारी हासिल की। उन्हें बताया कि जिला में चुनाव आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करने के लिए स्टेटिक सर्विलांस टीम और फ्लाइंग स्क्वायड लगाए गए हैं, जो सक्रियता से काम कर रहे है। जिला में इन टीमों द्वारा भारी मात्रा में शराब और नकली नोट भी पकड़े हैं।

जिला में सी-विजील एप के माध्यम से प्राप्त हो रही आचार संहिता उल्लंघन की शिकायतों का संज्ञान निर्धारित 100 मिनट की अवधि में लेकर उन पर कार्रवाई की जा रही है। श्री खत्री ने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर-1950 जिला में 24 घंटे संचालित किया जा रहा है। जिले में नियुक्त दो एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर यहां आकर उम्मीदवारों के चुनावी खर्च के बारे में विचार विमर्श कर चुके हैं।

रेत की ट्रॉली को लेकर दो गुट भिड़े

फर्रुखनगर। रेत की ट्राली को लेकर हुए विवाद में पड़ोसियों ने एक दूसरे पर मारपीट, कपड़े फाड़ने व ईंट पत्थरों से वार करने पर स्थानीय थाना फर्रुखनगर में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर एक-दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार सुनीता पत्नी रोहित कुमार निवासी गांव महचाना ने बताया कि उसके पड़ोसी दीपक ने उसके घर के गेट के सामने रेत से भरी ट्राली खाली करवा दी। मना करने पर मारपीट की एवं छेड़खानी करते हुए कपड़े फाड़ दिए और सिर पर ईंट से वार किया। रमेश, बबली और विक्की ने भी मारपीट की। बबली पत्नी रमेश कुमार निवासी गांव महचाना ने पुलिस में शिकायत दी है कि हमने एक रेत की ट्राली मंगाई थी। रोहित के घर के सामने रेत की ट्राली फंस गई। ट्राली नहीं निकलने से वही खाली करा दी।

गांधी जयंती पर अनूठा आंदोलन चलाया

नई दिल्ली। महात्मा गांधी का एक प्रसिद्ध कथन है, आपका भविष्य आपके वर्तमान पर निर्भर करता है। इन शब्दों की शक्ति से प्रेरणा लेते हुए और यह समझते हुए कि संसार का भविष्य आज की पीढ़ी के हाथों में है, पर्ल अकादमी के विद्यार्थियों ने दिल्ली में एक अनूठा आंदोलन शुरू किया है। महात्मा गांधी के 150वें जन्मदिवस पर पर्ल अकादमी के विद्यार्थियों ने एक आर्ट इंस्टालेशन बनाया है, जो स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये की गई ऐतिहासिक दांडी यात्रा को दर्शाता है। इस इंस्टालेशन का उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनेता श्रीमती मीनाक्षी लेखी आज दिल्ली के चरखा संग्रहालय में करेंगी।

एंटोनियो मौरिजियो ग्रियोली के नेतृत्व में पर्ल अकादमी के स्कूल ऑफ फैशन ने भी सिलेक्ट सिटी वॉक में 150 चरखे रखे हैं, जो शहर के युवाओं के मिलने-जुलने के पसंदीदा स्थानों में से एक है, ताकि उन्हें सूत कातने के लिये आमंत्रित किया जा सके। मौरिज़ियो का मानना है कि आज हमारा समाज और विश्व जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उन पर बातचीत और कार्यवाही शुरू करने के लिये युवाओं को जोड़ना सर्वश्रेष्ठ तरीका है।

मौरिज़ियो ने कहा, च्चगांधीजी के 150वें जन्मदिवस पर इन 150 चरखों के एक साथ चलने से इस गर्वान्वित युवा देश की आवाज बुलंद होगी और स्थायी अस्तित्व के लिये गांधीजी की दृढ़ता की शिक्षा का अनुसरण होगा।

हमारे ग्रह की रक्षा के लिये स्थायित्व जरूरी है, इस विषय पर युवाओं को जागरूक करने के लिये पर्ल अकादमी के भूतपूर्व विद्यार्थियों ने शहर में एक अनूठे फैशन शो की प्रस्तुति की। उन्होंने खादी से बने रोजाना पहनने योग्य और फैशनेबल परिधानों का प्रदर्शन किया। अधिकतम लोगों के दर्शन के लिये सिलेक्ट सिटी वॉक में आयोजित इस फैशन शो की खूब तारीफ हुई और स्थायित्व को प्रचलन में लाने पर बातचीत शुरू हुई।

श्रीकृष्ण- रुक्मिणी विवाह की कथा का कराया रसपान

राजेंद्रा पार्क के रतन गार्डन में चल रही है श्रीमद् भागवत कथा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राजेंद्रा पार्क स्थित रतन गार्डन में श्रीमद् भागवत कथा सुनाते कथावाचक आचार्य श्री बालयोगी जी महाराज व मौजूद श्रद्धालु।

यहां राजेंद्रा पार्क स्थित रतन गार्डन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक श्री बालयोगी जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण व रुक्मिणी विवाह की कथा का श्रद्धालुओं को रसपान कराया।

शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण व रुक्मिणी के विवाह की कथा सुनाई गई। कथावाचक बालयोगी महाराज ने बताया कि विदर्भ के राजा भीष्मक के घर रुक्मिणी का जन्म हुआ। बाल अवस्था से भगवान श्रीकृष्ण को सच्चे हृदय से पति के रूप में चाहती थीं, लेकिन उसका भाई रुक्मिणी का विवाह गोपल राजा शिशुपाल के साथ कराना चाहता था। रुक्मिणी ने अपने भाई की इच्छा जानी तो उसे बड़ा दुख हुआ। अत: शुद्धमति के अंतपुर में एक सुदेव नामक ब्राह्मण आता-जाता था। रुक्मिणी ने उस ब्राह्मण से कहा कि वे श्रीकृष्ण से विवाह करना चाहती हैं। सात श्लोकों में लिखा हुआ मेरा पत्र तुम श्रीकृष्ण तक पहुंचा देना।

कथावाचक ने बताया कि रुक्मिणी ने स्वयं को प्राप्त करने के लिए उपाय भी बताया। पत्र में रुक्मिणी ने बताया कि वह प्रतिदिन पार्वती की पूजा करने के लिए मंदिर जाती हैं, श्रीकृष्ण आकर उन्हें यहां से ले जाओ। पत्र के माध्यम से रुक्मिणी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप इस दासी को स्वीकार नहीं करेंगे तो मैं हजारों जन्म लेती रहूंगी। मैं किसी और पुरुष से विवाह नहीं करना चाहती हूं, बेशक सौ जन्म लेने पड़ें।

पार्वती के पूजन के लिए जब रुक्मिणी आई, उसी समय प्रभु श्रीकृष्ण रुक्मिणी का हरण कर ले गए। अत: रुक्मिणी के पिता ने रीति रिवाज के साथ दोनों का विवाह कर दिया। इंद्र लोक से सभी देवताओं द्वारा पुष्पों की वर्षा की और खुशियां लुटाई। इस मौके पर आचार्य शिवानंद मौजूद रहे। कथा में जितेंद्र, पंकज, राहुल, राजेश के अलावा महिला मित्र मंडल से भारती, बबली, बबीता, किरन, प्रियंका, सुनीता, पुष्पा, हेमा, मधु, शिवानी, पूनम, उर्मिला, संतोष, कांता, कृति, राधा, रूपा पटेल, अनिता, सुशीला, मनोरमा, वीना, सपना, काजल, आशा और मधु आदि अहम भूमिका निभा रहे हैं।

बहन शूर्पणखा की कटी नाक के बदले रावण ने किया सीता हरण

जैकबपुरा की श्रीदुर्गा रामलीला में रावण बने बनवारी लाल सैनी का दमदार अभिनय

बनवारी लाल सैनी का रोल देखने उमड़ रही हजारों की भीड़

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में रावण की दमदार भूमिका में नाम दर्ज करा चुके बनवारी लाल सैनी भले ही उम्र के 63वें पड़ाव पर हों, लेकिन जब वे रावण के गेटअप में आये तो लगा कि वे फिर से जवान हो गये हैं। आवाज में वही बरसों पुराना कड़कपन, तनी हुई कद-काठी और डायलॉग बोलने का अंदाज, कुछ भी तो नहीं बदला। जनता के बीच से भी आवाज गूंजी कि शेर-शेर होता है, वह कभी बूढ़ा नहीं होता।

रामलीला के आठवें दिन उनके रावण के रूप में अभिनय की शुरुआत हुई। यहां जैकबपुरा स्थित श्री दुर्गा रामलीला की शुरुआत में अपनी कटी हुई नाक लेकर शूर्पणखा ने लंकापति रावण तक पहुंचाई और अपनी कटी नाक का बदला लेने के लिए उसे उकसाया। रावण अपनी बहन की कटी नाक का बदला लेने के लिए मारीच को सोने का मृग बनके चित्रकूट पर विचरण करे और राम-लक्ष्मण को वहां से दूर जाने को तैयार करता है और सीताजी का हरण कर लेता है। सीता हरण देखने के लिए रामलीला में सामान्य दिनों से दोगुनी भीड़ थी।

बगावत : एसी चौधरी ने सीमा को दिया आशीर्वाद

प्रदीप मोहंती। फरीदाबाद

पूर्व कांग्रेसी मंत्री एसी चौधरी ने एक साक्षात्कार में कहा था कि कांग्रेस उनकी मां है। किंतु कांग्रेस की टिकट न मिलने से व्यथित एसी चौधरी ने भाजपा प्रत्याशी सीमा त्रिखा को आशीर्वाद दे दिया है। इस खास मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर भी मौजूद रहे।

एकाग्र चंद्र चौधरी हरियाणा में पंजाबियों के कद्दावर नेता रहे हैं। किंतु हुड्डा सरकार में परिसीमन के बाद एनआईटी का क्षेत्र दो हिस्सों में बंट गया, जिससे एसी चौधरी की पकड़ कमजोर हो गई। बाद में कई बार उन्हें कांग्रेस से उपेक्षा का दंश झेलना पड़ा। उन्हें आखिरी बार एनआईटी क्षेत्र से कांग्रेस की टिकट 2009 में मिली थी। जबकि वे नई सीट बनी बड़खल से टिकट चाहते थे। जबकि बड़खल से पांच बार के विधायक महेंद्र प्रताप सिंह को टिकट दे दी गई। खास बात यह है कि एसी चौधरी और महेंद्र प्रताप सिंह गुरू भाई हैं। दोनों ही शिवपुरी के निकट आनंदपुर साहब सत्संग आश्रम के अनुयायी हैं। उधर एनआईटी में एसी चौधरी तब के निर्दलीय प्रत्याशी शिवचरण लाल शर्मा के हाथों में मात खा गए। इसके बाद नगर निगम के चुनाव में उनकी पुत्रवधु भी चुनाव हार गई। इससे उनकी राजनीतिक साख को भारी धक्का लगा।

एसी चौधरी इससे पहले एक बार इनेलो में भी शामिल हुए थे। बाद में वे मुकर गए थे। एसी चौधरी ने इमरजेंसी के बाद 1977 में कांग्रेस की टिकट पर पहला चुनाव लड़कर इलेक्टोरल पॉलिटिक्स की शुरुआत की थी। वे 1982, 1991 और 2005 में चुनाव जीते थे। हालांकि 1987, 1996, 2000 और 2009 के दौरान खाते में हार भी दर्ज हुई। वे तीन बार मंत्री भी रह चुके हैं। हालिया परिदृश्य में एसी चौधरी भी बड़खल से टिकट के दावेदार थे। किंतु उनके पैरोकार निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष अशोक तंवर थे और टिकट वितरण में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा की चली। इसलिए उन्हें टिकट नहीं मिल पाई। टिकट वितरण काल में यह भी चर्चा चली थी कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह हरियाणा में एसी चौधरी की इकलौती टिकट मांग रहे हैं। किंतु पहले तो टिकट मिलने की खुशी में पूर्व महापौर अशोक अरोड़ा के आवास पर ढोल बज गए, लेकिन अंतत: महेंद्र प्रताप सिंह अपनी विरासत का स्थानांतरण करते हुए मंझले पुत्र विजय प्रताप सिंह को टिकट दिलवाने में कामयाब हो गए।

आशीर्वाद दिया: प्रतिक्रिया के लिए जब एसी चौधरी से संपर्क किया, तो उनके भतीजे भरत ने बताया कि वे कार्यकर्ताओं में व्यस्त हैं। भरत ने बताया कि उन्होंने भाजपा ज्वाइन नहीं की है। सीमा को आशीर्वाद दिया है।

दो बार का नागा

इस बार टिकट कटने से एसी चौधरी का सपना बुरी तरह बिखर गया, क्योंकि उन्हें टिकट मिलने में दो बार का नागा हो गया है। हरियाणा विधानसभा के डाटा के मुताबिक एसी चौधरी 18 सितंबर, 1938 की पैदाइश हैं। अब वे लगभग 81 वर्ष के हो चुके हैं और अगले चुनाव तक उनकी उम्र 86 साल होगी। इसलिए वे इस बार के नागे से कांग्रेस से बेहद खफा बताए जाते हैं। उन्होंने कुछ ही दिनों पहले टिकट न मिलने के कारण अपने आरा मशीन पर अपने समर्थकों की बैठक भी बुलाई थी। उसके बाद अचानक यह घटनाक्रम हुआ, जिसमें केंद्रीय राज्य मंत्री गुर्जर और सीमा त्रिखा एवं उनके सहधर्मी वकील अश्विनी त्रिखा एसी चौधरी के आवास पर पहुंचे। जहां एसी चौधरी ने सीमा त्रिखा को आशीर्वाद दिया।

पंजाबी गोलबंद होंगे

यह तय है कि एसी चौधरी के सीमा का समर्थन करने से पंजाबी गोलबंद होंगे और सीमा त्रिखा को इसका फायदा मिलेगा। किंतु यह भी तय है कि इस सीट पर पंजाबियों की गोलबंदी के साथ गैर पंजाबियों का भी ध्रुवीकरण उसी दर से होगा, जिसका फायदा विजय प्रताप सिंह को होगा।

भाजपा ने पांच साल तिगांव से किया भेदभाव : ललित नागर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कांग्रेस प्रत्याशी ललित नागर ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 2019 का चुनाव न्याय और अन्याय की लड़ाई बनकर सामने आया है, क्योंकि पांच साल में तिगांव क्षेत्र की जनता के साथ भाजपा ने भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया, जिसके चलते यहां के लोग विकास से महरूम रहे। इसलिए अब समय आ गया है, जब लोगों को एकजुट होकर सत्तारुढ़ भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए लामबंद होना होगा।

तिगांव के कांग्रेस प्रत्याशी ललित नागर ने शनिवार को अपने चुनाव प्रचार अभियान के तहत तिगांव क्षेत्र के कई गांवों में आयोजित सभाओं के माध्यम से भाजपा सरकार पर जमकर प्रहार किया। नागर आज तिगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव महावतपुर, लालपुर, नचौली, कांवरा, राजपुरा, सिडाक, अल्लीपुर तिलौरी, ताजपुर सहित कई गांवों में आयोजित सभाओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनका ग्रामवासियों ने जगह जहां पगड़ी बांधकर स्वागत कर अपने खुले समर्थन का ऐलान किया। वहीं उनके सम्मान में जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई।

नागर ने कहा कि भाजपा के पांच साल फरीदाबाद के लिए विनाशकाल साबित हुए हैं, क्योंकि इन पांच सालों में फरीदाबाद में विकास के नाम पर कहने के लिए एक भी नया बड़ा प्रोजेक्ट नहीं आया है। भाजपाइयों ने केवल लोगों को भ्रमित करके आंकड़ों की जुमलेबाजी में फंसाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि एक विपक्ष के विधायक के रूप में उन्होंने हमेशा भाजपाई जुल्म और न्याय के खिलाफ लोगों की आवाज बनकर बुलंद तरीके से उठाई है और अगर लोगों के समर्थन और सहयोग से उन्हें पुन: विधानसभा में जाने का मौका मिला, तो वह विश्वास दिलाते हैं कि वह तिगांव क्षेत्र को न केवल विकास की बुलंदियों पर पहुंचाएंगे, बल्कि चौरासीपाल के साथ-साथ छत्तीस बिरादरी को भी सम्मान देने का काम करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

21 नामांकन रद्द किए गए

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अतुल कुमार ने बताया कि शनिवार को जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन पत्रों की छंटनी का कार्य किया गया। छंटनी के बाद 73 नामांकन वैध पाए गए तथा 21 नामांकन रद्द कर दिए गए। उन्होंने बताया कि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि तक सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 94 नामांकन प्राप्त हुए थे। विधानसभा क्षेत्र नंबर 85-पृथला में 12 नामांकन वैध पाए गए, जबकि अंतिम तिथि तक कुल 17 नामांकन जमा हुए थे। इसी प्रकार 86-फरीदाबाद एनआईटी में 18 नामांकन वैध पाए गए, जबकि कुल 21 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे। उन्होंने बताया कि 87-बड़खल में 10 नामांकन वैध पाए गए, जबकि इस विस क्षेत्र में 13 नामांकन दाखिल हुए थे। इसी प्रकार 88-बल्लभगढ़ में 12 नामांकन वैध पाए गए, जबकि इसमें 15 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे। इसके अलावा 89-फरीदाबाद में 9 नामांकन पत्र वैध पाए गए, जबकि इसमें 13 नामांकन पत्र भरे गए थे तथा 90-तिगांव विधानसभा क्षेत्र में 12 नामांकन पत्र वैध पाए गए, जबकि इसमें 15 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने वाले को कैद

फरीदाबाद। नाबालिग लड़की को बहला-फुसला कर अपने कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश केपी सिंह की अदालत सात साल की कैद और छह हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। मामला करीब एक साल से अदालत में विचाराधीन था। अदालत में पेश मामले के मुताबिक मुजेसर इलाके की एक कालोनी में रहने वाली 15 साल की एक लड़की ने 13 सितंबर 2018 को यह मामला महिला थाना एनआईटी में दर्ज करवाया था। उसने अपनी शिकायत में कहा था कि वह सरकारी स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ती है। उसकी मां इसी इलाके में ढाबा चलाती है। जहां हाथ बंटाने के लिए वह भी जाया करती है। पड़ोस में रहने वाला संजीव ढाबे पर अक्सर खाना खाने के लिए आता था। इसलिए उसकी संजीव के साथ बातचीत होती रहती थी। घटना वाले दिन देर रात को नींद खुलने पर वह शौच के लिए घर से निकली थी। तभी गली में मौजूद संजीव उसे बहला-फुसला कर अपने कमरे में ले गया। जहां संजीव ने उसके साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। विरोध करने पर आरोपी ने डरा धमका कर उसके साथ दुष्कर्म करना शुरू कर दिया। इसके बाद आरोपी ने उसे यह बात किसी को न बताने की हिदायत देकर भेज दिया। घर पहुंचने पर उसने अपनी भाभी को घटना के बारे में बता दिया। परिजनों की मदद से उसने मामले की शिकायत पुलिस को दे दी। उस समय पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर दिया था। जहां यह मामला तभी से विचाराधीन था। शनिवार को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। बाटा-हार्डवेयर चौक स्थित दुर्गाबाड़ी मंदिर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जो बीके चौक स्थित वेदांता अस्पताल की तरफ से शिविर लगाया गया। शिविर में डॉक्टरों की देख-रेख में करीब 80 श्रद्धालुओं ने मंदिर में रक्तदान किया। मंदिर कमेटी के सदस्य सलिल चक्रवर्ती ने बताया कि मंदिर में पूजा के समय चिकित्सकों की टीम मौजूद रही, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी न हो। शनिवार को कई रक्तदान करने आए श्रद्धालुओं को व्रत रखने के कारण रक्तदान करने से रोक दिया गया, लेकिन जांच के बाद करीब 80 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

ट्रक पेड़ से टकराया क्लीनर की मौत

फरीदाबाद। केजीपी पर गांव छांयसा के निकट तेज रफ्तार से दौड़ता एक ट्रक रेलिंग को तोड़ता हुआ नीचे स्थित पेड़ से जा टकराया। इस दुर्घटना में ट्रक के क्लीनर की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया है।

थाना छांयसा में दर्ज मामले के मुताबिक गाजियाबाद निवासी संदीप कुमार एक दूध कंपनी के ट्रक पर चालक के पद पर काम करता है। इसी ट्रक पर बुलंदशहर निवासी सुनील क्लीनर के पद पर नौकरी करता था। अन्य दिनों की तरह शनिवार सुबह भी दोनों ट्रक को लेकर केजीपी से होते हुए गुरूग्राम जा रहे थे। जब वे छांयसा गांव के निकट पहुंचे, तो अचानक ट्रक का संतुलन बिगड़ गया, जिसके कारण ट्रक रेलिंग तोड़कर नीचे चला गया और एक पेड़ से जा टकराया। इस दुर्घटना में क्लीनर सुनील की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चालक संदीप घायल हो गया है। उसे इलाज के लिए बीके अस्पताल में दाखिल कराया गया है। शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

चुनावों के मद्देनजर पुलिस ने की सख्त नाकाबंदी

पुलिस ने जगह-जगह नाके लगाकर शुरू की चेकिंग

इलाके का सीकरी नाका सबसे महत्वपूर्ण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के मकसद से पुलिस द्वारा जगह-जगह नाके लगाकर सख्ती के साथ जांच-पड़ताल शुरू हो गई है। थाना सदर बल्लभगढ़ के प्रभारी द्वारा अपने एरिया में गस्त बढ़ाई गई व नाकों को टाइट कर जांच पड़ताल की जा रही है। इलाके का सीकरी नाका सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।

पुलिस आयुक्त केके राव ने बताया कि एक दिन नाकों पर सख्ती से चैकिंग की गई। रविवार को दुर्गा शक्ति, आईआरबी और भारी पुलिस फोर्स के साथ इलाके में गश्त, भीड़भाड़ वाले इलाकों में फ्लैग मार्च निकाले जाएंगे। यह प्रक्रिया 18 अक्टूबर तक जारी रहेगी। 19 तारीख से नाकों की संख्या बढ़ाकर और उन पर जवानों की संख्या बढ़ाकर इलेक्शन प्रक्रिया पूरी होने तक नाके फिक्स कर दिए जाएंगे।

अपराधिक गतिविधियों में शामिल असामाजिक तत्व पर कड़ी नजर रहेगी और उनकी जगह जेल में होगी। खुले में शराब पीना, अवैध शराब का कारोबार करना, अवैध हथियार लेकर चलना, लड़ाई-झगड़ा करना व दंगा-फसाद करना कराने वालों पर पुलिस का शिकंजा कसा जाएगा। ऐसे लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेजेगी।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान कानून व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस आयुक्त केके राव के निर्देश और मार्गदर्शन में फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। शांतिपूर्ण चुनाव करवाने के लिए पुलिस पूरी तरह से तैयार है।

दो वाहनों में ले जाई जा रही शराब की 330 पेटी बरामद

पुलिस आयुक्त केके राव के आदेश पर पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसलिए शाखा सेक्टर 85 की टीम ने बीती नाकाबंदी करके दो शराब तस्करों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों की दो गाड़ियों से शराब की 330 पेटियां बरामद की हैं। इससे पहले पिछले 13 दिनों में पुलिस तस्करों के कब्जे से करीब साढ़े सात हजार बोतल शराब बरामद कर चुकी है।शांतिपूर्ण चुनाव करवाने के उदेश्य से थाना, चौकियों और अपराध शाखा की यूनिटे 24 घंटे सड़कों पर नाकाबंदी कर असामाजिक तत्वों की धरपकड़ करने में जुटी हुई है। पुलिस अवैध शराब और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले कई लोगों को दबोच कर सलाखों के पीछे भेज चुकी है। बीती रात अपराध शाखा सेक्टर 85 के प्रभारी सुमेर सिंह अपनी टीम साथ बड़खल मेट्रो स्टेशन के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस ने दो गाड़ियों को रोक कर तलाशी ली, तो उनमें से 330 पेटी अवैध शराब बरामद की गई। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गांव अनंगपुर निवासी राहुल और आकाश के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता सूबेसिंह ने बताया कि पुलिस 24 घंटे मुस्तैदी बरतते हुए असामाजिक तत्वों की धरपकड़ कर रही है।

छात्रों के लिए चलेगा लेप्रोसी विरुद्ध अभियान

कविता। फरीदाबाद

लेप्रोसी के कारण रोगी डिसेबिलिटी का शिकार न हों। इसलिए स्वास्थ्य विभाग अब स्कूली बच्चों को इसके प्रति जागरूक करेगा और स्कूली बच्चों में लेप्रोसी के लक्षणों की भी जांच करेगा। ताकि शहर को लेप्रोसी मुक्त बनाया जा सके।

जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. शीला भगत ने कहा कि बच्चों के इलाज के जरिये इस रोग को बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए स्कूल हैल्थ डिपार्टमेंट की मदद ली जाएगी। वह स्कूल हैल्थ डिपार्टमेंट के सदस्यों के साथ एक बैठक करेंगी और स्कूलों को इस अभियान के तहत जोड़ने का प्रयास करेंगी।

अंधविश्वास बड़ा कारण: डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. शीला भगत ने बताया कि समाज में व्याप्त अंधविश्वास और अन्य कई कारणों से लोग कुष्ठ रोगियों को घृणा की नजरों से देखते हैं, जिसके कारण से कुष्ठ रोगी भी खुद को हीन मानने लगते हैं और शहर में कुष्ठ रोगियों की संख्या बढ़ जाती है। डॉ. शीला भगत का कहना है कि कुष्ठ रोगी आम लोगों की तरह जीवन जी सकता है। वह किसी गलत धारणा का शिकार न हो। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कुष्ठ रोगियों का इलाज करने के लिए प्रयास शुरू किए गए है। इसी के तहत अब स्कूल के बच्चों जागरूक किया जाएगा और उनकी जांच के बाद उनका इलाज शुरू किया जाएगा।

बनाई कैटेगरी, 59 मरीज: डॉ. शीला भगत ने बताया कि कुष्ठ रोगियों के इलाज के लिए दो कैटेगरी शामिल की गई है। एक कैटेगरी पीबी और दूसरी का नाम एमबी है। पीबी कैटेगरी के मरीजों का इलाज छह महीने मे पूरा हो जाता है। इसके अलावा एमबी कैटेगरी के मरीजों का इलाज एक वर्ष में पूरा होता है। डॉ. शीला भगत ने बताया कि इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शहर में समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके लिए अब आशा वर्करों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ इस बारे में लेप्रोसी सुपरवाइजर विरेन्द्र सिंह से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि उनके यहां फिलहाल लेप्रोसी के अब तक 59 मरीजों की पुष्टि की जा चुकी है।

यह है लक्षण : डॉ. शीला भगत ने बताया कि इस बीमारी के मरीजों के शरीर पर दाग-धब्बे हो जाते हैं, जो सफेद या साईनिंग और रफ होते हैं। उन पर ठंडा व गर्म का कोई असर नहीं होता है। उन्होंने बताया कि इस दौरान कभी-कभी नसें भी फूलती हैं, दबाने से दर्द भी नहीं होता है। ऐसे मरीजों को मल्टी ड्रग थेरेपी के जरिये इलाज दिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस बीमारी का यदि समय पर इलाज न हो, तो इसका इफैक्ट हाथ पैरों पर पड़ता है और वह धीरे-धीरे टेढ़े होने लग जाते हैं।

विशेषज्ञों ने छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बताया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भाखरी स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के तत्वावधान में बीके सिविल अस्पताल की टीम द्वारा वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे मनाया गया, जिसमें मेंटल हेल्थ की टीम की सदस्य मनोरोग चिकित्सक प्रीति, सलाहकार अनीता तथा भागीरथ शामिल रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा आठवीं से 12वीं तक के छात्रों ने सहभागिता की। विद्यालय के छात्रों तथा अध्यापकों द्वारा एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। इसके साथ 'मेंटल हेल्थ' तथा 'प्रिवेंशन फ्रॉम सुसाइड' विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल से पधारे मनोरोग चिकित्सक एवं सलाहकार ने बच्चों के साथ अवसाद में घिरने तथा छोटी-छोटी बातों पर परेशान हो जाने के कारणों तथा निवारण हेतु विस्तार से चर्चा की। प्रधानाचार्य डॉ. इंदु गुप्ता ने कहा कि हमेशा सकारात्मक सोच वाले मित्रों से अपने अवसाद या दुख के बारे में बात करनी चाहिए या फिर किसी ऐसे अपने से जो हमारे साथ संवाद करके हमारे दुख को कम करें तथा सकारात्मक सोच के साथ एक नई राह और नया रास्ता प्रशस्त करे। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन अर्थशास्त्र प्रवक्ता सुशील कुमार ने किया।

40 शिक्षकों को किया गया सम्मानित

फरीदाबाद। सीही गांव स्थित राजकीय कन्या विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें बेटी बचाओ अभियान ने 40 शिक्षिकाओं को स्मृति चिन्ह देकर लाडली द्रोणाचार्य आवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य जयप्रकाश ने की व मंच संचालन कुसुम सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख समाजसेवी आरडी शर्मा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। राष्ट्रीय संयोजक हरीश चन्द्र आजाद ने बताया कि शहर में पहली बार अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी व्यक्ति का सारा जीवन स्कूल से शिक्षकों द्वारा प्राप्त की गई प्राथमिक शिक्षा के आधार पर चलता हैं। इस मौके पर मुख्यातिथि आईसी सिंघल, प्रधानाचार्य जयप्रकाश, अध्यापिका कुसुम सिंह, समाजसेवी आरडी शर्मा आदि उपस्थित थे।

स्वच्छता अभियान में भाग लेने वाले को बांटे पुरस्कार

फरीदाबाद। नगर निगम द्वारा यहां सेक्टर 12 स्थित हुडा कन्वैंशन हाल में स्वच्छता अभियान में भाग लेने वाले छात्र व छात्राओं को पुरस्कार वितरित किये गये। पुरस्कार वितरण समारोह से पूर्व आयोजित किये गये एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी प्रस्तुति के द्वारा सभी दर्शकों व श्रोताओं का मन मोह लिया। निगमायुक्त सोनल गोयल ने विजयी छात्र व छात्राओं को पुरस्कार स्वरूप प्रमाण-पत्र व ट्राफी देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व निगम के अतिरिक्त आयुक्त विक्रम ने ज्योति प्रज्जलवित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दो अक्टूबर गांधी जयंती से लेकर कल चार अक्टूबर तक सिंगल यूज प्लास्टिक व पोलीथीन के खतरों के प्रति जागरूक किया।

अवैध हथियारों के साथ चार संदिग्ध गिरफ्तार

फरीदाबाद। विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए बीती शाम अपराध शाखा यूनिटों ने जिले के अलग-अलग हिस्सों से चार संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चारों आरोपियों के कब्जे देशी पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस प्रवक्ता सूबेसिंह ने बताया कि जिले में शांतिपूर्ण चुनाव करवाने के लिए पुलिस की तरफ लगातार एहतियात बरती जा रही है। इसके तहत पुलिस की टीम जगह-जगह नाकाबंदी कर संदिग्ध लोगों की जांच कर रही है। अन्य दिनों की तरह बीती रात भी अपराध शाखा ऊंचा गांव टीम ने जांच के दौरान पलवल निवासी विरेंद्र को सीकरी और नूंह निवासी सचिन को जाट चौक से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से एक-एक देशी पिस्तौल बरामद की है। इसी तरह सेक्टर 85 की टीम ने नितिन को इसी सेक्टर से और अपराध शाखा सेंट्रल ने गगन को देशी पिस्तौल और एक एक जिंदा कारतूस के साथ दबोचा है।

प्रतियोगिताओं-भजनों के बीच मनाई दुर्गा पूजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दुर्गा पूजा पश्चिम बंगाल की संस्कृति की झलक देखने को मिल रही है, जिसमें विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

रंगारंग कार्यक्रमों का किया आयोजन: बाटा-हार्डवेयर चौक रोड पर स्थित दुर्गाबाड़ी समिति में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बीती रात आनंदोमेला, अगुवानी डांस और हवन और प्लास्टिक बैन पर मंदिर कमेटी के प्रधान ने लोगों को जागरूक किया। फैंसी ड्रेस का आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी के सदस्य सलिल चक्रवर्ती ने बताया कि देर रात एक से 16 साल के बच्चों ने बंगाली में कविताएं सुनाईं। शनिवार को सप्तमी का पूजन किया गया। इसके बाद मंदिर परिसर में ड्राइंग प्रतियोगिता, सुर संगम-2019 राउंड-एक, कई तरह की नृत्य प्रतियोगिताएं और हांडी तोड़ने की प्रतियोगिता रात को कोलकता के कलाकारों ने अपनी-अपनी प्रतिभाओं को दर्शाया।

अलग अंदाज में पूजा: सेक्टर 34 के अशोका एंक्लेव पार्ट-1 में सर्वजनीन दुर्गा पूजा समिति द्वारा श्री दुर्गा पूजा समारोह के दूसरे दिन महासप्तमी माता की विशेष पूजा-अर्चना की गई। समिति के अध्यक्ष जयंत सेन, सचिव लींकन देव, कोषाध्यक्ष शेखर पाठक, प्रशांती शी, संयोजक सचिव राजीव पबरेजा तथा इंटीरियर डिजाइनर आदित्य मुखर्जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष जयंत सेन ने कहा कि दुर्गा पूजा को वास्तव में शक्ति पाने की इच्छा से मनाया जाता है, जिससे विश्व की बुराइयों का अंत किया जा सके।

विशाल पूजा-अर्चना: सेक्टर 29 के काली मंदिर परिसर में स्वामी विवेकानंद एसोसिएशन के पांच दिवसीय शारदोत्सव-2019 के दूसरे दिन महासप्तमी की पूजा की गई। मंदिर परिसर में पंडित तरुण भट्टाचार्य की देख-रेख में आयोजित माता महासप्तमी पूजन के लिए भारी संख्या में सेक्टरवासियों ने भाग लिया। दुर्गा पूजा महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हर वर्ग के प्रतिभागी बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

अन्नपूर्णा के साथ शुरू हुई पूजा

सेक्टर 16 की कालीबाड़ी में शुक्रवार की शाम षष्ठी पुजा बहुत ही श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर माता दुर्गा का अधिवास में वरण किया गया। तदोपरांत संध्या में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बंगाली सिंगर मेखला दास गुप्ता ने रंग जमाया। इसके बाद जागो दुर्गा नृत्य और करीब चार नृत्य ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही कालीबाड़ी के कलाकारों ने अपने प्रस्तुति से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। शनिवार को माता की सप्तमी पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें माता का अन्नपूर्णा रूप की पूजा-अर्चना की गई। गौरा मुखर्जी ने बताया कि माता की आरती एवं पुष्पांजलि के पश्चात भोग वितरण किया गया। देर शाम बंगाली सिंगर तनुजा विश्वास ने समां बांधना शुरू किया और कालीबाड़ी फरीदाबाद के कलाकारों ने नृत्य से लोगों का मनोरंजन किया। इस दौरान रविन्द्र नाथ टैगोर के गाने पर नृत्य किया गया।

अंतिम समय तक जारी रहा बापू का संघर्ष

यद्यपि महात्मा गांधी ने श्रद्धाभाव को आकर्षित किया मगर टैगोर, आंबेडकर और जिन्ना समेत अपने अधिकतर समसामयिक लोगों के साथ उनके संबंध द्वंद्वात्मक रहे।

अनिल सिन्हा
(लेखक एक न्यूज पोर्टल के संपादक हैं)

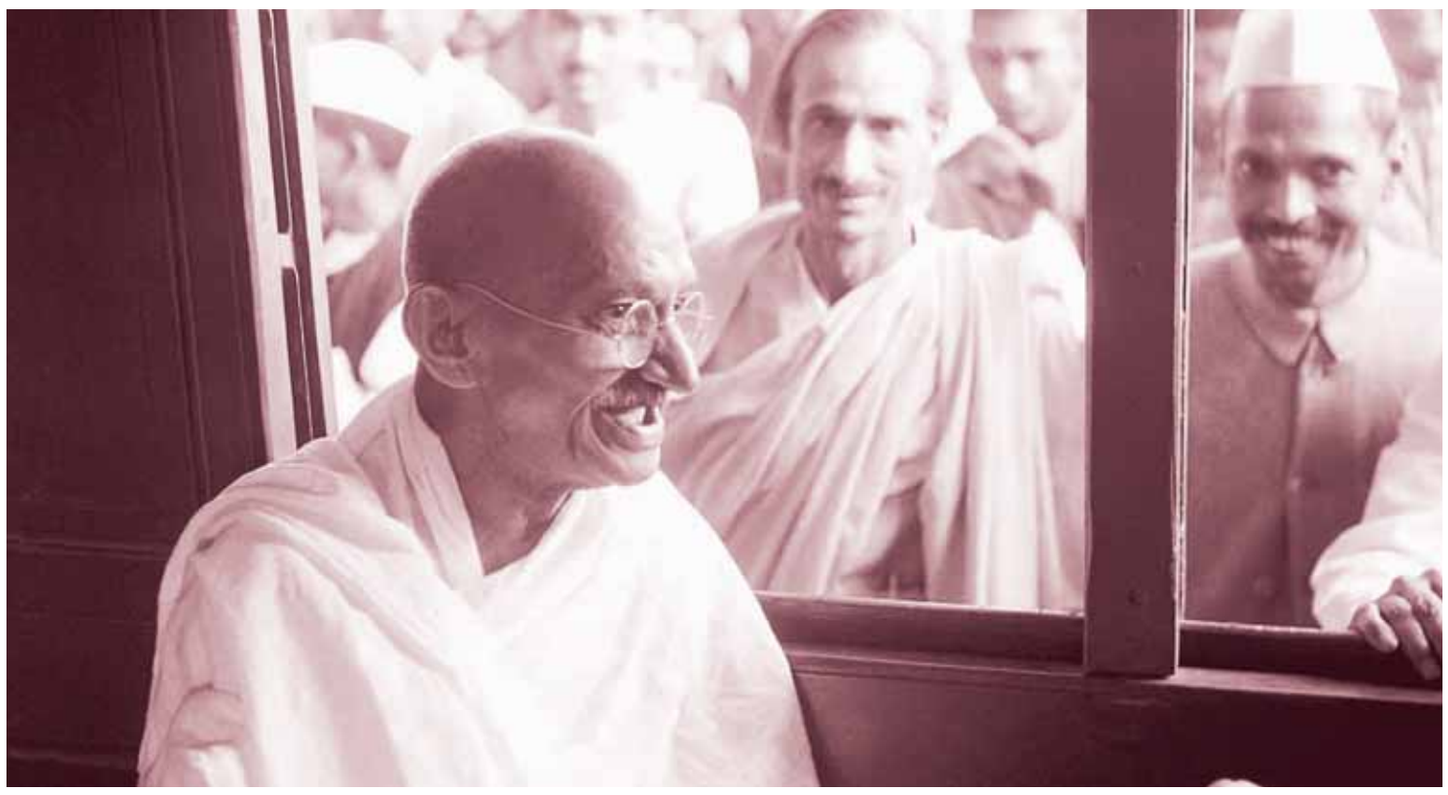

महात्मा गांधी को अपने विचारों व विश्वासों को समझाने के लिए आजीवन संघर्ष करना पड़ा। यद्यपि उनके प्रति श्रद्धा रखने वाले उनके अनुयायियों ने उन्हें बिना शर्त समर्थन दिया और उनके आह्वानों पर भावनात्मक रूप से से प्रतिक्रिया दी, एक दूरी जो उनके विचारों तथा उनके क्रियान्वयन के बीच सदैव बनी रही। उन्हें उनके संपूर्ण जीवनकाल में व उसके पश्चात भी गलत समझा जाता रहा। यद्यपि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अहिंसा को अपने सिद्धांत के तौर पर स्वीकार किया, उसने एक से अधिक बार उसकी अवहेलना की। गांधी जी को अपने अनुयायियों के समक्ष सत्याग्रह की शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए अपना जीवन जोखिम में डालना पड़ा।

1922 में उनके व उनके अनुचरों के बीच दूरी सर्वाधिक स्पष्ट नजर आई थी। चौरी चौरा कांड के पश्चात असहयोग आंदोलन रोक देने के उनके निर्णय ने सी राजगोपालाचारी व जवाहरलाल नेहरू सरीखे उनके साथियों समेत सभी को आश्चर्यचकित कर दिया था जब प्रदर्शनकारियों ने एक स्थानीय पुलिस थाने में आग लगा दी थी जिससे सभी 22 पुलिसकर्मी मारे गए थे। उनमें से कुछ ने इसे दगाबाजी का नाम भी दे डाला और उन्हें ब्रिटिश अनुचर भी कहा। मगर गांधी जी दृढ़ रहे, यह कहकर कि लोग अहिंसक संघर्ष के लिए तैयार नहीं थे।

मोहभंग इतना गहरा हो गया था कि राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह समेत कई युवाओं ने सशस्त्र संघर्ष का रास्ता अपना लिया। कांग्रेस और गांधी को स्वतंत्रता संघर्ष के शेष हिस्से के दौरान हिंसा के मत का प्रतिकार करना पड़ा। उसके दस वर्ष बाद भी वैसा ही कुछ हुआ। गांधी ने सफलतापूर्वक 1930 में सवियन अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया जिसकी शुरुआत दांडी मार्च के साथ हुई थी और ब्रिटिश सरकार को नमक पर टैक्स खत्म करने एवं कांग्रेस को औपचारिक रूप से भारत की जनता का प्रतिनिधान मानने को बाध्य कर दिया।

सामाजिक पुनर्निर्माण एवं संगठनात्मक प्रविष्टि के रूप में परिणाम भी व्यापक था। आंदोलन के परिणामस्वरूप भारत सरकार अधिनियम 1935 पारित हुआ, जिसने स्थानीय प्रांतीय सरकारों को भारतीयों के हवाले कर दिया। इन सबसे ऊपर, ब्रिटिश सत्ता श्रेयहीन एवं कमजोर पड़ गई।

हालांकि, यह स्वतंत्रता प्राप्त न कर पाने के कारण कांग्रेसियों के एक प्रभावशाली तबके को संतुष्ट नहीं कर पाया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि संघर्ष का गांधीवादी मार्ग परिणाम हासिल नहीं कर पाएगा। इन नेताओं ने, जो नासिक जेल में बंद थे, कांग्रेस को क्रांतिकारी रूप देने के लिए कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का गठन किया। इस समूह में, आचार्य नरेंद्र देव, जय प्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया सरीखे लोग शामिल थे। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी ने खुलकर अहिंसा का एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में विरोध किया और मार्क्सवाद को अपने दर्शन के तौर पर स्वीकार कर लिया। हालांकि, गांधी ने पार्टी को आशीर्वाद दिया और उसके बढ़ने में मदद की। बाद के वर्षों में जय प्रकाश नारायण, लोहिया व अधिकतर अन्य नेता मार्क्सवाद को त्यागकर गांधी के अनुयायी बन गए। मगर उस समय तक महात्मा उस बदलाव को देखने के लिए जीवित नहीं थे। टैगोर, आंबेडकर और जिन्ना समेत अपने अधिकतर समसामयिक लोगों के साथ गांधी के संबंध द्वंद्वात्मक रहे। उनके बीच की गलतफहमियों के स्वतंत्रता संघर्ष पर गंभीर प्रभाव पड़े।

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद, गांधी सीधे शांतिनिकेतन गए थे और टैगोर के साथ वहां पर एक महीने तक रहे। इस दौरान उनके बीच जीवन भर की मित्रता हो गई। गांधी टैगोर को गुरुदेव कहते थे और टैगोर ने उन्हें महात्मा की उपाधि दी थी। हालांकि, टैगोर चरखे के कटु आलोचक थे और जाति व्यवस्था पर गांधी जी के विचारों पर भी नाराज थे। आंबेडकर के साथ भी गांधी जी के रिश्ते कभी सुगम नहीं रहे। वो गांधी के ग्राम स्वराज के विचारों के आलोचक थे। आंबेडकर के लिए, ग्राम व्यवस्था दमनकारी थी और वो मानते थे कि भारत में सामाजिक लोकतंत्र लाने का एकमात्र तरीका गांवों को आधुनिकीकृत करना है। उन्होंने अस्पृश्यता उन्मूलन संबंधी गांधी के विचारों का कड़ा विरोध किया और दमित वर्गों के लिए दिए गए उनके हरिजन शब्द का कभी समर्थन नहीं किया। वो अछूतों पर स्वयं सहायता, स्व-उत्थान एवं आत्मसम्मान के महत्व पर जोर देते और अस्पृश्यता के खिलाफ प्रत्यक्ष कार्रवाई किया जाना पसंद करते थे। गांधी ने कभी भी आंबेडकर के प्रत्यक्ष कार्रवाई कार्यक्रमों का समर्थन नहीं किया क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे उच्च जातीय हिन्दुओं की ओर से प्रतिक्रिया होगी। गलतफहमी तब चरम पर पहुंच गई जब 1932 में आंबेडकर ने साम्प्रदायिक पुरस्कार के अंतर्गत दिए गए निम्न वर्गों को पृथक निर्वाचन अधिकार का समर्थन किया। गांधी ने इसे विभाजनकारी माना और आमरण अनशन पर बैठ गए। इससे आंबेडकर को 24 सितम्बर 1932 को पूना समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य होना पड़ा। दलित नेताओं ने कभी भी गांधी जी के इस कदम का समर्थन नहीं किया और इसे दगाबाजी माना। उनका तर्क था कि सामान्य निर्वाचन मंडल से वास्तविक नेतृत्व उभर नहीं पाएगा और केवल उच्च जातियों के चाटुकार निर्वाचित होंगे।

क्या गांधी दलितों के हक के विरोधी थे? जब हम पूना समझौते को निकट से देखते हैं, तो पाते हैं कि दलितों को प्रांतीय सभाओं व केंद्रीय सभा में सीटों की संख्या से दोगुनी प्राप्त हो गईं थीं। उन्हें नौकरियां तथा शिक्षा में आरक्षण दिया गया था। इन सबसे ऊपर, उच्च जातीय नेतृत्व ने सदियों तक चले भेदभाव व उत्पीड़न के बाद उनके अधिकारों को मान्यता दी थी। आजतक, आरक्षण दलितों को उनके अधिकार दिलाने में भूमिका अदा कर रहा है।

गांधी ने 1940 के दशक में लंबा एवं कष्टदायी संघर्ष का सामना किया। आमतौर से, उनका नोआखाली दौरा, उनका ब्रह्मचर्य परीक्षण एवं कोलकाता में उपवास को उनके निर्णायक संघर्षों में गिना गया। हालांकि, सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध के प्रारम्भ के साथ जो उनका संघर्ष प्रारम्भ हुआ उसका अंत 30 जनवरी 1948 को उनकी मृत्यु के साथ हुआ। उस अवधि के दौरान, उनका अहिंसा का सिद्धांत कई बार परीक्षण के दौर से गुजरा था। शुरुआत में गांधी जी ब्रिटिश शासकों के प्रति सहानुभति रखते थे मगर युद्ध के खिलाफ थे। कांग्रेस उनके अहिंसा के स्वरूप को स्वीकार करने को तैयार नहीं थी और पार्टी युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार को समर्थन करने को लेकर विभाजित थी। उनके सर्वाधिक विश्वसनीय सेनापति नेहरू फासीवादी ताकतों को पराजित करने के लिए सहयोगी शक्तियों के साथ जुड़ने को तैयार थे। गांधी के अन्य शिष्य, सुभाष चंद्र बोस ले अंतत: फासीवादी ताकतों के साथ हाथ मिला लिए। उनके भरोसेमंद मित्रों में से एक राजगोपालाचारी सरकार में शामिल होने के लिए इस हद तक व्याकुल थे कि गांधी को उनसे कांग्रेसे से इस्तीफा देने के लिए कहना पड़ा।

राजेंद्र प्रसाद और सरदार वल्लभभाई पटेल ने विचलन दर्शाया और बारदोली प्रस्ताव का समर्थन किया जिसमें कहा गया था कि यदि ब्रिटिश सरकार भारत को स्वतंत्रता देने पर सहमत हो जाती है तो भारतीय युद्ध में सहयोग करेंगे। 30 दिसंबर 1941 को बारदोली प्रस्ताव ने उन्हें कांग्रेस का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी से उन्हें मुक्त करने का गांधी का अनुरोध भी स्वीकार कर लिया था। उन्होंने अनुरोध किया था क्योंकि उनका मानना था कि युद्ध के प्रयासों में समर्थन करने का अर्थ होगा अहिंसा के सिद्धांत का त्याग करना।

हालांकि, कांग्रेस ने जल्द ही गांधी को जिम्मेदारी से मुक्त करने के उनके अनुरोध की स्वीकारोक्ति को वापस लौटा दिया और गांधी पुन: जिम्मेदारी संभालने के लिए आगे आ गए। हालांकि, कांग्रेस के नेता उनकी व्याख्या को स्वीकार करने को तैयार नहीं थे और उन्होंने अंग्रेजों के साथ असहयोग करने पर उनके द्वारा जोर दिए जाने का अर्थ जापान को समर्थन देना समझा। नेहरू इस पर बहुत नाखुश थे और उन्होंने अप्रैल 1942 में इलाहाबाद में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में गांधी के प्रस्ताव का पुरजोर विरोध किया। हालांकि, नेहरू ने अपने रुख में संशोधन करने में ज्यादा विलंब नहीं किया और भारत छोड़ो आंदोलन का समर्थन किया, जो ब्रिटिश व उनकी सहयोगी ताकतों के स्पष्ट विरोध में था।

9 अगस्त 1942 को गांधी की गिरफ्तारी के बाद की कष्टदायी घटनाओं से चंद ही लोग वाकिफ थे, जो मुंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति द्वारा भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किए जाने के एक दिन बाद हुई थी। उन्हें पुणे के यर्वदा जेल में रखा गया था। कस्तूरबा गांधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया था और वो मुंबई के आर्थर रोड जेल में बंद थीं। मगर गंभीर रूप से बीमार होने के बाद उन्हें पुणे भेज दिया गया था।

जब गांधी की मुलाकात आखा खां पैलेस में कस्तूरबा से हुई, उनका पहला सवाल था, ''क्या तुमने स्थानांतरण के लिए कहा था।'' वो सहयोग के लिए कैसे कह सकती थीं जब सरकार के विरुद्ध पूर्ण असहयोग जारी था? लगभग 18 महीने तक बीमार रहने के उपरांत जेल में उचित चिकित्सीय देखभाल के अभाव में कस्तूरबा का देहांत हो गया। गांधी पहले ही अपने निकट सहयोगी माहादेव देसाई को यर्वदा जेल में जाने के एक सप्ताह के भीतर ही खो चुके थे। जब ब्रिटिश हुकूमत ने खराब सेहत के कारण गांधी को रिहा कर दिया, उन्होंने देखा कि लोगों ने अहिंसा के सिद्धांत का उल्लंघन किया था और अधिकतर भारत छोड़ो आंदोलन हिंसक व रक्तपात से परिपूर्ण रहा। गांधी ने हिंसा की निंदा की। यद्यपि नेहरू और पटेल ने आंदोलन के दौरान हुई हिंसा की जिम्मेदारी ली थी, गांधी ने स्वयं को उनके त्याग से दूर कर लिया। यह भारत छोड़ो आंदोलन के नायकों के लिए बड़ा झटका था मगर बापू ने अपना रुख नहीं बदला।

अंतिम संघर्ष तब प्रारम्भ हुआ जब भारत की आजादी निकट थी। उन्होंने एकता बनाए रखने का भरसक प्रयास किया मगर विफल रहे। जिन्ना उन पर भरोसा करने को तैयार नहीं थे और कांग्रेस के नेता उनकी सुन नहीं रहे थे। देशभर में व्याप्त साम्प्रदायिक हिंसा ने गांधी को हिला दिया। उन्होंने सदैव एक धर्मनिष्ठ हिंदू होने का दावा किया लेकिन एक रूढ़िवादी हिन्दू के हाथों मारे गए जो उन्हें हिन्दुओं का दुश्मन मानता था। क्या वो इस संघर्ष के पात्र थे?

टैक्स कटौती से कारपोरेट जगत को प्रोत्साहन

काफी कुछ इस पर निर्भर करता है कि करो में कटौती के परिणामस्वरूप कम्पनियों के हाथों में कितना अतिरिक्त धन उनमें विभाजित होता है और समान रूप से महत्वपूर्ण यह भी है कि वह कैसे खर्च किया जाता है।

उत्तम गुप्ता
लेखक वित्तीय मामलों के विशेषज्ञ व नीतिगत विश्लेषक हैं।

20 सितम्बर 2019 को की गई घोषणाओं में, जिन्हें मीडिया में तीन महीने से कम समय में आने वाला केंद्रीय बजट की भी संज्ञा दी गई है, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय कारपोरेट क्षेत्र को काफी राहत दे दी है। सबसे ज्यादा सुखद घोषणा विनिर्माण क्षेत्र में 1 अक्टूबर 2019 से आने वाली उन नई इकाइयों के लिए कारपोरेट दर में कटौती वर्तमान 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दी गई है जो 31 मार्च 2023 से पहले उत्पादन प्रारम्भ करने वाली हैं। सरचार्ज और सेस को सम्मिलित करते हुए, टैक्स की प्रभावी मात्रा को वर्तमान 29.15 प्रतिशत से घटाकर 17.01 प्रतिशत कर दिया गया है, जो 12 प्रतिशत की कटौती है। ऐसी कम्पनियों को मिनिमम आल्टरनेट टैक्स (मैट) चुकाने की आवश्यकता नहीं होती है जो जो उन कम्पनियों के बुक प्राफिट पर लगाया जाता है जिनका, रियायतों एवं प्रोत्साहन की बदौलत, करारोपण योग्य मुनाफा नहीं होता।

यह अप्रत्याशित है जैसा कि तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली ने 2015-16 के बजट भाषण में तय किए गए रोडमैप में, तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली ने कारपोरेट कर में 25 प्रतिशत की कटौती का प्रस्ताव रखा था (वर्तमान समय में इस दर का लाभ केवल स्टार्ट अप्स तथा 400 करोड़ वार्षिक से कम टर्न ओवर वाली कम्पनियों के लिए उपलब्ध है जबकि इस सीमा से अधिक टर्न ओवर वाली कम्पनियां 30 प्रतिशत की दर से अदा करती हैं)। ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया था कि इर में कटौती 25 प्रतिशत के स्तर से कम की हो सकती है। सीतारमण ने इस बाधा को तोड़ दिया है।

दूसरी घोषणा अस्तित्वमान कम्पनियों पर कर दरों में समान रूप से महत्वपूर्ण 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत की कटौती से संबंधित है। हालांकि, यह फर्म द्वारा उन सभी प्रोत्साहनों को सरेंडर करना है जो उसे वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत मिल रहे हैं (एक बार कदम बढ़ा देने के बाद फर्म को विकल्प बदलने की अनुमति नहीं होगी)। सरचार्ज और सेस के साथ, प्रभावी कर वर्तमान 34.9 प्रतिशत से घटकर 25.17 प्रतिशत हो जाएगा- जो लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट है। इन फर्मों को भी मैट से मुक्ति मिलेगी। 400 करोड़ से कम के टर्नओवर वाले अस्तित्वमान लघु एवं मध्यम स्तरीय उपक्रम, वर्तमान समय में 25 प्रतिशत की दर से टैक्स देते हैं। उने पास भी 22 प्रतिशत पर जाने का विकल्प होगा। सरचार्ज एवं सेस समेत, प्रभावी कर मात्रा 29.15 प्रतिशत से गिरकर 25.17 प्रतिशत हो जाएगी। यहां पर ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि नई व्यवस्था के अंतर्गत, वर्तमान बड़ी कम्पनियां एसएमई कह तरह 25.17 प्रतिशत की दर से कर चुकाएंगी। जो कम्पनियां प्रोत्साहनों एवं रियायतों का पूर्ण इस्तेमाल करने के इरादे से वर्तमान 30 प्रतिशत की टैक्स दर के साथ चलने का निर्णय लेती हैं, वो भी 22 प्रतिशत की नवीन कर प्रणाली के दायरे में आ जाएंगी, जो इन प्रोत्साहनों के सूर्यास्त की तिथि से प्रारम्भ होती है। उस अवधि के लिए जिसमें वे विद्यमान प्रणाली के अधीन हैं, उन्हें मैट अदा करना होगा लेकिन वर्तमान 18.5 प्रतिशत से गिरकर 15 प्रतिशत की गई दर पर।

भारत में नया निवेश करने वाले किसी व्यक्ति के लिए इससे आकर्षक पैकेज नहीं हो सकता, चाहे वो देशी निवेशक हो या विदेशी कम्पनी जो भारतीय साझीदार के साथ आना चाहे। ऐसे मामलों में प्रभावी कर की दर 17.01 प्रतिशत है जो सभी प्रमुख देशों में सबसे कम है। यह दर अमेरिका में 21 प्रतिशत, ओईसीडी संगठन में 21.4 प्रतिशत तथा चीन में 25 प्रतिशत है। इससे भारत सर्वाधिक आकर्षक गंतव्य बन जाता है। इससे उन कम्पनियों के सामने भी आकर्षण बढ़ता है जो वाशिंगटन व बीजिंग के बीच बिगड़ते व्यापार संबंधों को देखते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में भारत की ओर देख रही हैं।

यह कहा जा सकता है कि कारपोरेट कर ढांचे में परिवर्तन का लक्ष्य इसे प्रतिस्पर्धी व सरल बनाना तथा देश को तेजी से आगे ले जाना है। इसने निवेशकों की भावनाएं प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमि अदा की है जिससे निवेश, आर्थिक वृद्धि व रोगजार बढ़ सकते हैं। लेकिन, इसके साथ कर संग्रह में चोरी दूर कर किसानों की आय बढ़ाना तथा अवसंरचना विकास तेज करना यह सुनिश्चित करेगा कि आर्थिक वृद्धि समावेशी तथा टिकाऊ हो।

वर्तमान निवेश प्रस्ताव महत्वपूर्ण है। 2017-18 में 8,40,000 रिटर्न फाइल करने वाली कम्पनियों में से 2,50,000 ने 25 प्रतिशत या इससे अधिक प्रभावी दर पर कर चुकाया है। बाम्बे स्टाक एक्सचेंज में दर सर्वोच्च 21 कम्पनियों में से 10 कम्पनियों की प्रभावी टैक्स दर 25 प्रतिशत थी, जबकि 11 कम्पनियां रियायतों व प्रोत्साहनों के प्रभाव से कम कर अदा करती थीं। इन कम्पनियों को 22 प्रतिशत कर प्रणाली में जाने का लाभ होगा। लेकिन, बहुत कुछ संबंधित कम्पनियों के मैट क्रेडिट से व्यवहार पर निर्भर होगा। हालांकि, ये कम्पनियां अपनी स्थिति बदलने की इच्छुक हैं, पर उनको भावी कर दायित्व से मैट क्रेडिट को अलग रखने की अनुमति मिलनी चाहिए, जबकि अध्यादेश इस मामले पर मौन है। यदि सरकार का जवाब नकारात्मक होता है तो तत्काल परिवर्तन का विकल्प लगभग निरर्थक हो जाएगा। इसके बजाए, कम्पनियां दो साल प्रतीक्षा कर अपने खातों में मैट क्रेडिट पूरी तरह समायोजित करने की प्रतीक्षा करेंगी। वर्तमान योजना में इसकी अनुमति है। हमें प्रतीक्षा करनी और देखना होगा कि विधिवेत्ता इस पर क्या दृष्टिकोण अपनाते हैं, लेकिन प्रथम दृष्ट्या सरकार संभवत: इसकी अनुमति नहीं देगी। इसका कारण यह है कि 22 प्रतिशत कर की नई व्यवस्था अतीत के बोझ से मुक्त है जिसमें अनेक रियायतों, प्रोत्साहन मैट आदि शामिल थे। इसके साथ ही, नई व्यवस्था में मैट का प्रयोग नहीं होगा। इसलिए मैट में एकत्रित धन के समायोजन की उम्मीद करना अव्यावहारिक होगा।

यह निर्णय सकले घरेलू उत्पाद वृद्धि दर में गिरावट तथा बढ़ती बेरोजगारी के संदर्भ में लिए गए हैं। इनका उद्देश्य इन प्रवृत्तियों को उलटना तथा अर्थव्यवस्था को उच्च वृद्धि के मार्ग पर ले जाना है। इसके लिए, निजी निवेश व मांग बढ़ाने का प्रयास हो रहा है। क्या चीजें लक्षित दिशा में चलेंगी? बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि टैक्स रियायतों से कम्पनियों के हाथ में कितना अतिरिक्त धन आता है। हालांकि, इससे सरकार को 1,45,000 करोड़ का वार्षिक राजस्व नुकसान होगा। कम्पनियां अतिरिक्त धन को कैसे खर्च करेंगी? मुख्य रूप से दो धाराएं हो सकती हैं।

400 करोड़ रुपए से अधिक टर्नओवर वाली बड़ी कम्पनियों पर टैक्स वर्तमान 34.9 प्रतिशत से घटकर 25.17 प्रतिशत हो जाएगा। अत: उनको ज्यादा लाभ मिलेगा। इसके उलट एसएमई कम्पनियों का टैक्स 29.5 प्रतिशत से घटकर 25.17 प्रतिशत रह जाएगा। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लघु कम्पनियों को दी जाने वाली ज्यादा प्राथमिकता को देखते हुए उम्मीद थी कि यह कर घटाकर 15 प्रतिशत किया जाएगा, जो नए निवेश पर लागू होगा। यदि पुरानी एसएमई कम्पनियों को नई इकाइयों के समकक्ष माना जा रहा है तो समानता पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया?

जीडीपी में एसएमई कम्पनियों का हिस्सा 29 प्रतिशत है पर वे कुल रोजगार में 40 प्रतिशत का योगदान करती हैं। इसलिए, इन उद्यमों के हाथों में अधिक पैसा होने से रोजगार का सृजन व देश में मांग बढ़ाने में ज्यादा मदद मिलती। लेकिन, केवल कर दी दर कम करना काफी नहीं है जबकि बड़ी संख्या में कम्पनियां घाटे के कारण बंद होने के कगार पर हैं। उनको कर्ज, समय पर भुगतान तथा जीएसटी रिफंड के माध्यम से मदद की आवश्यकता है। दूसरा महत्वपूर्ण आयाम यह होगा कि बड़ी कम्पनियां पैसा कैसे खर्च करती हैं। आदर्श रूप से इसका निवेश नई क्षमताओं के सृजन या वर्तमान क्षमता के अधिक उपयोग पर होना चाहिए, क्योंकि इससे आर्थिक वृद्धि व रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन वे बैंकों को कर्जा अदा करने में दिलचस्पी ले सकती हैं। हालांकि, इससे कर्ज की उपलब्धता के रूप में व्यापक असर पड़ेगा। केवल अंतिम उपाय के रूप में ही कम्पनियां लाभांश का बंटवारा करेंगी।

संक्षेप में, यह कहा जा सकता है कि कारपोरेट कर ढांचे में परिवर्तन का लक्ष्य इसे प्रतिस्पर्धी व सरल बनाना तथा देश को तेजी से आगे ले जाना है। इसने निवेशकों की भावनाएं प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमि अदा की है जिससे निवेश, आर्थिक वृद्धि व रोगजार बढ़ सकते हैं। लेकिन, इसके साथ कर संग्रह में चोरी दूर कर किसानों की आय बढ़ाना तथा अवसंरचना विकास तेज करना यह सुनिश्चित करेगा कि आर्थिक वृद्धि समावेशी तथा टिकाऊ हो।

कंपनी कानून का पारदर्शी क्रियान्वयन महत्वपूर्ण: कोविंद

इससे भारत को निवेश का आकर्षक गंतव्य बनाने में मिलेगी मदद

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि भारत ने विदेशी कंपनियों और विदेशी निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनने का खाका तैयार किया है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में हम कितने अच्छे से पारदर्शिता के साथ कंपनी कानून का क्रियान्वयन कर पाते हैं, यह महत्वपूर्ण हो जाता है।

राष्ट्रपति कोविंद ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के 51वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कहा, हमने देखा है कि कैसे कुछ उद्यमों ने लोगों का भरोसा तोड़ा है। (ऐसी) कंपनियां या तो लड़खड़ाकर भटक गईं या ठप हो गईं। इस सबमें परेशानी आम लोगों को हुई। राष्ट्रपति ने कहा, कंपनी सचिवों को यह देखना चाहिए कि कंपनियों के हितधारक यह समझे कि , मुनाफा और मुनाफाखोरी में फर्क होता है। उन्होंने कंपनी को पूरी जिम्मेदारी के साथ कारोबार करने तथा आर्थिक उद्देश्यों एवं वृहद सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों के बीच सामंजस्य बिठा कर चलने की जरूरत पर बल दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि कंपनी सचिव संचालन पेशेवर और आंतरिक कारोबारी भागीदार की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, उन्हें उन मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए जहां हमें सुधार करने की जरूरत है ताकि अतीत की गलतियों या कमियों को सही तरीके से सुधारा जा सके। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट संचालन का विचार जटिल है, लेकिन यह जिन सिद्धांतों पर आधारित है, वे स्पष्ट हैं। पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता इसके चार स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी सचिवों को यह जिम्मेदारी के साथ तय करना चाहिए कि कैसे इन सिद्धांतों को चलन में लाया जाए। इस कार्यक्रम में संसदीय मामलों के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का स्वागत करते आईसीएसआई के अध्यक्ष रंजीत कुमार पांडेय और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर

दुर्गा पूजा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को देश के लोगों को दुर्गापूजा की बधाई दी और कहा कि यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और इस विश्वास को मजबूती प्रदान करता है कि अंतत: सत्य और न्याय की जीत होती है। उन्होंने कहा कि शीत ऋतु की शुरुआत में मनाया जाने वाला यह त्योहार भारत की संस्कृति और सामाजिक सौहार्द की अभिव्यक्ति भी है। कोविंद ने एक संदेश में कहा, दुर्गा पूजा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। पूजा इस विश्वास को भी मजबूत करती है कि अंतत: सत्य और न्याय की जीत होती है। यह विश्वास हमें प्रेरणा देता है कि ईमानदारी, सच्चाई और न्याय के रास्ते पर चलना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसा कर लोग विकास के लाभ को समाज के सबसे वंचित वर्ग तक पहुंचा सकेंगे। उन्होंने कहा, दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर मैं भारत और विदेशों में रह रहे अपने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देता हूं। इस त्योहार को पूरे जोश, उत्साह और सौहार्दता के साथ मनाएं।

देश का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं कुछ लोग

एजेंसी। चेन्नई

केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी तबकों के विकास पर ध्यान दे रही है लेकिन दुर्भाग्य से कुछ लोग देश के सौहार्दपूर्ण माहौल को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।

नकवी ने कहा कि ऐसे लोगों को कोई समर्थन नहीं मिल रहा है और उन्हें अलग-थलग किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने कहा कि केंद्र समाज के सभी तबकों की सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से कहा, दुर्भाग्य से कुछ लोग हमारे सौहार्दपूर्ण माहौल को नष्ट करने या बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं और ए लोग सभी तरह की चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं। सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाले लोगों के खिलाफ कोई विशेष कानून बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा, ऐसे अपराधियों से निपटने के लिए पर्याप्त कानून मौजूद हैं। उनसे पूछा गया कि कश्मीर में इंटरनेट सेवा बंद होने की वजह से क्या वहां के लोग हज यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन कर पाएंगे? इस सवाल पर मंत्री ने कहा, आवेदन करने वाले कश्मीरी लोगों के लिए कोई दिक्कत नहीं है। इससे पहले, इंडियन ओवरसीज़ बैंक की ग्राहक मेला-कस्टमर आउटरीच इनिशिएटिव में नकवी ने विभिन्न लाभार्थियों को स्वीकृत कर्ज वितरित किए। उन्होंने रेखांकित किया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक और साहसिक आर्थिक सुधार लिए हैं।

मध्य प्रदेश में 31 मिलावटखोरों पर रासुका के तहत कार्रवाई

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश में मिलावटी खाद्य पदार्थ निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पिछले ढाई महीने में 31 मिलावटखोरों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की गई है।

मध्य प्रदेश जनसंपर्क के एक उप संचालक ने शनिवार को बताया कि प्रदेश में गत 19 जुलाई से मिलावटी खाद्य पदार्थ निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ चलाए जा रहे शुद्ध के लिए युद्ध अभियान में अब तक 31 कारोबारियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्वाई की गई है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, इस अभियान के तहत 87 मामलों में प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। अधिकारी ने बताया कि यह अभियान पूरे प्रदेश में निरन्तर जारी है। उन्होंने बताया कि अभियान के अन्तर्गत अब तक दूध, दुग्ध उत्पादों और अन्य खाद्य पदार्थों तथा पान मसाला सहित कुल 6,463 नमूने जांच के लिए एकत्रित किए गए हैं। राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला ने ।,484 नमूनों के जांच प्रतिवेदन जारी किए हैं। इसमें से 491 नमूने अमानक, 112 नमूने मिथ्या छाप, 29 नमूने अपद्रव्य, 27 नमूने असुरक्षित, 803 नमूने मानक स्तर और 22 नमूने प्रतिबंधित स्तर के घोषित किए गए हैं।

मालूम हो कि सिंथेटिक दूध और इससे बने उत्पादों का कारोबार करने वाले गिरोहों के खिलाफ 19 जुलाई से अभियान शुरू करने के कुछ दिन बाद ही मध्यप्रदेश सरकार ने फलों को घातक केमिकल से पकाए जाने वाले और उन्हें स्वादिष्ट बनाने के लिए उनमें मीठा पदार्थ डालने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने साग-सब्जियों को ताजा एवं बढ़िया दिखाने के लिए उन पर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक लेपों को लगाने वाले मिलावटखोरों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाए हैं।

राजग सरकार ने मिजोरम में परियोजनाओं के लिए कोष का दुगुना आवंटन किया: शाह

एजेंसी। आइजोल

गृह मंत्री ने पूर्वोत्तर हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र की सरकार ने संप्रग सरकार की तुलना में मिजोरम में विकास परियोजनाओं के लिए कोष का दुगुना आवंटन किया है।

शाह ने राजधानी आइजोल में पूर्वोत्तर हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जिसका आयोजन पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) ने किया था। उन्होंने कहा, संप्रग सरकार ने 13वें वित्त आयोग के माध्यम से मिजोरम के लिए 19,900 करोड़ रुपए का आवंटन किया था लेकिन मोदी सरकार 14वें वित्त आयोग के माध्यम से 42,970 करोड़ रुपए का आवंटन कर चुकी है। गृह मंत्री बनने के बाद शाह की राज्य की यह पहली यात्रा है। शाह एनईसी के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री जोरामथंगा को राज्य के विकास की दिशा में काम करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अगर देश में सबसे अशांत राज्य मिजोरम सबसे अधिक शांतिपूर्ण राज्य बन सकता है तो यह देश में सबसे अधिक विकसित राज्य भी बन सकता है।

राज्य 1966 से करीब दो दशक लंबे विद्रोह का गवाह रहा है जो 1986 में भारत सरकार और मिजो नेशनल फ्रंट के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद खत्म हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री को यह भी वादा किया कि वह इस खूबसूरत राज्य को विकसित, समृद्ध तथा और मनोरम बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में बांस के उत्पादन की काफी संभावनाएं हैं और इसके निवासी हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्माण और बिक्री कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने कहा, राज्य में बांस की विशाल संपदा का हस्तशिल्प वस्तुओं के विकास में इस्तेमाल किया जा सकता है। बांस से बने उत्पादों के निर्माण एवं बिक्री से आत्मनिर्भरता हासिल की जा सकती है। जोरामथंगा ने उम्मीद जताई कि केंद्र की मदद से मिजोरम देश में सर्वोच्च सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को हासिल करेगा क्योंकि इसमें विकास की असीम संभावनाएं हैं। राज्य में प्रमुख सिविल सोसाइटी संगठनों और छात्र संस्थाओं की संगठन शक्तिशाली एनजीओ कोऑर्डिनेशन कमिटी ने शाह की यात्रा के दौरान काले शॉल पहनकर विरोध प्रदर्शन करने का फैसला टाल दिया, हालांकि कुछ संगठनों ने तख्तियां दिखाकर विरोध जताया।

विरोध करने वाले संगठनों में शामिल मिजोरम पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (एमपीसी) और पीपुल्स राइट टू आइडेंटीफाई एंड स्टेटस ऑफ मिजोरम (पीआरआईएसएम) ने वनापा हॉल के बाहर इकट्ठा होकर नागरिकता (संशोधन) विधेयक का विरोध किया। कालील पहने कुछ लोग सरकारी माध्यमिक स्कूल के खेल के मैदान के पास नजर आए जिन्हें पुलिस ने हटा दिया। इसी खेल के मैदान में पूर्वोत्तर हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन हुआ था। लोकसभा ने आठ जनवरी 2019 को नागरिकता (संशोधन) विधेयक पारित किया है लेकिन इसे राज्यसभा में पेश नहीं किया जा सका।

पूर्वोत्तर हथकरघा एवं शिल्प प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

नागरिकता संशोधन विधेयक पारित न किए जाने की मांग

आइजोल। मिजोरम में प्रमुख नागरिक संगठनों और छात्र संघों के संगठन ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यहां राजभवन में मुलाकात की और उन्हें नागरिकता संशोधन विधेयक, 2019 को संसद से पारित नहीं किए जाने की मांग वाला ज्ञापन सौंपा। मिजोरम एनजीओ समन्यव समिति की ओर से जारी ज्ञापन में कहा गया है कि अगर यह विधेयक संसद में पारित हो जाता है तो मिजोरम समेत इसका विरोध करने वाले अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को इसके दायरे से बाहर रखना चाहिए। समिति ने इससे पहले प्रस्तावित नागरिकता संशोधन विधेयक (सीएबी) के विरोध में प्रदर्शन रैली आयोजित करने का फैसला किया था लेकिन बाद में उसने अपना फैसला बदल दिया और अपनी मांगों पर चर्चा के लिए शाह से मुलाकात की। शाह ने एक अक्टूबर को कहा था कि नागरिकता संशोधन विधेयक को संसद में पारित किया जाएगा। विधेयक में भारत में सात साल रह चुके पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैन, ईसाइयों और पारसियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है और इसके लिए उन्हें कोई दस्तावेज भी नहीं देना होगा।

रूपनगर में रोजगार मेले में एक प्रतिभागी को नौकरी का प्रमाणपत्र देते पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह

पीएमसी बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक थॉमस 17 तक पुलिस हिरासत में

एजेंसी। मुंबई

पंजाब एंड महाराष्ट्र को - ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) जॉय थॉमस को शनिवार को 17 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया। थॉमस को बैंक में 4,355 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने थॉमस को अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट एस . जी . शेख के समक्ष पेश किया। पुलिस ने अदालत में कहा कि उसे पूछताछ के लिए थॉमस को हिरासत में लेने की जरूरत है क्योंकि वह साजिश का हिस्सा रहा है। हालांकि, थॉमस के वकील ने अपनी दलील में कहा कि थॉमस को 'बलि का बकरा' बनाया जा रहा है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने बृहस्पतिवार को हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर (एचडीआईएल) के निदेशक राकेश वधावन और उसके बेटे सारंग वधावन को इसी मामले में गिरफ्तार किया था। उन्हें 9 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। मुंबई पुलिस ने बैंक को 4,355.43 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने के आरोप में पीएमसी बैंक और एचडीआईएल के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की थी।

प्राथमिकी में पीएमसी बैंक के पूर्व चेयरमैन वरयम सिंह, प्रबंधक निदेशक जॉय थॉमस, एचडीआईएल के वधावन और अन्य अधिकारियों के नाम हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए मुंबई और आस-पास के छह ठिकानों पर शुक्रवार को छापेमारी की।

कांग्रेस ने पर्यटक की मौत को लेकर गोवा सरकार पर निशाना साधा

पणजी। गोवा के कैंडोलिम समुद्र तट पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक पर्यटक की मौत होने के एक दिन बाद विपक्षी कांग्रेस ने शनिवार को मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से बहुचर्चित जीवनरक्षा व्यवस्था को लेकर स्पष्टीकरण मांगा। दिल्ली के रहने वाले पर्यटक की इस हादसे में मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल है। गोवा कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश चोडानकर ने कहा, कैंडोलिम बीच पर आकाशीय बिजली गिरने से एक पर्यटक की मौत और उसकी पत्नी के घायल होने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पर्यटन विभाग की बहुचर्चित समुद्र तट सुरक्षा तथा जीवनरक्षक सेवाओं पर सवाल उठाए हैं जिस पर सरकार ने पिछले पांच वर्षों में करीब 141.50 करोड़ रुपए खर्च किए। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर पोस्ट वीडियो और एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार घटना के समय समुद्र तट पर कोई बचाव वाहन और स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं था।

मोदी फासीवादी सरकार चला रहे हैं: सिद्धरमैया

मैंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र में फासीवादी सरकार चला रहे हैं। उन्होंने यहां अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पत्रकारों से कहा, मोदी का प्रशासन एडॉल्फ हिटलर के समान हैं। कोई भी उनके खिलाफ बोलने का साहस नहीं करता। सिद्धरमैया चिकमंगलुरु में कलसा जाने के के क्रम में यहां आए थे जहां वह हाल ही में आत्महत्या करने वाले किसान के परिवार से मुलाकात करेंगे। उनका वहां एक जनसभा को संबोधित करने का भी कार्यक्रम है। वह बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद करने के वास्ते 5,000 करोड़ रुपए की राहत राशि के लिए राज्य की मांग को नजरअंदाज करने को लेकर भी केंद्र पर बरसे। उन्होंने कहा कि केंद्र ने तीन महीने के लंबे इंतजार के बाद अब महज ।,200 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। सिद्धरमैया ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा को राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में खास जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में बाढ़ आने के महीनों बाद भी सरकार राहत कार्यों के लिए केंद्र से कोष हासिल नहीं कर सकी।

उत्तराखंड में आदमखोर तेंदुआ मारा गया

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ के चंडाक गांव में शनिवार को वन विभाग के शिकारी ने एक आदमखोर तेंदुए को मार गिराया गया। जिला वन अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिथौरागढ़ के जिला वन अधिकारी विनय भार्गव ने बताया कि तेंदुए ने तीन सितंबर को जिले के पापदेव गांव में एक महिला को मार दिया था और पिछले कुछ हफ्तों में कई लोगों को जख्मी भी किया था। भार्गव के अनुसार चंडाक जिले में जब तेंदुआ सुबह तीन बजे एक ऊंचे स्थान पर दिखाई पड़ा तब शिकारी जॉय हुकिल ने उसे मार गिराया। उन्होंने बताया कि तेंदुए को 25 सितंबर को आदमखोर घोषित कर दिया गया था और हुकिल के नेतृत्व में वन विभाग के अधिकारियों के एक दल को तेंदुए को समाप्त करने का काम सौंपा गया था। भार्गव के अनुसार क्षेत्र के लोगों ने तेंदुए के मारे जाने के बाद राहत की सांस ली है।

बीएसएफ ने कच्छ के पास दो पाकिस्तानी नौकाएं जब्त की

भुज (गुजरात) । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार सुबह गुजरात के कच्छ जिले के पास सर क्रीक क्षेत्र में मछली पकड़ने वाली दो पाकिस्तानी नौकाओं को जब्त कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया इलाके में गश्त लगा रहे बीएसएफ जवानों के एक दल ने भारत-पाक सीमा पर सर क्रीक में लक्ष्मण प्वाइंट पर इन नौकाओं को पाया।अधिकारी ने बताया कि नौका में मछली पकड़ने वाले उपकरण थे, लेकिन उन पर कोई सवार नहीं था। उन्होंने बताया कि नौकाओं को जब्त करने के बाद बीएसएफ ने सीमा से लगे इलाकों में खोजबीन अभियान शुरू किया, लेकिन अभी तक कुछ भी संदेहजनक बात सामने नहीं आई है। एक विज्ञप्ति में बीएसएफ ने बताया, इलाके में गहन तलाशी अभियान शुरू किया गया है। यह अभी भी चल रहा है, लेकिन अभी तक इलाके से कुछ भी संदिग्ध बरामद नहीं हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों ने पिछले दो महीनों के दौरान इस तरह के कई मामलों के बारे में जानकारी दी है, जब पाकिस्तानी नौकाएं इलाके में पाई गईं।

सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ में आईईडी बरामद किया

सुकमा। छत्तीसढ़ में सुरक्षा बलों ने सुकमा जिले में शनिवार को मुख्य मार्ग पर एक शक्तिशाली आईईडी बरामद कर एक बड़े नक्सली हमले को विफल कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ की 150वीं बटालियन का एक दल और स्थानीय पुलिस ने तलाश अभियान के दौरान पांच किलोग्राम का एक आईईडी स्टील के एक टिफिन बॉक्स में से बरामद किया। उन्होंने बताया कि एर्राबोर थाना क्षेत्र के पेंटा गांव के पास सड़क के किनारे एक पेड़ के पास जमीन में आईईडी को छुपाया गया था। यह घने वनक्षेत्र वाला मार्ग सुकमा को हैदराबाद (तेलंगाना) से जोड़ता है। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने विस्फोटक को तुरंत निष्क्रिय कर दिया। अधिकारी ने बताया कि माओवादी अकसर सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाने के लिए पेड़ों और कुंओं के पास विस्फोटक लगाते हैं।

हिम विजय अभ्यास का चीनी राष्ट्रपति की यात्रा से कोई लेना-देना नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सेना का हिम-विजय अभ्यास का चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की आगामी भारत यात्रा से कोई लेना-देना नहीं है। रक्षा सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय सेना की नव स्थापित 17 कोर अरुणाचल प्रदेश में करीब 15,000 फुट की ऊंचाई पर बड़ा अभ्यास कर रही है। इस तरह की खबरें थीं कि चीन ने चिनफिंग की भारत यात्रा से पहले अभ्यास को लेकर भारत से आपत्ति जताई थी। चिनफिंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दूसरी अनौपचारिक शिखर वार्ता के लिए भारत आ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि अभ्यास वास्तविक नियंत्रण रेखा से करीब 100 किलोमीटर दूर हो रहा है। यह रेखा दोनों देशों के बीच वास्तविक सीमा है। अभ्यास करने का कार्यक्रम मार्च में तय किया गया था। उन्होंने बताया कि इस तरह के अभ्यास सर्दियों से पहले और सर्दियों के बाद, मौसम के अनुकूल सैनिकों को ढालने के लिए किए जाते हैं। ऐसे अभ्यास पूर्वी कमान की सभी इकाइयां करती हैं। ऑपरेशन हिम-विजय 25 अक्टूबर को संपन्न होगा। सूत्रों ने बताया कि 17 कोर नया है और इसके सैनिक नियमित तौर पर अंदरूनी इलाकों में जो आमतौर पर ऊंचाई वाले क्षेत्र में होते हैं, वहां खुद को मौसम के अनुकूल ढलाने के लिए अभ्यास कर रहे हैं। चीन का दावा है कि पूर्वोत्तर भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश, दक्षिण तिब्बत का हिस्सा है। भारत लगातार कहता आया है कि अरूणाचल प्रदेश देश का अभिन्न अंग है। दोनों देश सीमा विवाद को सुलझाने के लिए 20 से ज्यादा दौर की बातचीत कर चुके हैं। चिनफिंग अगले हफ्ते भारत यात्रा पर आ सकते हैं। उनकी यात्रा की तारीखों का अभी ऐलान नहीं हुआ है। पहले अनौपचारिक शिखर सम्मेलन में मोदी और शी ने अपनी- अपनी सेना को सामरिक दिशानिर्देश जारी करने का निर्णय किया था ताकि दोनों देशों की सेनाओं के बीच विश्वास और समझ बढ़ाया जा सके।

इस बार दुर्गा पूजा उत्सव का रंग फीका कर सकती है बारिश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान बारिश से उत्सव के आनंद में बाधा आने की आशंका है। मौसम विभाग ने शनिवार को बारिश को लेकर पूर्वानुमान जारी किया। उत्तर-पूर्व झारखंड वाले क्षेत्र में चक्रवाती प्रवाह बना है और इसी तरह का मौसम झारखंड और उत्तरी ओडिशा में बन रहा है। इससे पश्चिम बंगाल में एक दो जगहों पर बारिश हो सकती है और राज्य के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के दौरान उत्सव का मजा किरकिरा हो सकता है। मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य में महासप्तमी के दिन एक दो स्थानों पर बारिश का पूर्वानुमान जताया है। रविवार को महासप्तमी पर कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के एक-दो स्थानों पर बारिश के अनुमान से पूजा के उत्साह पर पानी फिर सकता है। मौसम वैज्ञानिकों ने मंगलवार को विजयादशमी के दिन गंगा के मैदानी क्षेत्र में एक दो स्थानों पर बारिश का पूर्वानुमान जताया है।

उद्धव ने ओबीसी और अन्य समुदायों को न्याय दिलाने का वादा किया

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं दिए जाने के चलते अपनी पार्टी के अंदर बगावत का सामना कर रहे शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने ओबीसी एवं अन्य समुदाय के नेताओं से मुलाकात करने के बाद शनिवार को बागियों की आलोचना की।

विभिन्न पिछड़े समुदायों एवं घुमंतू जनजातियों के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगें सामने रखने के लिए बांद्रा के एक सभागार में ठाकरे से मुलाकात की। राज्य में 21 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होना है। बैठक के बाद संवादाताओं से बातचीत में ठाकरे ने कहा कि इन प्रतिनिधियों ने उनसे कहा कि वे उनसे किसी और प्रकार की अपेक्षा नहीं रखते हैं लेकिन उन्होंने अपने-अपने समुदाय के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने कहा, नेता वे हैं जो चुनाव में टिकट की चाहत नहीं रखते हैं, बल्कि अपने समुदायों के कल्याण के लिए काम करते हैं। अन्य दलों की ही तरह शिवसेना भी कई निर्वाचन क्षेत्रों में टिकट पाने में नाकाम रहे नेताओं की नाराजगी का सामना कर रही है। ठाकरे ने कहा, जो संघर्ष के दौरान आपके साथ खड़े रहते हैं वे ईमानदार लोग हैं। अगर सरकार समुदायों को न्याय नहीं दिला सकती तो ऐसी सरकार का क्या फायदा? शिवसेना प्रमुख ने कहा कि वह समाज के प्रत्एक व्यक्ति को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ हैं। शिवसेना, भाजपा के साथ गठबंधन के तहत विधानसभा की कुल 288 सीट में 124 सीट पर चुनाव लड़ रही है। इस बीच, पूर्व राकांपा विधायक एवं ओबीसी नेता प्रकाश शेंदगे ने कहा, पिछले 70 साल में छोटी जातियों का इस्तेमाल किया गया और उन्हें फेंक दिया गया। शिवसेना ने हमें न्याय का वादा किया है। ओबीसी समुदाय उद्धव के नेतृत्व में यह लड़ाई लड़ेगा।

राकांपा ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने 21 अक्टूबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की, जिसमें पार्टी प्रमुख शरद पवार सबसे आगे हैं। पवार के अलावा, महाराष्ट्र राकांपा इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल, वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, अजित पवार और पार्टी सांसद सुप्रिया सुले को पार्टी ने स्टार प्रचारक घोषित किया है। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता नवाब मलिक, पार्टी महासचिव जितेंद्र आव्हाड, राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता धनंजय मुंडे, पार्टी की राज्य युवा शाखा के प्रमुख महबूब शेख और महिला शाखा की अध्यक्ष रूपाली चक्कणकर भी स्टार प्रचारकों में शामिल हैं। राकांपा, कांग्रेस और अन्य समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन में विधानसभा चुनाव लड़ रही है।

नजदीकी की होड़

देश की सबसे पुरानी पार्टी की मुखिया के लोकसभा क्षेत्र से आने वाली उनकी ही पार्टी की महिला विधायक की भगवा दल से नजदीकी उनके प्रतिद्वंदी विधायक को बहुत अखर रही है। दरअसल उच्च सदन के यह विधायक न सिर्फ महिला विधायक की पार्टी बल्कि उसके जिले से ही ताल्लुक रखते हैं। जिले में वर्चस्व कायम करने को लेकर उनकी लंबे समय से महिला विधायक के परिवार से अदावत चल रही है। महिला विधायक के पिता का पिछले दिनों ही निधन हुआ है। वह लगातार लंबे समय तक निर्दलीय जीतकर ही विधानसभा पहुंचते रहे और पूरे जिले में उनका सिक्का चलता था। अपने विरोधियों पर भारी रहने की गरज से ही पहले उच्च सदन वाले विधायक ने भगवा दल का दामन थामा और अब उनकी विरोधी महिला विधायक भी उन्हीं के नक्शे कदम पर चल पड़ी हैं। महिला विधायक ने भगवा दल का खुश करने के लिए अपनी पार्टी की व्हिप का उल्लंघन किया और विशेष सत्र में शामिल हुईं। इससे भगवा दल तो जरूर उत्साहित दिखा लेकिन उच्च सदन वाले विधायक के चेहेरे पर चिंता की लकीरें खिंच गयी हैं। उनका मामला कहीं कमजोर न पड़ जाए इसके लिए उच्च सदन वाले विधायक पूरे 36 घंटे विधानसभा में ही डटे रहे और ज्यादा से ज्यादा समय उच्च सदन में अपनी मौजूदगी दर्ज करायी।

कार्टून का सहारा

हमला करने के लिए पूरा मन बना चुके थे। कमर भी कस ली थी तभी अचानक बच्चों ने कहा पापा टीवी पर एक अच्छा कार्टून आ रहा है देखा जाए। अब बच्चों की बात कैसे ठुकराते युवराज। हमले का विचार टालते हुए लाल टोपी उतारी और कार्टून देखने बैठ गए। युवराज आजकल अपनी पूरी सल्तनत इसी तरह से घर बैठे चला रहे हैं। युवराज जब सत्ता में हुआ करते थे तो अपने परिवार के साथ आवो-हवा बदलने के लिए आस्ट्रेलिया चले जाया करते थे। अब सत्ता से बाहर हैं तो आस्ट्रेलिया नहीं जा रहे हैं क्योंकि वहां जाने पर खर्च आएगा। इसलिए बच्चों की बात मानकर घर में ही टीवी पर कार्टून और फिल्म देख लिया करते हैं। अभी हाल ही में 2 अक्टूबर को अपने कार्यस्थल पर बैठकर अपनी सेना के साथ फिल्म देखी तब उनकी समझ में आया कि जब किसी स्थान से बाहर निकाला जाता है तो कितना कष्ट होता है। ऐसा प्रतीत होता है कि युवराज अब अपना आगे का भविष्य कार्टून और फिल्म देखकर ही निर्धारित करेंगे।

दुखी आत्मा

अपने शिक्षण संस्थान में सरकार के नुमाइंदे के रूप में मौजूद सचिव साहब का समय साथ नहीं दे रहा है और इसके चलते वह आजकल दुखी आत्मा की तरह से नजर आ रहे हैं। उनको महसूस हो रहा है कि संस्थान में अधिकतर कार्य उनको बाईपास कर किये जा रहे हैं। अपने

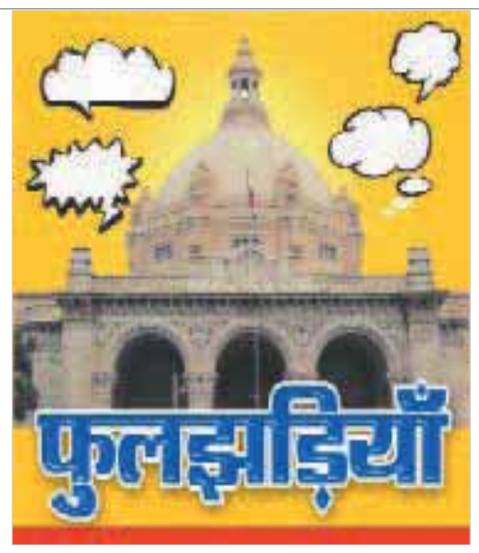

हिसाब से वह किसी कर्मचारी तक पर कोई कार्रवाई नहीं कर सकते हैं जबकि संस्थान और सरकार के प्रति उनकी जवाबदेही ज्यादा है। वर्तमान में उन्होंने कर्मचारी नेताओं में अधिकतर को नोटिस जारी कर रखी है पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। दुखी इतने की जिस बात को वो मना कर देते हैं, उसको सुप्रीम बैठक में चर्चा के लिए पास कर दिया जाता है। सरकार की तरफ से कोई पत्राचार होता है तो उसका जवाब निचले स्तर के उनके ही मातहत बड़ों के निर्देश पर जारी करा देते हैं। उनको खबर तब लगती है जब कोई उसी से संबंधित दूसरा पत्राचार सरकार की तरफ से किया जाता है। बड़ों के इस रवैये से साहब काफी दुखी हैं। मगर कुछ ज्यादा कर भी नहीं सकते हैं। जाहिर सी बात है कि अगर कस्टोडियन को नजरअंदाज कर मातहत कोई कार्य करेंगे तो दुख तो होगा ही। अब इस बाईपास के चक्कर में साहब ने दो रजिस्टर बना लिये हैं। जिनमें एक पर वह स्वयं अपने हाथ से रोजनामचा बनाते हैं तो दूसरे पर कब किसका जवाब देना है, उसका उल्लेख करते हैं। समय-समय की देन है। इसके पहले भी साहब यहां तैनात थे तो तूती बोलती थी और आज है कि खुद बचने के उपाय खोजने पड़ रहे हैं।

कासे कहूं मन की...

नगर निगम में बड़े साहब का जलवा ऐसा का निर्वाचित मुखिया भी असहाय दिखी। बड़े साहब और उनके कारिंदों से आय-व्यय का खर्चा मांगा गया लेकिन आदेशों को कोई तवज्जो नहीं दी गयी। बड़ी बड़ी बातें करने और दुनिया को बदलने की डींगे मारने वाले पार्षदों की गुटबाजी से मुखिया अकेली पड़ गयीं। मुख्या का दर्द सदन में झलका जहां ऊर्जा हीन विपक्ष भी मुखिया पर हमलावर होता दिखा। कई मुद्दों पर नाराज सत्ताधारी पार्टी के पार्षद कई धड़ों में बंटे रहे और विपक्ष अट्टाहास करते दिखा। हर प्रश्न और आपत्ति का जवाब सेनानायक के तौर पर देने बड़े साहब आ जाते और जवाब देकर सिंहासन पर आ बैठते। इसी बीच कांग्रेस की महिला पार्षद ने कहा कि जब आपको सूची देने से कतरा रहे है अफसर तो हम विपक्षियों का क्या होगा। यह सुनकर भी सत्ता दल के पार्षद संभले नहीं बल्कि उल्टे मुखिया के सूची न देने के जवाब पर मौन हो गए। किसी ने भी इसके लिए धरना प्रदर्शन नहीं किया। वेल में नहीं आए और न किसी ने अफसर से जवाब सवाल किया। हालांकि बैठे एक पार्षद ने कहा भैया अब नगर निगम का सदन नहीं संभला तो कब संभलेगा जब केंद्र और राज्य दोनों जगह भगवा लहरा रहा हो।

मोबाइल का बोझ

आमतौर पर कोई व्यक्ति एक या दो मोबाइल लेकर चलता है लेकिन योगी सरकार के एक मंत्री पूरे पांच मोबाइल लेकर चलते है। खास बात यह है कि सारे के सारे मोबाइल फोन मंत्री खुद संभालते है और इसके लिये उन्होंने छोटा सा थैला बना रखा है। किस फोन पर किसका फोन आना है, अधिकांश के बारे में मंत्री जी को पता है। सीएम योगी और सरकार के अन्य मंत्रियों के लिये इन्होंने अलग फोन बना रखा है जबकि केन्द्रीय नेताओं के लिये दूसरा फोन है। मंत्री के बाकी फोन्स पर अन्य लोगों को स्थान मिला है। मोबाइल फोन से मंत्री की बेपनाह मोहब्त से आपको लगता होगा कि वह काफी हाईटेक है लेकिन हकीकत में ऐसा बिल्कुल नहीं है। पुराने जमाने के नेता हैं और मध्य प्रदेश के मौजूदा राज्यपाल लालजी टंडन के साथ पहले भी मंत्री रह चुके हैं। अलग-अलग लोगों के लिये ढ़ेर सारे फोन रखना अच्छी बात है और इस जिम्मेदारी को मंत्री अच्छे से निभा भी रहे हैं लेकिन उन्हें सबसे अधिक दिक्कत तब होती है जब कोई नम्बर पूछ लेता है। अपने सभी फोनों के नम्बर मंत्री को याद नहीं। अगर कोई उनसे नम्बर पूछता है तो उनका साथ चलने वाला पीएस नम्बर बताता है।

रेपो रेट में कमी से सस्ते होंगे कर्ज: जावडेकर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने बीजेपी के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में जो कमी की है उससे कर्ज सस्ते होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकों को निर्देश दिया है कि इसका सीधा फायदा जनता को मिलें और बैंक हर कीमत पर इसका सभी उपभोक्ताओं को हर स्तर पर लाभ दें। जावडेकर ने कहा कि छोटे बैंक का बड़े बैंक में विलय दोनों को काफी मजबूत करेगा। इससे बैंक का क्रेडिट मॉनिटरिंग भी अच्छी होगी।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अर्थव्यवस्था को गतिशील और रोजगार परक बनाने के लिए 24 घंटे काम कर रही है। मोदी सरकार में उच्च विकास दर और कम मुद्रास्फीति रही है। यानि कि मंहगाई कम। वहीं कांग्रेस सरकार में इसका ठीक उल्टा होता था। कांग्रेस सरकार में विकास दर नीचे और मुद्रास्फीति अधिक होने के कारण जनता मंहगाई से पीड़ित थी। भारत में पहले टैक्स की अधिक दरों, कई तरह के कानूनों की वजह से भारत में निवेश के लिए अधिक उद्योग नहीं आते थे। आज भारत ने कारपोरेट टैक्स को 22 फीसदी और नई कम्पनियों के लिए 15 फीसदी किया है। सुसंगत दरों के कारण और चीन में मंदी के कारण जो उद्योग वहां से हट रहे है। उन सबके लिए भारत एक आदर्श डेस्टिनेशन है। जावडेकर ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय पहले विकास और उद्योगों को रोकने वाला मंत्रालय था। पहले जहां 640 दिन लगते थे मंजूरी मिलने में वहीं पर्यावरण के मापदण्डों को बिना शीथलीकरण आज वह 108 दिनों में स्वीकृति दी जा रही है। अधिक निवेश से रोजगार बढ़ेंगे, मेक इन इण्डिया बढ़ेगा। सरकार भी 100 लाख करोड़ का निवेश कर रही है। इससे देश की अर्थव्यवस्था में तेजी आयेगी, रोजगार बढ़ेगा। वाराणसी से कोलकाता तक जल मार्ग से यातायात शुरू हो गया है। इससे लागत घटेगी और पर्यावरण की रक्षा होगी। हमें विरासत में बैंकों के एनपीए और बढ़ा हुआ कर्ज मिला था। चोरी करने वालों की धरपकड़ हो रही है। कांग्रेस ने पूंजीपतियों को ढेर सारा कर्ज दिया जो देश छोड़ कर चले गए। हमारी सरकार ने उन्हें विदेशों में पकड़ा और वहां उन्हें गिरफ्तार किया। जावडेकर ने कहा कि हमने पारदर्शिता बढ़ाई है। आज आप तेजस एक्सप्रेस और वंदे भारत एक्सप्रेस में कम समय पर यात्रा कर सकते है। राष्ट्रीय राजमार्गों की संख्या बढ़ाई है। तेजी से निर्माण हो रहा है। 2014 तक भारत में कोई आने को तैयार नहीं था, मोदी सरकार ने पिछले चार महीनों में व्यापार और रोजगार बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 110 फैसलें किए है। जीएसटी लागू होने के निर्णय ने भी क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। सभी राज्यों के साथ मिलकर सभी पर्टियों से विमर्श कर जीएसटी लागू किया गया था। हर महीने जीएसटी कौंसिल की बैठक की जाती है। सुसंगत टैक्स दरों के कारण जनता को काफी लाभ मिला है। व्यापार भी सुगम हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 27 सार्वजनिक बैंकों को विलयीकरण कर 12 बैक बनाए है। इससे क्रेडिट मॉनिटरिंग अच्छा होगा।

आज से होगी तेजस एक्सप्रेस के नियमित संचालन की शुरूआत

लखनऊ(पीएनएस)। देश की पहली कॉरपोरेट व सेमी बुलेट ट्रेन तेजस एक्सप्रेस के नियमित संचालन की शुरूआत रविवार से होगी। तेजस एक्सप्रेस लखनऊ जंक्शन से रोजाना सुबह 6.10 बजे रवाना होकर 7.20 बजे कानपुर सेंट्रल, 11.43 बजे गाजियाबाद एवं दोहपर 12.25 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। नई दिल्ली से तेजस एक्सप्रेस शाम 4.30 बजे रवाना होकर रात 10.45 बजे लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन का संचालन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह के सभी दिनों में होगा। लखनऊ से नई दिल्ली तेजस एक्सप्रेस के एसी चेयरकार में सफर करने वाले यात्रियों को 1125 रुपए एवं एग्जिक्युटिव चेयरकार में सफर करने वाले यात्रियों को 2310 रुपए किराए का भुगतान करना होगा। वहीं नई दिल्ली से लखनऊ तक एसी चेयरकार के यात्रियों को 1280 रुपए एवं एग्जिक्युटिव चेयरकार के यात्रियों को 2450 रुपए किराए का भुगतान करना होगा। ट्रेन छूटने के पांच मिनट पहले तक यात्री लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर बनाए गए विशेष टिकट काउंटर से टिकट खरीद सकेंगे। वहीं इस ट्रेन में लखनऊ से कानपुर के एसी चेयरकार में सफर के लिए यात्रियों को 320 रुपए एवं एग्जिक्युटिव चेयरकार में सफर के लिए 630 रुपए किराए का भुगतान करना होगा।

मोदी-योगी सरकार में सबका साथ सबका विकास: स्वतंत्र देव सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिह बलहा बहराइच में भाजपा प्रत्याशी सरोज सोनकर के समर्थन में किसान सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की सरकार सबको शिक्षा, हर हाथ को काम, गरीबों को घर, हर घर में बिजली उपलब्ध हो इस लक्ष्य के साथ काम कर रही है। हमारा किसान अन्नदाता है। आज मोदी सरकार किसान सम्मान निधि के तहत हर किसान को 6000 रूपए प्रोत्साहन राशि दे रही है। हमारा किसान उन्नति करेगा तो देश उन्नति करेगा। पहले खेतों में गांवो में बिजली कभी-कभी आती थी। आज भरपूर बिजली आ रही है। किसान भाइयों का हजारों रूपए जो डीजल में खर्च होता था वह बच रहा है। अब यूरिया के लिये कालाबाजारी नहीं होती है। प्रचुर मात्रा में यूरिया उपलब्ध है। किसान का सम्मान देश का सम्मान है। योगी सरकार किसानों की फसल की खरीद सीधे करती है। बिचैलियों को भगा दिया गया है। आज कृषि लागत का डेढ़ गुना दाम सरकार दे रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कानून व्यवस्था एवं बिजली की व्यवस्था चौकस है। आज गुण्डे जेलों में डाले जा रहे है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार है। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री अनूप गुप्ता, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष यदुवंश, जिला अध्यक्ष श्यामकरण टेकरीवाल, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह व भिखारी सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

डीजे बैंड एण्ड आनर्स आरकेस्ट्रा वेलफयर एसोसिएशन सपा प्रमुख से मिला

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से शनिवार को इलाहाबाद डीजे बैंड ऐण्ड आनर्स आरकेस्ट्रा वेलफयर एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमण्डल अध्यक्ष सुजीत कुमार यादव एवं अभिषेक कुमार के नेतृत्व में मिला। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमण्डल ने अखिलेश यादव को डीजे तथा साउण्ड सिस्टम पर हाईकोर्ट द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने से इस व्यवसाय से जुड़े लोगों की परेशानियों पर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि डीजे, साउण्ड सिस्टम पर प्रतिबंध से एक करोड़ 20 लाख लोग प्रभावित होगें। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से बड़ी मात्रा में लोग बेरोजगार होंगे। ज्ञापन के माध्यम से डीजे बैंड ऐण्ड आनर्स आरकेस्ट्रा वेलफयर एसोसिएशन ने कहा कि व्यवसाय बंदी से साउण्ड व्यापारी डिप्रेशन में है और प्रयागराज में दो व्यापारियों की मौत हो चुकी है।

कैन्ट उपचुनाव को लेकर युवा मोर्चा ने निकाली बाइक रैली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी युवा मोर्चा लखनऊ महानगर द्वारा कैन्ट विधानसभा उप चुनाव को लेकर एक बाइक रैली का आयोजन किया जिसमें कैन्ट विधानसभा के प्रत्याशी सुरेश तिवारी उपस्थित रहे। युवा मोर्चा के अध्यक्ष टिंकू सोनकर के नेतृत्व में मोर्चा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने कैन्ट के इको गार्डेन से बाइक रैली की शुरूआत की और कैन्ट के सभी वार्डों से होते हुए पुन: ईको गार्डेन पर रैली का समापन किया। अवध क्षेत्र के सह मीडिया प्रभारी सतबीर सिंह राजू और मोर्चा के मीडिया प्रभारी खुर्शीद आलम ने बताया कि हजारों कार्यकर्ताओं के साथ बाइक रैली में सुरेश तिवारी जिन्दाबाद जैसे के नारों के साथ रैली आगे बढ़ती रही तथा कैन्ट के प्रत्याशी जनता से लगातार मिलते रहे। कई स्थानों पर फूलों की वर्षा के साथ रैली का स्वागत भी किया गया। रैली में हजारों युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने हेल्मेट लगाकर इस रैली सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अहम योगदान दिया।

सपा ने अवधेश यादव को शिक्षक क्षेत्र विधान परिषद के लिए बनाया प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक क्षेत्र से विधान परिषद के लिए समाजवादी पार्टी के अवधेश यादव निवासी गोकुलधाम रायबरेली रोड अयोध्या को प्रत्याशी घोषित किया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद में 6 शिक्षक क्षेत्रों के वर्तमान विधान परिषद सदस्यों का कार्यकाल 6 मई 2020 को समाप्त होगा। आगामी चुनाव मार्च-अप्रैल 2020 में संभावित है। गोरखपुर-फैजाबाद देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, अम्बेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, गोण्डा, बहराइच, श्रावस्ती, आजमगढ़, मऊ इस निर्वाचन क्षेत्र में है।

जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही: अखिलेश

● कैण्ट उपचुनाव को लेकर सपा ने बनाई रणनीति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कैण्ट विधानसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी को जिताने की जिताने के लिए शनिवार को पार्टी मुयालय में रणनीति तैयार की गई। पार्टी मुख्यालय में सपा मुखिया अखिलेश यादव की अध्यक्षता कैण्ट उपचनाव को लेकर आयोजित बैठक में सपा प्रत्याशी समेत विधानसभा स्तर व जिला स्तर के पदाधिकारी मौजूद थे। समाजवादी पार्टी ने कैण्ट विधानसभा उपचुनाव के लिए मेजर आशीष चतुर्वेदी को प्रत्याशी बनाया है। बैठक के दौरान सपा मुखिया अखिलेश यादव ने साफ तौर पर निर्देश दिया कि पार्टी को बूथ स्तर पर काम करते हुए सत्तारूढ़ भाजपा से मोर्चा लेना है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के राज में जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। जब जनता को अपनी जान का भरोसा न हो तो फिर कैसा विकास और किस पर विश्वास। राजनीतिक गठजोड़ में व्यस्त भाजपा देश की आर्थिक दुर्दशा का कारण बन गई है। खेती और बाजार सब हताशा के दौर से गुजर रहे हैं। बेरोजगारी चरम पर है। कारोबार चौपट है। कुशासन से सब परेशान हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर बारिश से आई तबाही में प्रदेशवासी जान गंवा रहे हैं। अपना सब कुछ खो चुके गरीब सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री पूरी सरकार समेत अपनी उपलब्धियों का बखान सुनकर फूले नहीं समा रहे हैं। चंदौली जौनपुर में भीषण बारिश में मकान गिरने से 4 मौंते हो गई, एक बच्चा और एक महिला घायल हो गई। सरकार पीड़ित को मुआवजा दे और घायलो का समुचित उपचार कराए। अब तक अतिवृष्टि से सैकड़ों मौत के शिकार हो चुके हैं। भाजपा सरकार किसी की सुध तक नहीं ली।

भाजपा वास्तविक मुद्दों का सामना नहीं करना चाहती है। विकास कार्यों में भाजपा सरकार की कोई रूचि नहीं। प्रदेश में जनहित में विकास का परिचय सिर्फ समाजवादी सरकार ने ही कराया था। न चाहते हुए केन्द्र की भाजपा सरकार को भी समाजवादी सरकार की उपलब्धियों की प्रशंसा करने के साथ सम्मानित करना पड़ा था। भाजपा की उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने खुद तो कुछ किया नहीं बल्कि समाजवादी सरकार के शानदार कामों को भी अपनी अकुशलता से बर्बाद कर दिया। भाजपा को इसका जवाब देना ही पड़ेगा।

गन्ना किसानों को असुविधा नहीं होगी: आयुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आयुक्त गन्ना एवं चीनी संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया है कि गन्ना सर्वेक्षण नीति 2019-20 के अनुसार किसानों की गन्ना आपूर्ति के लिए सट्टा संचालन, पर्ची निर्गमन किये जाने के लिये किसान द्वारा अपने भूजोत एवं गन्ना क्षेत्रफल के संबंध में निर्धारित प्रारूप पर घोषणा-पत्र दिया जाना अनिवार्य है किन्तु कुछ चीनी मिल क्षेत्रों के कुछ किसानों द्वारा अभी तक अपना घोषणा-पत्र गन्ना समिति, परिषद कार्यालय में जमा नही किया गया है। नियमानुसार ऐसे किसानों का सट्टा आगामी पेराई सत्र 2019-20 में संचालित नही हो सकेगा। और उन्हें किसी भी चीनी मिल को गन्ना आपूर्ति की सुविधा उपलब्ध नही कराई जायेगी। श्री भूसरेड्डी बताया कि अभी तक घोषणा पत्र जमा न करने वाले किसानों को सत्र के दौरान गन्ना आपूर्ति में किसी असुविधा का सामना न करना पड़े और किसी कारण से घोषणा-पत्र समय से न दे पाने के कारण वे सट्टा संचालन से वंचित न हो, इसलिये वह घोषणा पत्र एक सप्ताह में संबंधित गन्ना समिति, परिषद कार्यालय में जमा कर दें, यदि इसके बाद भी किसान घोषणा पत्र जमा नही करते है तो उनका सट्टा बंद करते हुये उन्हें पेराई सत्र 2019-20 के दौरान गन्ना आपूर्ति से वंचित कर दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि जिन कृषको ने खतौनी की स्वप्रमाणित प्रति अभी तक उपलब्ध नहीं कराई है, उनसे अंतिम बार अनुरोध है की वह कृषक इसे तत्काल संबंधित समिति में प्रस्तुत कर दे। घोषणा पत्र के साथ अपनी पहचान के लिए पूर्व में निर्धारित फोटो पहचान पत्र की छायाप्रति भी संबंधित समिति कार्यालय में जमा करनी होगी। संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया कि जिन कृषकों द्वारा अपने सभी अभिलेख जमा कर दिए गए हैं वह अपने सर्वे, सट्टा, पर्ची संबंधित समस्त सूचनाएं वेबसाइट या अपने मोबाइल से 'ई. गन्ना' एप्लीकेशन डाउनलोड कर उसके माध्यम से भी देख सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी किसान द्वारा अपने घोषणा पत्र में गन्ना क्षेत्रफल अथवा भूजोत के संबंध में गलत आकड़े दिये जाते है और सत्यापन के दौरान उन्हें गलत पाया जाता है तो ऐसे गन्ना किसानों का सट्टा बंद करने के साथ-साथ गन्ना मूल्य भुगतान रोकने विधिक कार्यवाही पर भी विचार किया जा सकता है, जिसके लिये गन्ना किसान स्वयं उत्तरदायी होंगे।

पांच सौ अतिरिक्त बसों के संचालन से यात्रियों की राह होगी आसान

लखनऊ। त्योहारों के मौसम में इस बार आमजनों को गंतव्य तक जाने के लिए साधन की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। दिवाली व छठ पर्व को देखते हुए उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम प्रशासन अभी से विशेष अतिरिक्त बसों को चलाने की तैयारी में जुट गया है। इस बार विभिन्न मार्गों पर करीब पांच सौ अतिरिक्त बसों के संचालन का लक्ष्य रोडवेज प्रशासन ने रखा है। रोडवेज के प्रबंध निदेशक डॉ. राजशेखर ने इस बावत सभी क्षेत्रीय एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश जारी कर दिए हैं। खास बात यह भी कि अभी तक छठ पर्व पर बसों का संचालन आठ दिनों के लिए अतिरिक्त रूप से होता था, लेकिन अब अतिरिक्त बसों का संचालन दस दिनों के लिए होगा। अतिरिक्त विशेष बसें 25 अक्टूबर से लेकर 3 नवंबर तक संचालित होगी। प्रबंध निदेशक द्वारा जारी निर्देश में यात्रियों की सुविधा के लिए बस स्टेशनों पर यात्रियों के बैठने की अतिरिक्त व्यवस्था, पीने के पानी की व्यवस्था, महिला व पुरुष शौचालय की बेहतर स्वच्छता के साथ ही परिसर की उद्घोषणा प्रणाली की व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के निर्देश दिए हैं।

डीएल बनवाने आरटीओ पहुंचे परिवहन मंत्री, सुनीं आवेदकों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अशोक कटारिया शनिवार को अपना डुब्लीकेट ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए आरटीओ कार्यालय पहुंचे। हालांकि उनके पहुंचने के पहले परिवहन आयुक्त धीरज साहू परिवहन मुख्यालय के अधिकारियों की टीम के साथ टीपीनगर स्थित आरटीओ कार्यालय पहुंचे और स्थिति का जायजा लेने के साथ ही परिसर की साफ-सफाई करने के साथ ही सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराया। परिवहन मंत्री ने भी आमजनों की तरह लाइन में लगकर डीएल संबंधी सभी कार्रवाई पूरी की।

उन्होंने बताया कि उनका लाइसेंस खो गया था और नाम में भी संशोधन कराना था, इसीलिए वह यहां पर आए हैं। हालांकि खास बात यह रही कि रोजाना आमजनों के लिए परेशानी का सबब बनी सर्वर की समस्या शनिवार को न के बराबर रही। इस दौरान कई आवेदकों ने परिवहन मंत्री को सर्वर की समस्या से भी अवगत कराया। परिवहन मंत्री ने कहा कि यह समस्या सिर्फ राजधानी या प्रदेश नहीं बल्कि पूरे देश की है। नया मोटरवाहन संशोधन अधिनियम लागू होने से डीएल बनवाने वाले लोगों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हुई है जिससे एनआईसी के सर्वर पर लोड बढ़ा है, इसीलिए समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी एनआईसी अधिकारियों से लगातार संपर्क कर समस्या का निराकरण कराने का प्रयास कर रहे हैं। आरटीओ कार्यालय पहुंचे परिवहन मंत्री को ट्रांसपोर्टरों ने भी अपनी समस्या से अवगत कराया। ट्रांसपोर्टरों ने बताया कि अधिकांश सड़के खराब हैं, लिहाजा फिटनेस सेंटर तक पहुंचने के पहले ही वाहनों में तमाम खामियां आ जाती हैं और जांच के दौरान वाहन फिटनेस टेस्ट में फेल हो जाता है। इसके साथ ही ट्रांसपोर्टरों ने परिवहन मंत्री को अपनी कई अन्य समस्याओं से भी अवगत कराया। जिसके बाद परिवहन मंत्री ने समस्याओं के निराकरण के लिए परिवहन आयुक्त धीरज साहू को निर्देशित किया। परिवहन मंत्री के आरटीओ कार्यालय पहुंचने के दौरान एटीसी आईटी सेल वीके सिंह, डीटीसी एके मिश्रा, आरटीओ प्रशासन रामफेर द्विवेदी, आरटीओ प्रवर्तन विदिशा सिंह, एआरटीओ प्रशासन संजय तिवारी, एआरटीओ प्रवर्तन संजीव गुप्ता, आरआई सर्वेश चतुर्वेदी के साथ ही कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

महाराष्ट्र में 200 से ज्यादा सीटें जीतेगा भाजपा-शिवसेना गठबंधनः जावड़ेकर

● कहाः भाजपा-शिवसेना गठबंधन में कोई बड़ा भाई नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा है कि भाजपा-शिवसेना गठबंधन में कभी कोई बड़ा भाई नहीं रहा। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि ए दोनों पार्टियां 288 सदस्ईय महाराष्ट्र विधानसभा के आसन्न चुनाव में 200 से ज्यादा सीटें जीतेंगी। जावड़ेकर ने कहा कि भाजपा चौबीसों घंटे और सातों दिन काम करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि 2019 के आम चुनाव खत्म होते ही, पार्टी ने अगले चुनाव की तैयारी शुरू कर दी थी। केंद्रीय मंत्री ने यहां पीटीआई मुख्यालय में समाचार एजेंसी के पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए कहा, कांग्रेस दो महीने तक अपने अध्यक्ष का विकल्प तलाश नहीं कर पाई। इन दो महीनों में हमारे पास एक नया कार्यकारी अध्यक्ष था। हमने विशाल सदस्यता अभियान शुरू किया और आठ करोड़ सदस्य जोड़ इसे (भाजपा को) 19 करोड़ सदस्य वाली पार्टी बनाया। उन्होंने कहा, हम जमीन पर काम कर रहे हैं और हमारा जोर बूथ पर है। हम 2417 लोगों के बीच रहे जिसके लिए लोगों ने हमें पुरस्कृत किया। इस सवाल पर कि विपक्ष दावा कर रहा है कि स्थानीय मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों

को हटाने का मुद्दा उठा रही है, जावड़ेकर ने कहा कि लोगों के मन में यह बात है इसलिए वे इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा-शिवसेना गठबंधन में मीडिया ने बड़ा भाई शब्द गढ़ा है और स्पष्ट किया कि गठबंधन में किसी ने भी इसकी घोषणा नहीं की। जावड़ेकर ने यह भी विश्वास जताया कि दोनों पार्टियां महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में आराम से बहुमत हासिल कर लेंगी। उन्होंने कहा, हम गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और गठबंधन 200 से ज्यादा सीटें जीतेगा। हमें इसका पूरा विश्वास है। विधानसभा की 288 सीटों में से शिवसेना 124 पर अपने उम्मीदवार उतारेगी, आरपीआई और आरएसपी जैसे राजग के छोटे घटक दल 14 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे जबकि शेष 150 सीटों पर भाजपा अपने प्रत्याशी उतारेगी। शिवसेना को विधान परिषद में भाजपा के कोटे से दो सीटें मिलने की भी उम्मीद है। शिवसेना और भाजपा ने 2014 का चुनाव अलग अलग लड़ा था। महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए 21 अक्टूबर को मतदान होगा। मतगणना 24 अक्टूबर को होगी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगमोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में मुलाकात कर आंध्र प्रदेश के लिए वित्तीय सहायता की मांग की

अदालती कार्यवाही सोशल मीडिया पर डालने के कारण वकील को फटकार

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को उन्नाव बलात्कार मामले से संबंधित पीड़िता के पिता की कथित हत्या के मुकदमे की बंद कमरे में चल रही कार्यवाही की जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए एक पक्ष के वकील को फटकार लगाई। इस मामले में भाजपा से निष्कासित विधायक कुलदीप सिंह सेंगर कथित तौर पर संलिप्त है। जिला न्यायाधीश धर्मेश शर्मा ने वकील को मामले की कार्यवाही ऑनलाइन करने के खिलाफ चेतावनी दी। मुकदमे में अभी अभियोजन पक्ष की गवाही दर्ज की जा रही है। इस घटनाक्रम से अवगत एक वकील ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि अदालत ने यह चेतावनी तब दी जब बंद कमरे में चल रही कार्यवाही के दौरान दूसरे पक्ष के वकील ने दावा किया कि उनके प्रतिद्वंद्वी पक्ष के वकील ने मुकदमे का विवरण सोशल मीडिया पर डाल दिया है। इसमें दर्ज की गई गवाही का विवरण भी शामिल है। वकील ने बताया कि न्यायाधीश शर्मा ने दिल्ली उच्च न्यायालय की अनुमति से आज स्थानीय अवकाश के दिन भी सुनवाई की। उन्होंने वकील से मामले से जुड़े फेसबुक पोस्ट का विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा। अदालत ने सीबीआई को इस मुद्दे पर उसका रुख स्पष्ट करने का निर्देश दिया और मामले की सुनवाई की अगली तारीख 9 अक्टूबर निर्धारित की। अदालत 9 अप्रैल, 2018 को न्यायिक हिरासत में बलात्कार पीड़िता के पिता पर कथित हमले और उसकी हत्या के मामले की सुनवाई कर रही है। अदालत ने मामले में निष्कासित भाजपा विधायक सेंगर, उसके भाई अतुल सेंगर और नौ अन्य के खिलाफ आरोप तय किए हैं। विधायक कुलदीप सिंह सेंगर ने 2017 में महिला के साथ कथित रूप से बलात्कार किया था, जब वह नाबालिग थी। सेंगर को भाजपा ने निष्कासित कर दिया है। अदालत ने बलात्कार के मामले में भी उसके खिलाफ आरोप तय किए हैं।

उम्मीदवार ने 10 रुपए के सिक्कों में चुनावी जमानत राशि जमा कराई

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के लातूर विधानसभा सीट से एक उम्मीदवार ने एक मराठी फिल्म से प्रेरित होकर 10 रुपए के सिक्कों में अपनी चुनावी जमानत राशि जमा कराई है। उनका मकसद इस बात की ओर ध्यान आकर्षित करना है कि स्थानीय दुकानदार इन सिक्कों को वैध मुद्रा नहीं मानते हैं। मध्य महाराष्ट्र के इस शहर से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे संतोष साबदे ने कहा कि चुनाव आयोग के अधिकारी शुक्रवार को सिक्कों में जमानत राशि लेने से हिचक रहे थे, लेकिन अंततः वे मान गए। विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों को 10,000 रुपए जमानत राशि के तौर पर जमा कराने होते हैं। राज्य में 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए शुक्रवार नामांकन पत्र दाखिल करने का अंतिम दिन था।मार्कंड अनसपुरे अभिनीत 2009 की मराठी फिल्म गलीत गोंधाल दिल्लीत मुजरा में दिखाया गया है कि चुनाव लड़ने वाला नायक सिक्कों में जमानत राशि जमा कराता है और उसे गिनने में अधिकारियों के पसीने छूट जाते हैं।

साबदे (28) ने शनिवार को पीटीआई-भाषा से कहा कि उन्होंने फिल्म देख कर ऐसा किया, लेकिन जनहित में किया। उन्होंने कहा, मैंने फिल्म देखी थी। सिक्कों में जमानत राशि देने का विचार वहीं से आया। साबदे ने कहा, मुझे नहीं पता, लेकिन लातूर के लोग 10 रुपए का सिक्का लेने में हिचकते हैं जबकि यह वैध मुद्रा है। इसलिए इस मुद्दे की तरफ ध्यान आकर्षित करने के लिए मैंने 10 रुपए के सिक्के जमा कराने का निर्णय किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन लोगों से ए सिक्के प्राप्त किए, जो अस्वीकार्यता के कारण इसे खर्च नहीं कर पाए थे। चुनाव अधिकारी शुरू में इन सिक्कों को लेने से हिचक रहे थे, जिसके बाद साबदे ने स्थानीय मीडिया से संपर्क किया।

साबदे ने कहा, चुनाव अधिकारियों को जब पता चला कि मैं मीडिया से बात कर रहा हूं तब उन्होंने मुझसे संपर्क किया। पहले उन्होंने कहा कि वे।,000 रूपए सिक्कों में लेंगे और शेष राशि नोट के रूप में लेंगे। उन्होंने कहा, मैंने जब इस बात पर जोर दिया कि ए सिक्के वैध मुद्रा हैं और इन्हें अवश्य स्वीकार किया जाना चाहिए। अंततः उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया।

पाक के कब्जे में रहे जवान ने उत्पीड़न का आरोप लगा सेना छोड़ने का ऐलान किया

धुले। वर्ष 2016 में गलती से पाकिस्तान की सीमा में जाने वाले जवान चंदू चव्हाण ने सेना पर लगातार उसका उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह इस्तीफा देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, जब से मैं पाकिस्तान से लौटा हूं लगातार सेना की ओर से उत्पीड़न किया जा रहा है और मुझे संदिग्ध दृष्टि से देखा जाता है, इसलिए मैंने सेना छोड़ने का फैसला किया है। उनके नजदीकी सूत्रों ने बताया कि चव्हाण ने अपना त्याग पत्र अहमनगर स्थित सैन्य टुकड़ी के कमांडर को भेज दिया है। चव्हाण को पाकिस्तानी रेंजर्स ने करीब चार महीने तक अपने कब्जे में रखा और बेरहमी से पीटा एवं यातना दी और मरणासन्न हालत में भारत को सौंपा। पिछले महीने चव्हाण सड़क हादसे में घायल हो गए थे। उनके चेहरे और खोपड़ी में गंभीर चोटें आई हैं। चार दांत भी टूट गए हैं। भौंह, ओंठ पर भी चोटें आई है और अभी भी वह अस्पताल में भर्ती है। यह हादसा सड़क पर गड्ढे की वजह से तब हुआ जब वह मोटरसाइकिल से अपने गृहनगर बोहरीवीर जा रहे थे। हेलमेट नहीं पहने होने की वजह से अधिक चोटें आईं।

आतंकवाद मानवता का दुश्मनः नायडू

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आतंकवाद को मानवता का दुश्मन बताते हुए देश की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कोताही के खिलाफ आगाह किया। नायडू ने स्मार्ट पुलिसिंग पर शनिवार को एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यौन उत्पीड़न की घटनाओं, महिला एवं बच्चों के खिलाफ अपराध की घटनाओं पर भी चिंता जताई और उनकी हिफाजत के लिए कदम उठाने को कहा।देश के समक्ष आतंकवाद, उग्रवाद जैसी समस्याओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बैलेट (मत) बुलेट (गोली) से ज्यादा ताकतवर होता है।आतंकवाद की समस्या का सामना कर रहे देश में किसी भी प्रकार की कोताही के खिलाफ आगाह करते हुए नायडू ने इससे निपटने के लिए राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की क्षमता में वृद्धि के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने का आह्वान किया।इंडियन पुलिस फाउंडेशन, राष्ट्रीय सुशासन

केंद्र (एनसीजीजी), पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंड डी) ने संयुक्त तौर पर संगोष्ठी का आयोजन किया।उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिबद्ध पुलिसकर्मियों द्वारा स्थिर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने से देश की निरंतर आर्थिक प्रगति के लिए बुनियादी आधार तैयार होगा।नायडू ने पुलिस और थाने को लोगों के अनुकूल बनाने तथा वहां आने वाले लोगों के विचारों-सुझावों पर गौर करने को कहा। उन्होंने कहा कि लोगों को थाने में जाने को ले कर कोई झिझक नहीं होनी चाहिए और पुलिसकर्मियों को भी उनकी शिकायतें सुलझाने में दक्ष होना चाहिए।उन्होंने कहा कि हर शिकायत दर्ज होनी चाहिए और उसकी छानबीन होनी चाहिए।उप राष्ट्रपति ने कहा, हम पिछले कई साल से थाने को लोगों के अनुकूल बनाने की बात कर रहे हैं। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ है। जब तक वरिष्ठ अधिकारी थाने में बदलाव का नेतृत्व नहीं करेंगे, मुझे नहीं लगता कि कुछ बदलेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन, जांच, सुरक्षा और सुरक्षा प्रबंधन के साथ ही नागरिक केंद्रित पुलिस व्यवस्था के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता के इस्तेमाल की अपार संभावना है। स्मार्ट पुलिसिंग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए नायडू ने पुलिस बल को वीआईपी सुरक्षा से निपटने और वीवीआईपी की आवाजाही के दौरान यातायात प्रबंध करने में नए तरीके से भी सोचने को कहा।

बाढ़ प्रभावित पटना में लोगों को चिकित्सा प्रदान कर रही डीएफवाई की टीम

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना के बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित इलाकों में देश के अलग-अलग क्षेत्रों से आए चिकित्सकों और मेडिकल कर्मियों का एक दल मुश्किल हालातों के बीच लोगों की मदद में जुटा है। राष्ट्रव्यापी मानवीय संगठन मुंबई के डॉक्टर्स फॉर यू (डीएफवाई) ने पूरे शहर के जलमग्न होने पर राजेंद्र नगर पुल के बाहर गोलचक्कर पर 30 सितंबर को ओपीडी शिविर शुरू किया। डीएफवाई के संस्थापक डॉ. रविकांत सिंह ने कहा, हमारे पास ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीज आ रहे हैं और हमें महसूस हुआ कि उनमें से कुछ को वृहद चिकित्सा सहायता चाहिए इसलिए दो दिन बाद हमने गोलचक्कर के अंदर आईपीडी सेवा शुरू की और साथ ही एक अन्य शिविर में छोटा-सा कार्यालय खोला। पटना निवासी सिंह ने बताया कि उनका घर बाजार समिति इलाके में है। यह क्षेत्र बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। यहां शुरुआती दिनों में लोगों को सीने तक भरे पानी से गुजरना पड़ा या बाहर निकलने के लिए नौकाओं की मदद लेनी पड़ी। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, हमारे पास छह नौकाएं हैं और उनमें से दो हमारे अपने बचाव दल के साथ तैनात है ताकि बाढ़ में डूबे मकानों में फंसे लोगों तक पहुंचा जा सके। इसके अलावा हम शिविरों में पहुंच रही महिलाओं को सैनिटरी पैड दे रहे हैं तथा बाढ़ में फंसी महिलाओं को उनके घरों में पैड बांट रहे हैं। डॉ. केशव कुमार ने बताया कि डीएफवाई के 15 दल हैं जिनमें दो डॉक्टर, असम से एक नर्स तथा केरल और बिहार के अन्य हिस्सों से बचाव एवं अन्य चिकित्साकर्मी हैं तथा कुछ स्वयंसेवक भी शामिल हैं। साथ ही एक एम्बुलेंस भी है। कुमार और सिंह मिलकर हर दिन सैकड़ों मरीजों को देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों में सबसे आम समस्या त्वचा संक्रमण और एलर्जी है। कुमार ने

> 'हमारे पास ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीज आ रहे हैं और हमें महसूस हुआ कि उनमें से कुछ को वृहद चिकित्सा सहायता चाहिए इसलिए दो दिन बाद हमने गोलचक्कर के अंदर आईपीडी सेवा शुरू की।'
> **डॉ. रविकांत सिंह, डीएफवाई के संस्थापक**

कहा, ज्यादातर मरीजों ने त्वचा संक्रमण की शिकायत की क्योंकि या तो उन्होंने पानी में काफी वक्त गुजारा या पानी में सीवर का कचरा तथा पशुओं के शवों के कारण एलर्जी हुई। इन दो मुद्दों के अलावा लोग निर्जलीकरण तथा असामान्य रक्तचाप, दस्त की शिकायत कर रहे हैं और कुछ मामलों में लोगों को गंभीर चोटें आई हैं जिनमें टांके लगाने की जरूरत है।

सिंह ने कहा, चूंकि पानी का स्तर घट रहा है और कई इलाके सूख गए हैं तो पीछे बचा कचरा एक अन्य चुनौती है। कई मरीज यहां आए जिन्हें पानी में कांच या लोहे का कोई टुकड़ा चुभ गया इसलिए पैरों की चोट के मामले ज्यादा सामने आ रहे हैं। बेगूसराय के रहने वाले कुमार ने आरोप लगाया कि बाढ़ ने नगर निगम की नाकामी को उजागर कर दिया है लेकिन अगर पानी घटने के बाद अधिकारियों ने आवश्यक एहतियात नहीं बरती तो यह बड़ी नाकामी होगी। इन एहतियाती कदमों में कीटनाशकों का छिड़काव, पानी की गुणवत्ता की जांच करना तथा कचरे का तुरंत एवं उचित तरीके से निपटान करना शामिल हैं। भारत और नेपाल में 2015 में आए विनाशकारी भूकंप में काम करने वाले सिंह ने कहा कि चिकित्सा शिविर लगाना एक चुनौती था क्योंकि रामअवतार शास्त्री गोलंबर दशकों से दयनीय स्थिति में पड़ा था। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों तथा पुलिस ने शिविर लगाने में मदद की। कुमार ने बताया कि मेडिकल दल शिविर में सुबह पहुंचता है और रात करीब 10 बजे तक रहता है। उन्होंने बताया कि जब से शिविर लगाया है तब से 2,000 मरीजों का इलाज किया जा चुका है। डीएफवाई की स्थापना 2007 में डॉक्टरों, मेडिकल छात्रों और सभी के लिए स्वास्थ्य तथा आपदाओं के दौरान लोगों को चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराने की सोच रखने वाले लोगों ने की थी। डीएफवाई के साथ राहत कार्य में जुटी एक स्थानीय स्वयंसेवक ने कहा कि पटना को इस बाढ़ से सबक सीखना चाहिए। सरकार को दोष देना आसान है, लेकिन क्या नालों को जाम करने के लिए लोग जिम्मेदार नहीं हैं। यह एकजुटता दिखाने और आत्मनिरीक्षण का समय है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना में दुर्गा पूजा के अवसर पर प्रार्थना करते हुए

गुजरात में हेलमेट, पीयूसी उल्लंघनों के लिए नए जुर्माने 31 से होंगे लागू

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात सरकार ने हेलमेट और पीयूसी उल्लंघनों के लिए बढ़ाए गए जुर्माने को लागू करने की आखिरी तारीख 15 अक्टूबर से बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी है। प्रधान सचिव (पोत एवं परिवहन) सुनैना तोमर ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि त्योहारों के कारण हेलमेट, प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) और उच्च सुरक्षा पंजीकरण उल्लंघनों के लिए जुर्माना लागू करने की समयसीमा बढ़ाकर 31 अक्टूबर तक कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने ऑटो रिक्शा चालकों के किसी खास इलाके में चलने के लिए जारी परमिट का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना राशि 10,000 से घटाकर 2,500 रुपए कर दी है। साथ ही उन्हें नए ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवश्यक चार पहिए के वाहन के बजाय ऑटो रिक्शा चलाकर परीक्षा देने की अनुमति भी दे दी। सरकार कम्प्यूटर आधारित लाइसेंस परीक्षा के लिए चालकों को प्रशिक्षण देने के वास्ते शिविर भी लगा रही है। मोटर वाहन कानून में संशोधन के तहत बिना हेलमेट के दुपहिया वाहन चलाने के लिए जुर्माना।,000 रुपए है जबकि गुजरात में प्रस्तावित जुर्माना 500 रुपए का है। वहीं, बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चलाने के लिए अभी जुर्माना 100 रुपए है। पीयूसी प्रमाणपत्र न लेने के लिए राज्य में प्रस्तावित जुर्माना 500 रुपए है जो नए मोटर वाहन कानून के तहत निर्धारित जुर्माना राशि जितना ही है। तोमर ने कहा कि नए नियम के अनुसार, चालकों को लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के एक साल के भीतर उसका नवीनीकरण करना होगा। जो लोग ऐसा नहीं कर पाएंगे वे परीक्षा देने के बाद प्रशिक्षु लाइसेंस बनवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 108 नए पीयूसी केंद्र जल्द ही खुलेंगे तथा ऐसे और केंद्रों को बनाने के लिए नियमों में संशोधन किया गया है।

गुवाहाटी में कामाख्या देवी मंदिर में दुर्गा पूजा के अवसर पर कन्या पूजन के लिए जाती हुई बच्चियां

महाराष्ट्र में सोनिया, मनमोहन सिंह कांग्रेस के स्टार प्रचारक

एजेंसी। मुंबई

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह महाराष्ट्र में 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के 40 स्टार प्रचारकों में शामिल हैं। इस साल हुए लोकसभा चुनावों के बाद यह पहला बड़ा राजनीतिक मुकाबला है।महाराष्ट्र में कांग्रेस का प्रचार करने वाले अन्य शीर्ष नेताओं में पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी तथा उनकी बहन प्रियंका वाड्रा भी शामिल हो सकती हैं। प्रियंका उत्तर प्रदेश में पार्टी महासचिव हैं। सोनिया गांधी का स्टार प्रचारकों में शामिल होना कांग्रेस द्वारा महाराष्ट्र चुनावों को दी जा रही तवज्जो को दिखाता है। सोनिया इस साल हुए लोकसभा चुनावों के दौरान प्रचार से दूर रही थीं। एक समय कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाला महाराष्ट्र भाजपा के सत्ता में आने के बाद से उसके हाथ से निकल गया है। साल 2014 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कुल 288 सीटों में से केवल 42 पर ही जीत सकी। लोकसभा चुनाव में उसका प्रदर्शन खराब रहा और उसने केवल दो सीटें जीती। साल 2019 के आम चुनावों में पार्टी महज एक सीट जीत पाई। इस बार के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने राकांपा के साथ गठबंधन किया है। हालांकि महागठबंधन के लिए छोटे दलों के साथ बातचीत सीटों के आवंटन को लेकर बाधित हो गई।सीटों के बंटवारे पर समझौते के अनुसार कांग्रेस और राकांपा के 125-125 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना थी लेकिन कांग्रेस ने अधिक नामांकन पत्र दाखिल किए। राज्य में प्रचार के लिए पार्टी के अन्य प्रमुख प्रचारकों में पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे, पृथ्वीराज चह्वाण और अशोक चह्वान हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री क्रमशः अशोक गहलोत, कमल नाथ और भूपेश बघेल भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं।

वैश्विक राजनीति में निर्णय लेने वाले नेतृत्व का दौर चल रहा: राम माधव

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा महासचिव राम माधव ने शनिवार को कहा कि वैश्विक राजनीति में बदलाव का दौर चल रहा है क्योंकि यह निर्णय लेने वाले नेतृत्व का युग है, जिसमें लोगों की भलाई के लिए काम शुरू हो सका है और भारत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यही हो रहा है। माधव ने कहा कि भाजपा अब तक इतना निपुण हो चुकी है कि वह बिना चुनाव लड़े ही सरकार बना सकती है। आरएसएस के प्रचारक माधव ने कहा कि मोदी देश में सबसे लोकप्रिय नेता हैं, जो 2019 के लोकसभा चुनाव के केंद्र में रहे।

इस साल हुए आम चुनावों के लिए भाजपा की चुनावी रणनीति पर पत्रकार संतोष कुमार की पुस्तक भारत कैसे हुआ मोदीमय के विमोचन के दौरान माधव ने कहा कि भगवा दल की जीत का श्रेय संघ को भी मिलना चाहिए क्योंकि वह चुनाव से पहले देश भर में 3.5 लाख से ज्यादा गांवों तक पहुंचा। हालिया लोकसभा चुनावों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि पूरा चुनाव मोदीजी के इर्द-गिर्द केंद्रित था और वह देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। नकारात्मक नहीं, सकारात्मक रूप से वैश्विक राजनीति में भी मजबूत निर्णय लेने वाले नेतृत्व की शुरूआत हो चुकी है। बिना किसी देश का नाम लिए माधव ने कहा कि ऐसे मामले भी देखने को मिले हैं, जहां कमजोर नेतृत्व के कारण कुछ महीने में सरकार गिर गई। उन्होंने कहा, एक मजबूत नेतृत्व...निर्णय लेने वाले नेतृत्व, जो किसी देश के लोग महसूस करते हैं कि वे उनके लिए कुछ अच्छा कर सकते हैं, इस तरह के नेतृत्व के दौर की शुरूआत हो गई है और लोकतांत्रिक देश बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। भारत में भी ऐसे बदलाव हो रहे हैं। मोदीजी आज इसी तरह के एक नेता के तौर पर उभरे हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब एक सकारात्मक नेतृत्व उभरता है तो यह लंबे समय तक सत्ता में रहता है। वे अब बखूबी कल्पना कर सकते हैं कि वे कब सत्ता में आएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह सौभाग्य है कि उसके पास ऐसा नेतृत्व है, जिसकी प्रवृत्ति वैश्विक राजनीति में शुरू हो चुकी है। साथ ही, पार्टी का नेतृत्व अमित शाह कर रहे हैं जो हमेशा पार्टी को चुनाव लड़ने के लिए तैयार रखते हैं। उन्होंने कहा राजनीतिक विशेषज्ञ आम तौर पर कहते हैं कि राजनीति लोगों को बांटती है लेकिन भाजपा ने कामकाज के आधार पर राजनीति की नई संस्कृति की शुरूआत की, जो हर किसी को जोड़ती है।

इस दीपावली बाजार में मिलेंगे कम प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हर्ष वर्धन ने शनिवार को कहा कि इस बार दीपावली से पहले बाजार में ऐसे पटाखे मिलेंगे, जो 30 प्रतिशत कम प्रदूषण फैलाएंगे। हर्ष वर्धन ने कहा कि इस तरह के पटाखे बाजार में उपलब्ध हो चुके हैं। मंत्री ने कहा कि यह कदम इसलिए उठाया गया है कि लोगों की भावनाएं भी आहत नहीं हों और पर्यावरण को नुकसान भी नहीं पहुंचे। इन पटाखों को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक शोध परिषद (सीएसआईआर) के वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। इसे एक कार्यक्रम में हर्ष वर्धन और सीएसआईआर के वैज्ञानिकों ने प्रदर्शित किया। हर्ष वर्धन ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे पास ऐसे पटाखे हैं जो 30 प्रतिशत कम उत्सर्जन करते हैं। ये पर्यावरण के अनुकूल हैं। हमने वैज्ञानिकों से अपील किया कि वे ऐसे वैकल्पिक पटाखे विकसित करें जो पारंपरिक पटाखों से कम प्रदूषण फैलाते हों, ताकि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना लोगों की भावनाएं आहत करने से बचा जा सके।

युद्ध में शहीदों की विधवाओं के प्रति समर्थन व्यक्त करने के लिए नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी व अन्य

फाइनेंसर को धमकी देने के आरोप में फिल्म निर्माता पर मुकदमा

हैदराबाद। फिल्म फाइनेंसर प्रसाद वी पोटलुरी को धमकी देने के आरोप में तेलुगु फिल्मों के निर्माता बांडला गणेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पोटलुरी ने शिकायत की थी कि गणेश के सहयोगियों ने हैदराबाद स्थित उनके घर पर आकर धमकी दी थी। पोटलुरी ने एक टीवी चैनल को बताया कि गणेश पर उनका करीब सात करोड़ रुपए का बकाया है।

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति (फोटो में दर्शाया गया) जिसका नामः **नामालूम,** परिवार व पताः **नामालूम, उम्रः 21 वर्ष,** जिसे दिनांक **27.09.2019** को लाजपत नगर रेलवे स्टेशन से बिमार अवस्था में सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसकी ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस संदर्भ में डीडी संख्या **21–ए** दिनांक **01.10.2019** थाना **हजरत निजामुद्दीन, रेलवे स्टेशन, दिल्ली** में रिपोर्ट दर्ज है।

जिसका हुलिया नीचे दिया गया है:–

लिंगः पुरुष, **आयुः** 21 वर्ष, **कदः** 5'6'' फुट, **रंगः** सांवला, **घाव के निशानः** सामान्य मृत्यु, **पहनावाः** लाईनदार नाईट सूट पहना हुआ था।

मृतक के बारे में कोई जानकारी या सुराग रखने वाला कोई भी व्यक्ति निम्नलिखित पते या टेलीफोन नंबर पर सूचित करें।

थाना प्रभारी
थाना हजरत निजामुद्दीन, रेलवे स्टेशन, दिल्ली
फोन नं.: 011–24356743
मोबाइलः 8750851311

DP/4115/RLY/19

नई शिक्षा नीति मजबूत भारत की नींव रखेगी : नकवी

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि केंद्र जल्द नई शिक्षा नीति को लागू करेगा जो सशक्त और मजबूत भारत की नींव रखेगी। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री नकवी ने कहा, करीब 30 साल की अवधि के बाद, नई शिक्षा नीति लागू होने जा रही है जो देश के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने दावा किया कि शिक्षा नीति देश की शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लेकर आएगी। नकवी ने कहा कि 2014 में नई सरकार के पदभार ग्रहण करने से पहले 16 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) थे। मंत्री ने अब्दुर रहमान क्रीसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलॉजी के नौवें दीक्षांत समारोह में कहा, हमारी सरकार ने पांच नए आईआइटी शुरू किए हैं। उन्होने बताया कि 2014 से पहले 13 भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) थे लेकिन नई सरकार ने बीते पांच साल में सात नए आईआईएम शुरू किए हैं। नकवी के मुताबिक, केन्द्र की प्राथमिकता समाज के सभी वर्गों को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।

आरबीआई पीएमसी बैंक से पैसा निकालने की सीमा बढ़ाए: मुंबई कांग्रेस प्रमुख

एजेंसी। मुंबई

मुंबई कांग्रेस प्रमुख एकनाथ गायकवाड़ ने शनिवार को कहा कि पंजाब एंड महाराष्ट्र कॉओपरेटिव बैंक (पीएमसी) से पैसा निकालने की सीमा को बढ़ाया जाना चाहिए क्योंकि छह महीने में 25000 रुपए निकालने की सीमा पर्याप्त नहीं है।

पीएमसी बैंक के कुछ अधिकारियों पर एचडीआईएल समूह को कर्ज देने का आरोप है और इस प्रक्रिया में बैंक को 4,355.43 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को सौंपे एक ज्ञापन में गायकवाड़ ने कहा कि कानून जर्माकर्ताओं से वादा करता है कि जब भी उन्हें जरूरत पड़ेगी वे अपना पैसा निकाल सकते हैं। इस मामले में इसका अनुसरण नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, पैसा निकालने की सीमा को बढ़ाए जाए जाने की जरूरत है ताकि ग्राहक के रोजर्मा के कामकाज पर असर नहीं पड़े। आरबीआई को परिवार या मेडिकल संबंधी आपात स्थिति के लिए ग्राहकों को पैसा निकालने की अनुमति देनी चाहिए। पीएमसी ग्राहकों को पैसे की सुरक्षा से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने आरबीआई से पीएमसी बैंक के भविष्य के बारे में जानना चाहा और सहकारिता बैंकों को उबारने के लिए सरकार से सहायता की मांग की।

कांग्रेस ने फडणवीस के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की

मुंबई। कांग्रेस ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखकर सरकारी वेबसाइटों पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की तस्वीरों वाले विज्ञापनों को हटाने का अनुरोध किया है। कांग्रेस ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज करने की भी मांग की। पार्टी प्रवक्ता सचिन सावंत ने चुनाव आचार संहिता के कथित उल्लंघन को लेकर फडणवीस के खिलाफ कार्वाई की मांग की। राज्य में 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लागू है। सीईओ को लिखे पत्र में सावंत ने कहा कि सरकारी वेबसाइटों पर ऐसे विज्ञापन आचार संहिता का उल्लंघन हैं। उन्होंने मांग की है कि निर्वाचन अधिकारी इन विज्ञापनों को हटाने का निर्देश प्रशासन को दे और मुख्यमंत्री के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया जाए।

महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत गठबंधन के उम्मीदवार का नामांकन खारिज

औरंगाबाद (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी कांग्रेस–राकांपा नीत गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर आरपीआई (डेमोक्रेटिक) नेता की ओर से दाखिल दो नामांकन पत्रों को शनिवार को खारिज कर दिया। एक चुनाव अधिकारी ने यहां बताया कि कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर चुनाव मैदान में उतरने वाले रमेश गायकवाड़ ने नामांकन पत्र का एक भाग खाली छोड़ दिया था।

स्टार्टअप के लिए शीर्ष गंतव्यों में से एक बनकर उभरा केरल

कोच्चि। डिजिटल मीडिया कंपनी आईएनसी42 की एक रिपोर्ट के अनुसार केरल स्टार्टअप के लिए शीर्ष गंतव्यों में से एक बनकर उभरा है। आईएनसी 42 ने टीआईई केरल के साथ मिलकर यह रिपोर्ट तैयार की है। इसे शनिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने जारी किया। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में स्थित स्टार्टअप की संख्या 2012 से सालाना 17 प्रतिशत की दर से बढ़ी है और 2,200 पर पहुंच गई है। सिर्फ 2018 में ही स्टार्टअप की संख्या 35 प्रतिशत बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2018 में राज्य में स्टार्टअप का वित्तपोषण बढ़कर 8.90 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। इस साल सितंबर तक वित्तपोषण में 18 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस दौरान 13 सौदों में स्टार्टअप को 4.40 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2200 स्टार्टअप के 13 प्रतिशत का पंजीकरण 2019 की पहली तीन तिमाहियों में हुआ है। स्टार्टअप के लिए मुख्यालय बनाने के मामले में एर्नाकुलम और तिरुवनंतपुरम पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है।

THE KHATTRI CO-OPERATIVE URBAN BANK LIMITED
24, ANSARI ROAD, DARYAGANJ, NEW DELHI – 110002

Rule 8(2) of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002
Possession Notice

Whereas the undersigned being the Authorised Officer of The Khattri Co-Operative Urban Bank Limited, 24, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi, under the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act 2002 (Act 54 of 2002) and in exercise of power conferred upon the undersigned under section 13(12) read with rule 9 of Security Interest (Enforcement) Rules, 2002 issued a demand notice dated 12.04.2019 calling upon the borrower M/s. Neha Enterprises, through its Proprietor Ms. Neha Bhardawaj w/o Shri. **Rishi Bhardwaj** to repay the amount mentioned in the notice being Rs. 40,26,500.21 (Rs. Forty Lakhs Twenty Six Thousand Five Hundred and paise twenty one only) within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken physical and actual possession of the property described herein below in exercise of power conferred on him/her under section 13(4) of the said Act read with rule 9 of the said Rules on this 04th day of October of the year 2019.

The borrower in particular and the public on general is hereby cautioned not deal with the property and any dealing with the property will be subject to the charge of The Khattri Co-Operative Urban Bank Ltd. for an amount Rs... 40,26,500.21 (Rs. Forty Lakhs Twenty Six Thousand Five Hundred and paise twenty one only) and the accrued interest and incidental charges incurred thereon.

Description of the Immovable Property

All that part and parcel of the property consisting of Plot No. C-3/106, Mahavir Enclave, New Delhi – 110045 within the registration Sub-Registrar IX Kapashera.

Bounded:
On the North by Others Plot
On the South by Others Plot
On the East by 20 Ft Wide Road
On the West by 12 Ft Wide Road

sd/-
Authorised Officer
(The Khattri Co-Operative Urban Bank Ltd.)

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की एक आदमी जिसका नाम, निवास और परिवार अज्ञात है, उक्त आदमी जिसकी उम्र 20–25 वर्ष थी, को आनंद विहार स्टेशन के पुराने प्लेटफार्म रेलवे ट्रैक, पोल न. 7/6जी एवं 7/8जी डाउन लाइन, दिल्ली पर ट्रेन से दुर्घटना के कारण मृत पाया गया। इस सिलसिले में **डीडी नंः 1ए, दिनांक 04.10.2019 को पुलिस थाना आनंद विहार रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली** मे दर्ज की गयी है। पुलिस ने मृतक आदमी की पहचान करने की कोशिश की लेकिन अभी तक कोई सफलता प्राप्त नहीं हो सकी है।

मृत आदमी का विवरण इस प्रकार हैः

लिंगः पुरुष, **उम्रः** 20–25 वर्ष, **कदः** 5'6'', **रंगः** गोरा, **चेहराः** अण्डाकार, **शारीरिक गठनः** पतला, **पहनावाः** काले एवं पीले रंग की पट्टीदार टी–शर्ट और नीली रंग की जीन्स पहने हुए है।

इस अज्ञात मृत आदमी के परिजनों के बारे में यदि कोई जानकारी मिले तो कृपया थाना प्रभारी आनंद विहार रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली को सूचित करे।

थानाध्यक्ष
पुलिस थाना, आनंद विहार रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली
फोन नं. **011-22145601, 8750871314**

DP/4114/Rly/19

THE PIONEER CLASSIFIEDS

LOST & FOUND

Lost original perpetual lease deed papers of property 23/15 Choti Sabzi Mandi Janak puri New Delhi-58.Manisha Jethwani & Tanuja Kapoor. #9560328444

PD/8673/C

CHANGE OF NAME

I, Konica Biswas, D/o. Asim Biswas, R/o. 56/6, Jakhan Canal Road, Rajpur Road, Adhoiwala, Dehradun-248001, have changed my name from Konica Biswas to Fiza Khan on 01.10.2019 for all purposes.

PD/8674/A

I, Itee Shukla, D/o. Vinod Shukla, R/o. 1/4946, Street No.5, Balbir Nagar Extn. Shahdara, Delhi-110032, have changed my name from Itee Shukla to Ishrat Jahan on 03.10.2019 for all purposes.

PD/8676/A

CHANGE OF RELIGION

I, Konica Biswas, D/o. Asim Biswas, R/o. 56/6, Jakhan Canal Road, Rajpur Road, Adhoiwala, Dehradun-248001, have changed my religion from "Hinduism" to "Islam" on 01.10.2019 for all purposes.

PD/8675/A

I, Itee Shukla, D/o. Vinod Shukla, R/o. 1/4946, Street No.5, Balbir Nagar Extn. Shahdara, Delhi-110032, have changed my religion from 'Hinduism' to 'Islam' on 03.10.2019 for all purposes.

PD/8677/A

पेज एक का शेष

फारुख और उमर ...

दिन पहले एक बैठक हुई थी। इसमें फारुख और उमर से मिलने का फैसला किया गया था। कश्मीर में घाटी में 4 अगस्त से फारुख, उमर और बड़ी संख्या में नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं को हिरासत में लिया गया है, वहीं पार्टी के प्रमुख नेताओं को जम्मू संभाग में आवाजाही पर रोक लगाई गई थी। पिछले बुधवार की शाम जम्मू स्थित नेताओं पर से पाबंदी हटा ली गई थी।

जमीन खो ...

एलओसी पर विभिन्न लांच पैड पर 275 विदेशी आतंकवादी भारत में घुसपैठ की फिराक में बैठे हैं। सूचनाओं में कहा गया है कि इसमें 80 गुरेज, 60 माछल, 40 केरन के विपरीत दिशा में, 15 नौगाम के पास, 50 करनाह के विपरीत दिशा में, 20 उड़ी तथा 10 रामपुर के पास हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन आतंकवादियों में अफगान/पख्तून पृष्ठभूमि के दहशतगर्द शामिल हैं। घाटी में यह हाल के आतंकी पैटर्न से अलग है।

आरे में...

को घेर लिया। यहां पर जिन लोगों को हिरासत में लिया गया उनमें एनसीपी विधायक जितेंद्र अवहाद, शिवसेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी, शिव सेना की नेता और पूर्व मेयर शुभा राउल शामिल थे। कुछ हरित कार्यकर्ताओं ने बंबई हाईकोर्ट से राहत पाने के लिए शनिवार को फिर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने का अनुरोध किया, जिससे कि वे सुप्रीम कोर्ट जा सकें। लेकिन हाईकोर्ट ने रोक लगाने से इनकार कर दिया। इससे एक दिन पहले उच्च न्यायालय ने मुंबई महानगरपालिका के वृक्ष प्राधिकरण के पेड़ों को काटने की अनुमति देने के फैसले को चुनौती देने वाली गैर लाभकारी संगठनों और कार्यकर्ताओं की चार याचिकाओं को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट द्वारा याचिकाओं को खारिज किए जाने के कुछ घंटों बाद शुक्रवार को जब एमएमआरसीएल ने पेड़ों कटाई शुरू की तो विरोध प्रदर्शन आरंभ हो गया। विरोधी पार्टियों ने सत्तारूढ़ शिवसेना–भाजपा की तीखी आलोचना शुरू कर दी। उनका कहना था कि वे पेड़ों को बचाने में विफल रहीं। शिव सेना आदित्य ठाकरे ने भी एमएमआरसीएल की निंदा की तथा विरोध करने वालों का समर्थन किया। 38 प्रदर्शनकारियों को आईपीसी की धारा 353, 332 तथा 143 के तहत निरुद्ध किया गया है। एक कार्यकर्ता ने बताया कि इलाके में भारी पुलिस बल तैनात और किसी को भी आरे कॉलोनी में नहीं जाने दिया जा रहा है। यहां तक कि पर्यटकों को भी रोक दिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने 29 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से छह महिलाएं हैं। कुछ लोगों ने आरे कॉलोनी में तैनात पुलिस के जवानों से दुर्व्यवहार और मारपीट भी किया तथा उन्हें अपनी ड्यूटी निभाने से रोका। कुछ प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर सख्ती बरतने का आरोप लगाया है। हालांकि, मुम्बई पुलिस ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इससे पहले करीब 60 लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें गिरफ्तार किए गए ये लोग भी शामिल थे। उनमें कुछ छात्र भी हैं। उन्होंने बताया कि एमएमआरसीएल द्वारा पेड़ों की कटाई शुरू करते ही करीब 200 पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर उन्हें रोकने की कोशिश की। पुलिस अधिकारी ने कहा, प्रदर्शन के दौरान लोगों के एक समूह ने दो पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया, जिन्हें चोटें आई हैं। कथित हमले में घायल हुए 28 वर्षीय महिला पुलिस कांस्टेबल की शिकायत के आधार पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले आरे कॉलोनी और उसके आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह दण्ड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू कर दी गई। उन्होंने कहा, गिरफ्तार किए गए सभी प्रदर्शनकारियों को रिमांड के लिए अदालत ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को आरे, वनराई और दहिसर पुलिस थाने ले जाया गया, जहां से कुछ को रिहा कर दिया गया है। इस बीच, हिरासत में ली गई एक महिला ने आरोप लगाया कि वह और उसके साथी शनिवार सुबह शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे तब भी उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि महिला प्रदर्शनकारियों को पुरुष पुलिस अधिकारियों ने जबरन पुलिस वाहनों में डाला। हालांकि, मुम्बई पुलिस प्रवक्ता ने पुलिसकर्मियों द्वारा सख्ती बरतने के आरोपों को गलत करार दिया है। उन्होंने कहा, स्थिति को संभालने के दौरान सभी उचित प्रक्रियाओं का पालन किया गया और कानूनी रूप से वैध कदम उठाए गए। आरे कॉलोनी की ओर जाने वाले सभी मार्ग पर पुलिस ने घेराबंदी कर ली है और कड़ी सुरक्षा के बीच पेड़ों की कटाई जारी है। पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने प्रशासन की आलोचना करते हुए दावा किया कि अब तक लगभग 200 पेड़ काटे जा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मेट्रो निगम दस अक्टूबर से पहले काम खत्म करना चाहता है। इसी दिन राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में मामले की सुनवाई होनी है। इस बीच एमएमआरसी ने हरित कार्यकर्ताओं के इस तर्क को खारिज कर दिया कि बंबई उच्च न्यायालय द्वारा विरोध करने वाली याचिकाओं को खारिज किए जाने के बाद आरे कॉलोनी में पेड़ों को काटने से पहले मेट्रो को एक नए नोटिस की आवश्यकता है। एमएमआरसी की प्रबंध निदेशक अश्विनी भिड़े ने ट्वीट कर कहा कि कार्यकर्ताओं को अदालत में अपनी हार को स्वीकार करना चाहिए।

नाराज अशोक...

बावजूद इसके कोई मदद नहीं मिली। तंवर ने तंज कसते हुए कहा कि 24 अक्टूबर को नतीजे आएंगे। 20 दिन में पता चल जाएगा कि कुछ लोग कितने बड़े नेता हैं। पिछले महीने तंवर को हटाकर पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा को प्रदेश कांग्रेस समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। इसके साथ ही हुड्डा को नेता प्रतिपक्ष और चुनाव प्रबन्धन समिति का प्रमुख बनाया गया था। तंवर और समर्थकों ने टिकट वितरण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए पिछले दिनों सोनिया गांधी के आवास के बाहर प्रदर्शन किया था। शैलजा ने तंवर के आरोपों को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि टिकट तय प्रक्रिया के तहत दिए गए हैं और सभी नेताओं को मिलकर कांग्रेस को जिताने के लिए काम करना चाहिए। कांग्रेस ने शुक्रवार को तंवर को नसीहत दी थी कि वह संयम बरतें और ऐसा कोई बयान नहीं दें जिससे भाजपा मजबूत हो।

भारत-बांग्लादेश...

समुद्री सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि भारत इस समझौते के तहत करीब दो दर्जन तटीय निगरानी रडार स्टेशन लगाएगा। एक अन्य समझौते से भारत में मालों की ढुलाई के लिए चट्टगांव और मंगला बंदरगाहों का उपयोग किया जाने लगेगा। एक और समझौता त्रिपुरा के सबरूम शहर के लोगों को पेयजल उपलबध कराने के लिए बांग्लादेश की फेनी नदी से 1.82 क्यूसेक पानी लाने से जुड़ा है। संयुक्त बयान के मुताबिक दोनों प्रधानमंत्रियों ने सार्थक और समग्र वार्ता की तथा वे पारंपरिक एवं गैर पारंपरिक क्षेत्रों में परस्पर लाभकारी संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए अवसरों का पूरी तरह उपयोग करने पर सहमत थे। बयान में यह भी कहा गया है कि अपरिवर्तनीय साझेदारी से वह धरोहर बढ़ेगी जो बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम से शुरू हुई। वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने शांत, स्थिर और अपराध मुक्त सीमा के लिए प्रभावी सीमा प्रबंधन के महत्व पर बल दिया। संयुक्त बयान में कहा गया है, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दोनों नेताओं ने अपने अपने सीमा प्रहरी बलों को दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमापर सभी लंबित क्षेत्रों में बाड़ लगाने का काम यथाशीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया है, दोनों नेता इस बात पर भी सहमत थे कि सीमापर लोगों की मौत चिंता का विषय है एवं उन्होंने संबंधित सीमा प्रहरी बलों को ऐसी घटनाओं को बिल्कुल खत्म करने की दिशा में समन्वित उपाय बढ़ाने का निर्देश दिया। मोदी और हसीना भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय समग्री आर्थिक साझेदारी संधि करने की संभावना पर संयुक्त अध्ययन की प्रक्रिया पूरी करने पर भी सहमत हुए।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER CHHATTISGARH RURAL ROAD DEVELOPMENT AGENCY
PROJECT CIRCLE, BILASPUR (C.G.)

NIT No. 197/3289/Tender/CGRRDA/2019 — **Bilaspur, Dated 4/10/2019**

Superintending Engineer CGRRDA Project Circle Bilaspur invites on behalf of Chhattisgarh Rural Road Development Agency Civil Line, Raipur (C.G.) Online percentage rate tenders for works sanction under scheme Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission, Distt- Bilaspur from eligible bidders for **PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJANA,** on as per SOR of CGRRDA effective from 22.02.2018 amended till date.approved and eligible Contractors signal window registration under E-In-C PWD C.G. In the following District of Chhattisgarh State:-

S. N.	ETMS Tender No.	District	Name of Block	Name of Work	Length	Tender Estimated Cost (Rs. in Lacs) including 12%GST			Earnest Money Deposit (in Lakhs)	Contract Period Including Rainey Season	Cate-gory of Contrac-tor	No. of Call SOR
						Cons.	Maint.	Total				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1.	57093	Bilaspur	Masturi	Bhadaura To Khaira (Jairam-nagar)	3.25Km	113.88	0.00	113.88	1.14	12 Month	C & Above	22.02.18 (1st all)

1. Earnest Money Deposit as per required should be made Through Online Payment Getway of Integrated e-procurement project of Govt. of C.G. (Internet Banking NEFT Chhallan)
2. Detailed N.I.T. and other Details can be viewed and download on our wetsite https://eproc.cgstate.gov.in on after 09/10/2019 at 17.30 PM. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of the website.

(Sanjay Sharma)
Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Project Circle, Bilaspur (C.G.)

Samvad-22944/5

ICICI Bank

आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चकली सर्किल, ओल्ड पाड्रा रोड, वडोदरा, गुजरात–390 007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बान्द्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पू), मुंबई–400 051
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, वीडियोकॉन टॉवर, झंडेवालान नई दिल्ली–110055

सार्वजनिक सूचना – प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा–सह–नीलामी

नियम 8 (6) का परंतुक देखें,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना। एतद्द्वारा सर्व साधारण को तथा विशेष रूप से कर्जदार(रों) और गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत क्रेडिटर के पास बंधक रखी/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका भौतिक कब्जा आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, जैसी है जहां है, जैसी है जो भी है तथा जो भी है वहां है आधार पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेची जाएगी;

क्र. सं. (क)	कर्जदार (रों)/ सह–कर्जदारों/ गारंटरों का नाम/ ऋण खाता संख्या (ख)	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई (ग)	बकाया राशि (रू. में) (घ)	सुरक्षित मूल्य (रू. में) (ङ)	धरोहर राशि जमा (रू. में) (च)	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय (छ)	नीलामी की तिथि एवं समय (ज)
1.	काजल दुबे (कर्जदार) मनीष दुबे (सह कर्जदार)– LBDEL00001855075	फ्लैट नंबर एस– 2, दूसरी मंजिल, प्लॉट नंबर I– 22 और 23, ब्लॉक I, लक्ष्मी नगर, दिल्ली– 110092, 990 वर्ग फुट क्षेत्र में नपा हुआ	रू. 1,00,38, 454/- (सितम्बर 26, 2019 तक)	रू. 40,00, 000/-	रू. 4,00, 000/-	अक्टूबर 16, 2019 को मध्या. 02.30 बजे से 03.30 बजे तक	अक्टूबर 29 2019 पूर्वा. 11.00 बजे से

ऑनलाइन नीलामी नीलामी एजेन्सी **श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (यूआरएल लिंक– "https://eauctions.samil.in")** की वेबसाइट पर सम्पन्न होगी। बंधकदाताओं/सूचनाप्रेषिती **अक्टूबर 28, 2019 को अथवा पूर्व अप. 5.00 बजे** तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल रहने पर यह/ये प्रत्याभूत आस्ति/यां की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।

संभावित बिडर (बिडर्स) को अपनी ऑफर उपरोक्त धरोहर राशि जमा (कालम 'च' में वर्णितानुसार) सहित एक मोहरबंद लिफाफे में सम्पत्ति के क्रय हेतु ऑफर शीर्षांकित कर इस प्रकार प्रस्तुत करें कि **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, द्वितीय तल वीडियोकॉन टॉवर, ब्लॉक ई–1, झंडेवालान एक्सटेंशन, रानी झांसी रोड दिल्ली–110055** में अथवा हमारे मार्केटिंग एजेन्ट श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड के **दूसरी मंजिल, बेस्ट स्काई टॉवर, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, नई दिल्ली– 110034** स्थित कार्यालय में **अक्टूबर 28, 2019 को** अथवा **पूर्व अप. 5.00 बजे** से पहले पहुंच जानी चाहिए। मार्केटिंग एजेन्सी को नीलामी के सम्यक् संचालन के लिए नीलामकार के रूप में भी अनुबंधित किया गया है। ईएमडी डीडी/पीओ राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक से **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** के पक्ष में तथा **दिल्ली** में देय होना चाहिए।

निरीक्षण, नीलामी के निबंधन और शर्तों या निविदा जमा करने के संबध में किसी अतिरिक्त स्पष्टीकरण के लिए कृपया आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के मोबाइल नम्बर **9599281817/9650193259** पर अथवा **श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड** के **9910453434** पर सम्पर्क करें।

केवल बैंक/ई–नीलामी विक्रेता पदाधिकारी द्वारा अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व पूर्ण विवरण के साथ प्राप्त और पंजीकृत की गई निविदाएं ही नीलामी हेतु मान्य होंगी।

प्राधिकृत अधिकारी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बिड्स को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की वेबसाइट देखें :**www.icicibank.com/n4p4s**

तिथि : अक्टूबर 05, 2019
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

संधू शीर्ष पर बरकरार, मदप्पा चौथे पायदान पर पहुंचे

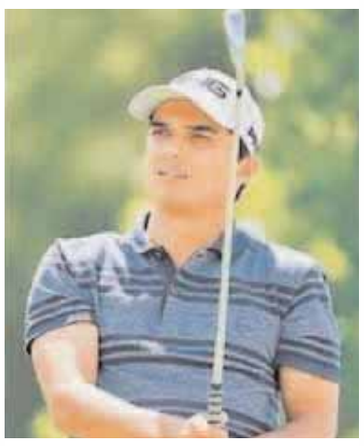

तामसुई (चीनी ताइपै)। भारतीय गोल्फर अजीतेश संधू ताइवान मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में शनिवार को यहां तीसरे दौर में 70 का कार्ड खेलकर तालिका में फिलीपींस के मिगुएल तब्यूना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। संधू ने तीसरे दौर में चार बर्डी और दो बोगी की। वह दूसरे दौर के बाद एकल बढ़त के साथ शीर्ष पर थे लेकिन दो बार के एशियाई टूर विजेता तब्यूना ने 68 का कार्ड खेलकर तीसरे दौर के बाद भारतीय खिलाड़ी की बराबरी कर ली। विराज मोदप्पा ने इस दौर में शानदार प्रदर्शन कर सात अंडर 65 का स्कोर किया। पहले दो दौर में 72-72 का औसत प्रदर्शन करने वाला यह गोल्फर अब संयुक्त रूप से चौथे पायदान पर आ गया है। अन्य भारतीयों में एस चिक्कारंगप्पा (74) संयुक्त 15वें, खालिन जोशी (73) एवं राशिद खान (74) संयुक्त 26वें और चिराग कुमार (78) संयुक्त 47वें स्थान पर हैं।

चौरसिया ने कट हासिल किया, भुल्लर चूके

मैड्रिड। भारतीय गोल्फर एसएसपी चौरसिया ने यहां ओपन डि इस्पाना गोल्फ टूर्नामेंट के दूसरे दौर में इवन पार 71 का कार्ड खेलकर कट में जगह बनाई जबकि हमवतन गगनजीत भुल्लर कट से चूक गए। चौरसिया ने इस तरह शुक्रवार को सात टूर्नामेंट में कट नहीं हासिल करने की खराब फार्म को समाप्त किया। उन्होंने पहले दौर में 70 का कार्ड खेला था, जिससे उनका कुल स्कोर एक अंडर 141 हो गया। वह संयुक्त रूप से 44वें स्थान पर चल रहे हैं। चौरसिया पहले दौर के बाद शीर्ष 10 में थे लेकिन दूसरे दौर में पांच बोगी और एक डबल बोगी से उन्होंने सात ओवर 78 का निराशाजनक कार्ड खेला और कट से चूक गए।

अदिति ने कट में प्रवेश किया

टेक्सास। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने लेडीज पीजीए टूर के वालंटियर्स ऑफ अमेरिका क्लासिक टूर्नामेंट के दूसरे दौर में इवन पार 71 का कार्ड खेलकर कट में प्रवेश किया। अदिति इस तरह संयुक्त 32वें स्थान पर रहीं। चेएने नाइट (66, 67), एलेना शार्प (68, 65) और ब्रिटनी एल्टोमारे (67, 66) संयुक्त रूप से बढ़त बनाए हैं।

लाहिड़ी कट से चूके

लास वेगास। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी श्राइनर्स हास्पिटल्स फॉर चिल्ड्रन ओपन के दूसरे दौर में दो ओवर 73 के निराशाजनक कार्ड से कट में जगह बनाने में चूक गए। लाहिड़ी इस तरह 2019-20 सत्र में चार टूर्नामेंट में तीसरी बार कट से चूके। उन्होंने पहले दौर में दो अंडर 69 का कार्ड खेला था और उनका कुल स्कोर इवन पार रहा। कट लाइन चार अंडर की थी।

जोकोविच ने किया जापान ओपन फाइनल में प्रवेश

तोक्यो। सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शनिवार को यहां जापान ओपन में दबदबा जारी रखते हुए तीसरे वरीय डेविड गोफिन को सीधे सेटों में हराकर इस सत्र के पांचवें फाइनल में प्रवेश किया। पहली बार जापान की राजधानी में खेल रहे जोकोविच ने गोफिन को 6-3 6-4 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। अब खिताबी भिड़ंत के लिए उनका सामना आस्ट्रेलियाई क्वालीफायरजान मिलमैन से होगा जिन्होंने रेली ओपेलका को 6-3 7-6 से शिकस्त दी।

ओसाका ने आंद्रिस्कू के लगातार 17 जीत के क्रम को तोड़ा

बीजिंग। कनाडा की युवा टेनिस खिलाड़ी बियांका आंद्रिस्कू के लगातार 17 जीत के क्रम को जापान की नाओमी ओसाका से शनिवार को चीन ओपन के क्वार्टर फाइनल में तोड़ दिया। टेनिस कोर्ट में दोनों युवा खिलाड़ियों के बीच यह पहला मुकाबला था। यूएस ओपन चैम्पियन अंद्रिस्कू से पहला सेट गंवाने के बाद ओसाका ने 5-7, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की।

रोहित का ऐतिहासिक शतक, टेस्ट रोमांचक मोड़ पर

भारत ने पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 395 रन का लक्ष्य दिया

एजेंसी। विशाखापत्तनम

रोहित शर्मा के एक और शतक तथा कई शानदार रिकार्ड से भारत ने शनिवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 395 रन का असंभव लक्ष्य दिया जिससे अंतिम दिन का खेल रोमाचंक होने की उम्मीद है।

नई भूमिका में खेलते हुए रोहित ने पहली पारी में 176 रन के बाद दूसरी पारी में 149 गेंद में 127 रन (10 चौके और सात छक्के) की पारी खेली जिससे वह टेस्ट इतिहास में सलामी बल्लेबाज के रूप में पदार्पण करते हुए दोनों पारियों में शतक जड़ने की उपलब्धि हासिल करने वाले पहले क्रिकेटर बन गए।

भारत ने चौथे दिन अंत में देर तक बल्लेबाजी की और दूसरी पारी 67 ओवर में चार विकेट पर 323 रन पर घोषित की। इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम को आउट करने के लिए उन्हें चौथे दिन केवल 45 मिनट मिले लेकिन उनके पास पूरा पांचवां दिन बाकी है। स्टंप तक दक्षिण अफ्रीका ने एक विकेट गंवाकर 11 रन बना लिए जिससे उसे जीत के लिए अब 384 रन की जरूरत है। रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में शतक जड़ने वाले डीन एल्गर को पगबाधा आउट किया।

पिच धीमी बनी हुई है लेकिन इस पर टर्न मिल रहा है और इस पर बने खुरदुरेपन से कुछ गेंदें उछाल भी ले रही हैं। पहली पारी में सात विकेट झटकने वाले रविचंद्रन अश्विन और जडेजा अंतिम दिन भारत के लिए अहम साबित होंगे। एल्गर के आउट होने के बाद अब क्विंटन डिकॉक का विकेट महत्वपूर्ण होगा जो भारत को कई मौकों पर परेशान कर चुके हैं। पहली पारी में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम अंतिम दिन पूरे 90 ओवर खेलना चाहेगी।

शनिवार का दिन फिर रोहित के नाम रहा जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के सुबह के सत्र में 431 रन पर पहली पारी समाप्त करने के बाद फिर तेजी से खेलते हुए शानदार पारी खेली। रोहित ने 13 छक्के जड़कर पाकिस्तान के वसीम अकरम के रिकार्ड को भी पीछे छोड़ा जिन्होंने 1996 में जिम्बाब्वे के खिलाफ एक मैच में 12 छक्के लगाए थे। रोहित और चेतेश्वर पुजारा (148 गेंद में 81 रन) के बीच दूसरे विकेट के लिए 169 रन की साझेदारी से भारत ने दूसरी पारी की नींव रखी। जिनके बाद जडेजा (32 गेंद में 40 रन), विराट कोहली (25 गेंद में नाबाद 31 रन) और अजिंक्य रहाणे (17 गेंद में नाबाद 27 रन) ने उपयोगी योगदान दिया। परिस्थितियों को देखते हुए जडेजा को कोहली से पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा गया। चाय तक एक विकेट पर 175 रन से भारत ने 34 ओवरों के दूसरे सत्र में 140 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 246 रन कर ली थी। इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज ने अपने चिर परिचित अंदाज में खेलते हुए स्कोरबोर्ड चलायमान रखा। पुजारा को अपनी पारी के शुरू में थोड़ी परेशानी हुई जिसमें उन्होंने 62 गेंद में केवल आठ रन बनाए। हालांकि सत्र के पहले ड्रिंक्स ब्रेक के बाद उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ खुलकर खेलना शुरू किया। आफ स्पिनर डेन पीट ने एक शार्ट गेंद फेंकी और पुजारा ने इसे डीप मिडविकेट पर छक्के के लिए पहुंचा दिया। इससे पहले उन्होंने केशव महाराज की गेंद पर चार चौके लगाकर रन गति बढ़ाई। भाग्य भी पुजारा के साथ था क्योंकि कागिसो रबाडा की गेंद का बाहरी हिस्सा उनके बल्ले से लगा लेकिन गेंद पहली स्लिप में खड़े क्षेत्ररक्षक और विकेटकीपर के बीच से होती हुई सीमारेखा की ओर निकल गई।

रोहित भी भाग्यशाली रहे जब सेनुरान मुथुस्वामी ने उन्हें लांग-आन पर कैच आउट किया होता लेकिन रिव्यू में पाया गया कि दूसरे प्रयास में कैच लेने की कोशिश में गेंद को छोड़ते समय वह बाउंड्री की रस्सी से छू गए थे। अपनी पारी में 13 चौके और दो छक्के जड़ने वाले पुजारा ब्रेक से पहले अंतिम गेंद पर डीआरएस की करीबी अपील पर बचे।

लंच से पहले भारत ने एकमात्र विकेट पहली पारी में दोहरे शतक जमाने वाले मयंक अग्रवाल (07) के रूप में गंवाया। केशव महाराज की टर्न लेती बेहतरीन गेंद मयंक के बल्ले से छूते हुए पहली स्लिप में खड़े क्षेत्ररक्षक के हाथ में चली गई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने सुबह अंतिम दो खिलाड़ियों के 55 अहम रन जोड़ने से पहली पारी 431 रन पर समाप्त की, जिससे भारत ने पहली पारी के आधार पर 71 रन की बढ़त हासिल की। दक्षिण अफ्रीका ने आठ विकेट पर 385 रन से आगे खेलना शुरू किया और सुबह 13.1 ओवर बल्लेबाजी करते हुए पदार्पण कर रहे मुथुस्वामी और रबाडा की बदौलत अहम 46 रन जोड़े। मुथुस्वामी 106 गेंद में 33 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि रबाडा ने तीन चौकों से 15 रन की पारी खेली। मुथुस्वामी और रबाडा ने 10वें विकेट के लिए 35 रन जोड़े।

अश्विन (145 रन देकर सात विकेट) ने शुक्रवार को 27वीं बार पांच विकेट झटकने का कारनामा किया और पारी के अंत में दो विकेट लेकर अपने टेस्ट में विकेटों की संख्या 349 की।

महाराज (31 गेंद में नौ रन) ने अश्विन की गेंद को मैदान से बाहर भेजने का प्रयास किया और डीप में कैच आउट हुए जो इस भारतीय गेंदबाज का छठा विकेट था। रबाडा भी अश्विन की स्लाइडर गेंद पर पगबाधा आउट हुए।

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी : सात विकेट पर 502 रन घोषित, **दक्षिण अफ्रीका पहली पारी :** डीन एल्गर का पुजारा बो जडेजा 160, एडेन मार्कराम बो अश्विन 05, थेनिस डि ब्रून का साहा बो अश्विन 04, डेन पीट बो जडेजा 00, तेम्बा बावुमा पगबाधा बो इशांत 18, फाफ डुप्लेसिस का पुजारा बो अश्विन 55, क्विंटन डिकाक बो अश्विन 111, सेनुरान मुतुसैमी नाबाद 33, वर्नोन फिलैंडर बो अश्विन 00, केशव महाराज का अग्रवाल बो अश्विन 09, कागिसो रबाडा पगबाधा बो अश्विन 15, **अतिरिक्त :** 21, **कुल:** 131.2 ओवर में सभी आउट **431 रन, विकेट पतन :** I-14, 2-31, 3-34, 4-63, 5-178, 6-342, 7-370, 8-376, 9-396, **गेंदबाजी :** इशांत 16-2-54-I, शमी 18-4-47-0, अश्विन 46.2-11-145-7, जडेजा 40-5-124-2, विहारी 9-I-38-0, रोहित 2-I-7-0,

भारत दूसरी पारी: मयंक अग्रवाल का डुप्लेसिस बो महाराज 07, रोहित शर्मा का डि काक बो महाराज 127, चेतेश्वर पुजारा पगबाधा 81, रविन्द्र जडेजा बो रबाडा 40, विराट कोहली नाबाद 31, अजिंक्य रहाणे नाबाद 27, अतिरिक्त 10, **कुल योग:** 67 ओवर में चार विकेट पर 323 रन पर पारी घोषित, **विकेट पतन:** I-21, 2-190, 3-239, 4-286, **गेंदबाजी:** फिलैंडर 12-5-21-I, महाराज 22-0-129-2, रबाडा 13-3-41-I, पीट 17-3-102-0, मुथुस्वामी 3-0-20-0, **दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी:** एडेन मार्कराम खेल रहे हैं 03, डीन एल्गर पगबाधा बो जडेजा 02, थेनिस डि ब्रून खेल रहे हैं 05, अतिरिक्त: 01, **कुल :** नौ ओवर में एक विकेट पर 11 रन, **विकेट पतन:** I-4, **गेंदबाजी:** अश्विन 5-2-7-0, जडेजा 4-2-3-I

टेस्ट ओपनर के रूप में पदार्पण पर दो शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बने रोहित शर्मा

एजेंसी। विशाखापत्तनम

रोहित शर्मा शनिवार को दुनिया के पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में पदार्पण पर मैच की दोनों पारियों में शतक लगाए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।

रोहित ने सलामी बल्लेबाज के रूप में पहली पारी में 176 रन बनाए और उसके बाद दूसरी पारी में चौथे दिन 127 रन की पारी खेली। इस तरह से रोहित टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले विजय हजारे, सुनील गावस्कर (तीन बार), राहुल द्रविड़ (दो बार), विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

इस 32 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना 13वां छक्का लगाते ही किसी एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने का नया रिकार्ड भी बनाया। इससे पहले का रिकार्ड पाकिस्तान के वसीम अकरम के नाम पर था जिन्होंने 1996 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 12 छक्के लगाए थे।

रोहित ने पहली पारी में छह और दूसरी पारी में सात छक्के लगाए। यही नहीं रोहित दोनों पारियों में स्टंप आउट हुए। वह मैच की दोनों पारियों में इस तरह से आउट होने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं। रोहित और उनके साथी सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (215 और 7) दोनों ने मिलकर मैच में 525 रन बनाए। यह पहला अवसर है जबकि भारतीय सलामी जोड़ी ने एक मैच में 500 से अधिक रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में यह कुल मिलाकर तीसरा अवसर है।

बीजिंग में चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में सेमीफाइनल मैच के दौरान ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम, रूस के कारेन खचानोव के खिलाफ रिटर्न शॉट लगाते हुए।

हार्दिक पंड्या की लंदन में हुई पीठ की सफल सर्जरी, तीन-चार महीने बाहर रहेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के आलराउंडर हार्दिक पंड्या की लंदन में पीठ की सर्जरी सफल रही, जिसके कारण उन्हें लगभग चार महीने तक क्रिकेट से बाहर रहना पड़ सकता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हार्दिक के कम से कम 12 से 16 सप्ताह (तीन से चार महीने) तक क्रिकेट से बाहर रहने की संभावना है और उम्मीद है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग से पहले मैच फिट हो जाएंगे। बीसीसीआई ने शनिवार को मेडिकल बुलेटिन जारी किया, हार्दिक पंड्या ने बेंगलुरू में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 सितंबर को भारत के अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद पीठ के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत की थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने इंग्लैंड में रीढ की हड्डी विशेषज्ञ के पैनल से बात की और उन्होंने सर्जरी की सलाह दी। उन्होंने कहा, यह आलराउंडर दो अक्टूबर को टीम इंडिया के फिजियोथेरेपिस्ट योगेश परमार के साथ लंदन गया। शुक्रवार को सर्जरी हुई जो सफल रही। हार्दिक जल्द ही रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया शुरू कर देंगे।

हार्दिक ने शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटो लगाते हुए लिखा, सर्जरी सफल रही। आप सभी की शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया। जल्द ही वापसी करूंगा। तब तक मेरी कमी महसूस कीजिए। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी पीठ में स्ट्रेस फ्रेक्चर के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला से बाहर हैं।

हार्दिक भारतीय टीम के दूसरे अहम सदस्य है, जो टीम से बाहर चल रहे हैं। बड़ौदा का यह आलराउंडर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेला था और चोट के कारण टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गया। वह बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी नहीं खेल पाएंगे। हार्दिक को पिछले साल सितंबर में सयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप के दौरान चोट लगी थी। वह आईपीएल और विश्व कप में खेलने के लिए फिट हो गए थे, लेकिन बाद में फिर उन्हें यह चोट परेशान करने लगी।

केकेआर ने हसी को मुख्य मेंटोर और मिल्स को गेंदबाजी कोच बनाया

नई दिल्ली। आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स ने शनिवार को आस्ट्रेलिया के डेविड हसी को मुख्य मेंटोर और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज कायले मिल्स को टीम का नया गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। हस्सी और मिल्स दोनों न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम के अंतर्गत काम करेंगे जिन्हें अगले आईपीएल के लिए केकेआर का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक वेंकी मैसूर ने बयान में कहा, डेविड हसी और कायले मिल्स का कोलकाता नाइटराइडर्स परिवार में स्वागत करना शानदार है। उनके पास पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर अपार अनुभव है और हमें पूरा भरोसा है कि उनका योगदान महत्वपूर्ण होगा।

अविनाश ने राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया, ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी। दोहा

भारत के अविनाश साबले ने यहां चल रही विश्व चैम्पियनशिप में पुरूषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में अपने राष्ट्रीय रिकार्ड को तोड़ते हुए तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन वह फाइनल में 13वें स्थान पर रहे।

अविनाश ने तीन दिन में दूसरी बार अपना राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा। पुरूषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में भाग ले रहे 40 प्रतिभागियों में राष्ट्रीय रिकार्डधारी के टी इरफान एक घंटे 35 मिनट 21 सेकेंड के समय से निराशाजनक 27वें स्थान पर रहे जबकि हमवतन देवेंदर सिंह एक घंटे 41 मिनट 48 सेकेंड के समय से 36वें स्थान पर रहे। इरफान पहले ही तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं और उनके नाम राष्ट्रीय रिकार्ड भी दर्ज है।

3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा के फाइनल में 13वें स्थान पर रहे

29 वर्षीय इरफान 2017 में पिछले चरण में 23वें और देवेंदर 50वें स्थान पर रहे थे। महाराष्ट्र के मांडवा गांव के किसान के बेटे अविनाश ने आठ मिनट 21.37 सेकेंड का समय निकालकर ओलंपिक क्वालीफाइंग मानक समय 8:22.00 से बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन वह शुक्रवार की रात पुरूषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में 13वें स्थान पर रहे। इस समय से अविनाश ने तीन दिन में दूसरी बार अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा। भारतीय सेना के इस 25 वर्षीय हवलदार ने मंगलवार को पहले दौर की हीट के दौरान (तब के) राष्ट्रीय रिकार्ड 8:28.94 सेकेंड से बेहतर करते हुए 8:25.23 का समय निकाला था। मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन कोनसेसलस किप्रुतो ने 2017 के खिताब को बरकरार रखा। कीनिया के एथलीट ने आठ मिनट 01.35 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता। वह अविनाश से 20 सेकेंड आगे रहे। इथियोपिया के लामेचा गिरमा ने आठ मिनट 01.36 सेकेंड से रजत और मोरक्को के सोफियाने बाकाली ने आठ मिनट 03.76 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता।

अविनाश 12वीं की परीक्षा पास करने के बाद 5 महर रेजीमेंट से जुड़ गए थे और 2013-14 में सियाचिन ग्लेशियर में तैनात थे। जिसके बाद उनकी तैनाती 2015 में राजस्थान और सिक्किम में हुई। वर्ष 2015 में उन्होंने अंतर-सेना क्रास कंट्री रेस में हिस्सा लिया और फिर वह सेना के कोच अमरीश कुमार के मार्गदर्शन में 2017 में स्टीपलचेज में भाग लेने लगे। मंगलवार को वह हीट रेस में जगह बनाने नाकाम रहे थे लेकिन नाटकीय परिस्थितियों के बाद उन्होंने शुक्रवार को फाइनल में जगह बनाई। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने विरोध दर्ज कराया था कि हीट के दौरान अन्य खिलाड़ियों ने उनके मार्ग में बाधा उत्पन्न की थी। इसे विरोध को स्वीकार किए जाने के बाद उन्हें पुरूषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में शामिल किया गया। वीडियो फुटेज की जांच के बाद रेस के रैफरी ने माना कि दो मौकों पर अविनाश के मार्ग में रूकावट पैदा की गई थी। भारत के विरोध को स्वीकार कर लिया गया और नियम 163.2 (बाधा पहुंचाने) के अंतर्गत उन्हें फाइनल में शामिल किया गया।

त्विक न्यूज

अमेरिका में ट्रंप महाभियोग मामले में उपराष्ट्रपति पेंस से मांगे गए दस्तावेज

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चल रही महाभियोग जांच के तहत उपराष्ट्रपति माइक पेंस से यूक्रेन पर दबाव बनाने में उनकी संभावित भूमिका को लेकर दस्तावेज मांगे है। महाभियोग जांच की अगुवाई कर रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के तीन सांसदों ने पेंस को संबोधित करते हुए एक पत्र में लिखा,'हाल में आई सार्वजनिक खबरों के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति को राष्ट्रपति ट्रंप का संदेश पहुंचाने या उसका समर्थन करने में आपकी संभावित भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे है। उन्होंने पत्र में लिखा,'प्रतिनिधि सभा की महाभियोग की जांच के लिए, हम आपसे अनुरोध कर रहे है कि आप 15 अक्टूबर, 2019 तक निर्धारित समय में दस्तावेज पेश करें।

अमेरिका: बर्नी सैंडर्स को दिल का दौरा, अस्पताल से मिली छुट्टी

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स को तीन दिन पहले दिल का दौरा आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने इसकी पुष्टि की है।लॉस वेगास स्थित एक अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद इसकी जानकारी दी गई। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति नामांकन 2020 के उनके अभियान द्वारा जारी एक बयान के अनुसार सैंडर्स (78) ने कहा वह बेहतर महसूस कर रहे है।उनके डॉक्टरों ने बयान में कहा कि सैंडर्स को दिल का दौरा पड़ा था। उन्होंने कहा, अवरुद्ध कोरोनरी धमनी में दो स्टेंट लगाए गए है। अन्य सभी धमनियां सही थी। सैंडर्स ने मंगलवार को सीने में तकलीफ महसूस करने के बाद व्हाइट हाउस के लिए अपनी दावेदारी को टाल दिया।

चीन ने उच्च गुणवत्ता के चित्र लेने में सक्षम उपग्रह का प्रक्षेपण किया

बीजिंग। चीन ने एक उच्च गुणवत्ता युक्त माइक्रोवेव सुदूर संवेदी उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। शनिवार को जारी एक खबर में कहा गया कि यह उपग्रह एक मीटर से भी कम रिजाल्युशन वाली तस्वीरें भेजने में सक्षम है। शनिवार तड़के उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत स्थित ताईयुआन सैटेलाइट लांच सेंटर से इस उपग्रह को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया। यह उपग्रह पृथ्वी की सतह की उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीर पाने के लिए आरंभ की गई चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना का हिस्सा है।

दक्षिण अफ्रीका में गांधी की विरासत पर आधारित पुस्तक का विमोचन

एजेंसी। जोहिनसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी के प्रवास, रंगभेद भेद के खिलाफ उनके संघर्ष तथा पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला पर उनके प्रभाव जैसे विषयों पर एक नई पुस्तक का यहां विमोचन किया गया। पुस्तक को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जारी किया गया।

लेखक एवं पत्रकार फकीर हसन की पुस्तक 150 इयर्स ऑफ सेलिब्रेटिंग द महात्मा - द साउथ अफ्रीकन लिगेसी 160 पृष्ठों का वह दस्तावेज है, जो गांधी जी की जयंती एवं पुण्यतिथि के साथ उनके कार्यों का स्मरण कराती है, जो कभी सिर्फ स्थानीय भारतीय समुदाय तक ही सीमित थी।विश्व भर में महात्मा गांधी की याद में उनकी मूर्तियां, आवक्ष प्रतिमाएं लगाई गईं और उनके नाम पर सड़कों का नामकरण किया गया, हालांकि दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने उनका तब तक कोई समर्थन नहीं किया था, जबकि उनके प्रपौत्र डरबन के पास फीनिक्स बस्ती में अपना कार्य जारी रखे हुए थे। डरबन से ही महात्मा गांधी ने वहां अपने कार्यकाल की शुरुआत की थी।दक्षिण अफ्रीका में प्रवास के दौरान फीनिक्स बस्ती उनके प्रवास की जगह थी। लेखक इस पुस्तक में लिखते हैं, लेकिन 1990 में देश में लोकतंत्र का जब शुभारंभ हुआ तब दक्षिण अफ्रीका में इस महान नेता की भूमिका को सार्वजनिक मान्यता मिलने की एक नई लहर उठी। उनके बारे में विशेष तौर पर दिवंगत राष्ट्रपति मंडेला की टिप्पणियों से यह लहर और तेज हुई। इसके अनुसार यही नहीं नए-नए लोकतांत्रिक देश बने दक्षिण अफ्रीका में सदी के पूर्वार्ध में कई नए गांधीवादी कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे कि लेनासिया में सालाना गांधी वॉक के आयोजन की शुरुआत पहले ही हो चुकी थी। मोहनदास करमचंद गांधी युवा वकील की हैसियत से दक्षिण अफ्रीका आए थे और करीब दो दशक वहां प्रवास के बाद वह 1915 में स्वदेश लौट गए, जहां उन्होंने ब्रिटिश शासन से भारत को आजादी दिलाने के लिए नेतृत्व किया। उस वक्त तक गांधी दक्षिण अफ्रीका में खासकर भारतीय समुदाय के खिलाफ भेदभावपूर्ण कानूनों का विरोध कर एक जाने माने नेता के तौर पर ख्याति बटोर चुके थे।इस पुस्तक को देश भर में सार्वजनिक, विश्वविद्यालय और माध्यमिक स्कूलों के पुस्तकालयों में रखा जाएगा। दक्षिण अफ्रीका सरकार और वहां मौजूद भारतीय कंपनियां इसकी नि:शुल्क प्रायोजक होंगी। इस पुस्तक में गांधी जी की प्रतिमाओं, आवक्ष प्रतिमाओं और प्रदर्शनियों, पुरस्कारों, गांधी एवं उनके नाम पर काम करने वाले अन्य लोगों को मिले सम्मान, फीनिक्स बस्ती और टॉल्सटॉय फार्म समुदाय का जिक्र है, जिसकी उन्होंने क्रमश: डरबन एवं जोहानिसबर्ग में शुरुआत की थी।

न्यूयार्क के जेविट्स कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान स्पाइडर मैन के परिधान पहने कलाकार

अमेरिका: एचएसएस पर लगा आरोप

भारतीय मूल के सांसद के कार्यक्रम में विरोध प्रदर्शन

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी सांसद रो खन्ना की तरफ से महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए इस हफ्ते आयोजित एक बैठक में हुए विरोध प्रदर्शन के पीछे कार्यक्रम के आयोजकों ने हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) को जिम्मेदार ठहराया है।एक आयोजक ने बताया कि इस कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 300 से अधिक सदस्य शामिल हुए। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खन्ना को समुदाय का अच्छा खासा समर्थन प्राप्त है।पहचान उजागर न करने की शर्त पर आयोजक ने आरोप लगाया कि एचएसएस प्रदर्शनकारियों के एक छोटे समूह ने अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन पर यूक्रेन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाले पर्चे बांटे। बाइडेन 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रबल दावेदार हैं।आयोजक ने आरोप लगाया कि कई प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक थे। सिलिकॉन वैली से दो बार के सांसद खन्ना ने जब कहा कि वह कभी भी कट्टरता या श्वेत राष्ट्रवाद और सांप्रदायिकता के आगे नहीं झुकेंगे और हमेशा बहुलवाद के पक्षधर रखेंगे, तो बैठक में मौजूद सभी लोगों ने खड़े होकर उनके लिए तालियां बजाईं। खन्ना के दादा गांधीवादी थे।इस कार्यक्रम में शामिल हुए आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र चिन्मय रॉय ने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने से पहले प्रदर्शनकारियों से बातचीत की थी। उन्होंने कहा, मैंने समूह से बात की थी। उनके साथ मेरी काफी अच्छी चर्चा हुई। उनमें से ज्यादातर एचएसएस के सदस्य थे।

थाईलैंड में जज ने कोर्ट में खुद को मारी गोली

एजेंसी। बैंकॉक

थाईलैंड के एक न्यायाधीश ने हत्या के कई संदिग्धों को बरी करने के बाद खचाखच भरी अदालत में खुद के सीने में गोली मार ली। न्यायाधीश ने फेसबुक लाइव पर प्रसारित अपने जोशीले भाषण में देश की न्यायप्रणाली की निंदा की। आलोचकों का कहना है कि थाईलैंड की अदालत अक्सर संपन्न और ताकतवर लोगों के पक्ष में काम करती है जबकि आम लोगों को छोटे-छोटे अपराधों के लिए फौरन तथा कड़ा दंड दिया जाता है। अब तक किसी न्यायाधीश को न्याय प्रणाली की आलोचना करते नहीं सुना गया था। विद्रोह प्रभावित दक्षिणी थाईलैंड के मध्य में स्थित याला अदालत में न्यायाधीश कनाकोर्न पियानचाना ने गोली मारकर हत्या करने के एक मामले में शुक्रवार दोपहर को पांच मुस्लिम संदिग्धों पर फैसला सुनाया। उन्होंने अदालत कक्ष में उनकी याचिका पर सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को बरी कर दिया और इसके बाद उन्होंने बंदूक निकालकर अपने सीने में गोली दाग ली।

डॉक्टर उनका इलाज कर रहे है और बताया जाता है कि वह खतरे से बाहर हैं

अपने फोन पर फेसबुक लाइव जारी कर न्यायाधीश ने अदालत को संबोधित किया और कहा, किसी को सजा सुनाने के लिए आपको स्पष्ट और विश्वसनीय सबूत की जरूरत होती है। इसलिए अगर आप आश्वस्त नहीं हैं तो उन्हें दंडित नहीं करें। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि पांचों अभियुक्तों ने अपराध नहीं किया है। हो सकता है उन्होंने ऐसा किया हो...। लेकिन न्याय प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वास करने योग्य होने की आवश्यकता है जो उन्हें बलि का बकरा बनाकर गलत लोगों को दंडित करती है। फेसबुक फीड को बाद में हटा दिया गया लेकिन इसे देखने वालों ने कहा कि कनाकोर्न ने खुद को गोली मारने से पहले थाईलैंड के पूर्व राजा की तस्वीर के सामने कानून की शपथ ली। न्यायपालिका के कार्यालय के प्रवक्ता सुरियां होंगविलई ने शनिवार को बताया, डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं और बताया जाता है कि वह खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने व्यक्तिगत तनाव के कारण खुद को गोली मारी। लेकिन उनके तनाव के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है और उसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि अब तक किसी थाई न्यायाधीश ने व्यापक न्याय प्रणाली पर ऐसे बयान देकर प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं किया। संदिग्धों की ओर से काम कर रहे एक वकील ने कहा कि न्यायाधीश कनाकोर्न ने अभियोजन पक्ष के सबूतों को खारिज कर दिया और कहा कि सजा सुनाए जाने के लिए ए सबूत पर्याप्त नहीं हैं। यला में मुस्लिम अटॉर्नी सेंटर के अब्दुल्ला हाई-अबु ने कहा, फिलहाल पांचों को अब भी हिरासत में रखा गया है और इस बात का इंतजार किया जा रहा है कि सरकारी वकील उन्हें बरी किए जाने के खिलाफ अर्जी दाखिल करते हैं या नहीं।

जलवायु परिवर्तन पर लोगों की राय जानने पाक जाएगा ब्रिटिश शाही जोड़ा

इस्लामाबाद। ब्रिटेन का शाही जोड़ा प्रिंस विलियम और केट मिडिलटन अक्टूबर के मध्य में पाकिस्तान का दौरा करेंगे, जहां वह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और स्थानीय समुदाय कैसे इसके अनुरूप ढल रहे हैं, यह जानने की कोशिश करेंगे। ब्रिटिश दूतावास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।दूतावास ने एक बयान में कहा कि विदेश और राष्ट्रमंडल कार्यालय के अनुरोध पर कैंब्रिज के ड्यूक और डचेस 14 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच पाकिस्तान का आधिकारिक दौरा करेंगे। दूतावास के मुताबिक यह शाही जोड़े का पहला पाकिस्तानी दौरा होगा। इस दौरान वे ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलने की कोशिश करेंगे।वे इस्लामाबाद, लाहौर जाने के अलावा उत्तर में स्थित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों और पश्चिम की बीहड़ सीमा की तरफ भी जाएंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान वह बच्चों, सरकारी अधिकारियों, कारोबारियों, परमार्थ कार्यों से जुड़े कार्यकर्ताओं और सांस्कृतिक एवं खेल क्षेत्र से जुड़ी हस्तियों से मिलेंगे। हालांकि माना जा रहा है कि ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और उनकी पत्नी केट मिडिलटन का पाकिस्तान का पांच दिवसीय दौरा इस क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर बेहद जटिल होगा। 14 से 18 अक्टूबर के बीच होने वाले इस दौरे को लेकर किंग्स्टन पैलेस ने यह बात कही। किंग्स्टन पैलेस ने कहा है कि सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह ड्यूक और डचेस का अब तक का सबसे जटिल दौरा है। महल द्वारा जारी बयान के अनुसार शाही दंपति पाकिस्तान की जटिल सुरक्षा समस्या के परिदृश्य को लेकर भी जानकारी हासिल करेंगे। वे आने वाली चुनौतियों और अवसरों के बारे में भी चर्चा करेंगे। पाकिस्तान हमेशा से ब्रिटेन का एक मुख्य सहयोगी रहा है। शाही दंपति ब्रिटेन और पाकिस्तान के प्रमुख सैन्य अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

हैती में सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर आगजनी की

मलीहा लोधी को हटाया नहीं बल्कि उनका कार्यकाल पूरा हो गया था: पाक

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने कहा है कि मलीहा लोधी को हटाया नहीं गया बल्कि उनका कार्यकाल पूरा हो जाने की वजह से संयुक्त राष्ट्र में देश के स्थाई प्रतिनिधि के तौर पर उनकी जगह मुनीर अकरम को यह पद दिया गया है। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री इमरान खान ने चौंकाने वाला कदम उठाते हुए इस हफ्ते अकरम को संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के नए स्थाई प्रतिनिधि के तौर पर नियुक्त किया। अकरम को भारत विरोधी सख्त रुख के लिए जाना जाता है। खान के न्यूयॉर्क से लौटने के एक दिन बाद अकरम की नियुक्ति की घोषणा की गई। खान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने पहले संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया था।डॉन समाचार-पत्र ने खबर दी कि विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के हालिया सत्र में खान के सफल भागीदारी के लिए लोधी को शुक्रवार को श्रेय दिया था और इससे इनकार किया कि उन्हें पद से हटाया गया।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मौहम्मद फैसल ने ट्वीट किया कि लोधी ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है। फैसल ने संयुक्त राष्ट्र में दूत बदले जाने के पीछे के कारणों को लेकर लगाई जा रही अटकलों के बाद ट्वीट किया, इन आरोपों में जरा भी सचाई नहीं है कि डॉ लोधी को किसी कारण से हटाया गया। प्रवक्ता ने विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के हवाले से कहा कि निवर्तमान दूत ने निष्ठा एवं जिम्मेदारी से पाकिस्तान को सेवा दी और कौशल एवं समर्पण के साथ प्रधानमंत्री के यूएनजीए के सफल दौरे का आयोजन किया।

फिलीपीन के सात पूर्व मुस्लिम विद्रोहियों को आईएस से जुड़े एक बंदूकधारी ने मारी गोली

मनीला। शनिवार को दक्षिणी फिलीपीन में सात पूर्व मुस्लिम विद्रोहीयों को गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हमले की जिम्मेदारी एक इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी मृतक मोरो इस्लामिक लिबरेशन फ्रंट (एमआईएलएफ) के सदस्य थे। यह समूह पहले देश का सबसे बड़ा गुरिल्ला समूह था जिसने 2014 की शांति संधि के तहत पिछले महीने हथियारों का प्रयोग बंद कर दिया था।स्थानीय सेना बटालियन के कमांडर लेफ्टिनेंट-कर्नल अर्नेस्टो जेनर ने बताया कि दौलत इस्लामिया नाम के इस्लामी समूह ने शुक्रवार को शरीफ सायदोना शहर के पास एक एमआईएलएफ शिविर पर हमला किया था। इस्लामिक स्टेट ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए आठ लोगों की मौत का दावा किया लेकिन स्थानीय पुलिस कमांडर लेफ्टिनेंट-कर्नल अर्नाल्ड सैनटियागो ने 7 मौतों की पुष्टि की है।

भारत ने संरा, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल से मांगा सहयोग

आतंकी संगठनों से निपटने की कवायद

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने आतंकी संगठनों और अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक नेटवर्कों के बीच की साठ-गांठ से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र और वित्तीय कार्वाई कार्यबल जैसे संगठनों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया है। ए संगठित आपराधिक समूह आतंकी संगठनों को सीमापार होने वाली आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय मदद देते हैं।संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन की प्रथम सचिव पालोमी त्रिपाठी ने सामाजिक, मानवीय मामलों और मानवाधिकार के मुद्दों पर काम करने वाली महासभा की तीसरी समिति को संबोधित करते हुए कहा कि सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों को कमजोर बनाने और अंतरराष्ट्रीय शांति तथा सुरक्षा को खतरा पहुंचाने की अंतरार्ष्ट्रीय संगठित अपराध की कोशिश जारी हैं।त्रिपाठी ने कहा,'अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक नेटवर्क आतंकवादी संगठनों को अवैध गतिविधियों को बढ़ाने के लिए धन मुहैया करा रहे हैं। ए संगठन आतंकवादियों के साथ मिलकर सीमा पार जालसाजी, हथियार तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादियों को सीमा पार पहुंचाने जैसे आपराधिक कामों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईएसआईएस, अल शबाब, बोको हराम जैसे आतंकी समूह जबरन वसूली, मानव तस्करी, अवैध व्यापार आदि कर के अपराध और आतंक के बीच के अंतर को मिटाते जा रहे हैं।

तालिबान ने अमेरिकी दूत से मुलाकात की

नाम उजागर ना करने की शर्त पर तालिबान से जुड़े एक व्यक्ति ने शनिवार सुबह यह जानकारी दी

एजेंसी। काबुल

अफगानिस्तान के लिए अमेरिका के विशेष दूत जलमी खलीलजाद ने इस्लामाबाद में तालिबान के एक प्रतिनिधिमंडल से शुक्रवार को मुलाकात की नाम उजागर ना करने की शर्त पर तालिबान से जुड़े एक व्यक्ति ने शनिवार सुबह यह जानकारी दी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तालिबान के साथ शांति वार्ता समाप्त करने के करीब एक महीने बाद दोनों पक्षों के बीच यह मुलाकात हुई।मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के नेतृत्व में तालिबान के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को जलमी खलीलजाद से मुलाकात की। मुला अब्दुल गनी बरादर उस अभियान के सह-संस्थापक हैं, जिसे 2001 में अमेरिका नेतृत्व वाले गठबंधन ने बाहर किया था। अमेरिकी अधिकारियों ने हालांकि कहा कि शांति वार्ता फिर शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। कम से कम अभी इस्लामाबाद में तो नहीं। खलीलजाद की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कुछ दिन पहले अमेरिका की यात्रा की थी और इस दौरान उन्होंने ट्रम्प से मुलाकात कर अफगानिस्तान में शांति लाने की दिशा में बातचीत बहाल करने समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की थी।खलीलजाद ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के सत्र में शामिल होने के लिए आए प्रधानमंत्री खान से भी मुलाकात की थी, जहां दोनों ने तालिबान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने को लेकर अपने विचार साझा किए थे।अमेरिका और तालिबान मसौदा शांति योजना पर सहमत थे लेकिन पिछले महीने काबुल में एक आत्मघाती हमले में एक अमेरिकी सैनिक की हत्या के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने बातचीत की प्रक्रिया रद्द कर दी थी। इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी तालिबान ने ली थी।

अमेरिका का आव्रजकों को लेकर अहम फैसला, स्वास्थ्य बीमा के बगैर नहीं मिलेगा प्रवेश

वाशिंगटन। अमेरिका जीवन बीमा रहित और चिकित्सा बिलों के भुगतान में असमर्थ आव्रजकों के प्रवेश पर रोक लगाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को यह बात कही। यह कदम तीन नवंबर से प्रभावी होगा।ट्रम्प की एक अधिघोषणा के अनुसार कौंसल अधिकारियों को केवल उन्हीं संभावित आव्रजकों को वीजा जारी करने की अनुमति दी जाएगी जो यह साबित कर सकते हैं कि वे 'अमेरिकी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर 'बोझ नहीं डालेंगे'।अधिघोषणा के मुताबिक,'इस देश में प्रवेश करने वाले आव्रजकों को हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर और अधिक बोझ नहीं डालना चाहिए तथा अमेरिकी करदाताओं को और अधिक परेशान नहीं करना चाहिए।

हांगकांग में नकाब पहनने पर प्रतिबंध के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

एजेंसी। हांगकांग

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शकारियों के नकाब (मास्क) पहनने पर प्रतिबंध लगाए जाने को लेकर हिंसा भड़कने के बाद शनिवार को आम लोगों की आवाजाही से जुड़ी रेल सेवाएं निलंबित कर दी गईं। हांगकांग की नेता कैरी लैम ने चार महीने से चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर कड़ा रुख अपनाते हुए शुक्रवार को प्रदर्शनों के दौरान नकाब पहनने पर रोक लगा दी थी, जिसके जवाब में हजारों प्रदर्शनकारियों ने नकाब पहनकर विरोध जताया।लैम ने कहा कि औपनिवेशिक काल में बने आपातकालीन नियामक अध्यादेश के तहत उन्होंने आदेश दिए हैं, जिसके तहत वह विधायिका को नजरअंदाज कर सकती हैं और आपातकाल या सार्वजनिक जोखिम के समय में कोई भी कानून बना सकती हैं। उन्होंने शुक्रवार को कहा, हमें उम्मीद है कि नया कानून हिंसक प्रदर्शनकारियों और उपद्रवियों को हतोत्साहित करेगा और पुलिस की मदद करेगा। लैम के इस आदेश को लेकर हांगकांग में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए। ज्यादातर कामकाजी लोगों की भीड़ ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया और कुछ प्रदर्शनकारियों ने चीन समर्थक बैनर भी फाड़े।पुलिस ने सड़कों पर उतरने, भूमिगत मार्गों में तोड़फोड़ करने और सड़क पर आग लगाने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए कई स्थानों पर आंसू गैस का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनों के चलते शनिवार को एयरपोर्ट लाइन ट्रेन सेवाओं समेत रेल सेवाएं निलंबित रहीं। रेल संचालकों ने कहा कि सेवाएं फिर से शुरू करने से पहले स्टेशनों को हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा।

इदलिब पर रूसी हमले में नौ जिहादियो की मौत: निगरानी संस्था

बेरूत। सीरिया के उत्तर पश्चिमी प्रांत इदलिब में रूसी विमानों की बमबारी में शनिवार को नौ जिहादी मारे गए।ब्रिटेन के सीरियन ऑब्जरवेट्री फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि आज सुबह रूसी लड़ाकू विमानों ने पूर्वी इदलिब में हुर्राज़ अल दीन समूह और अंसार अल-तौहिद को निशाना बनाया। निगरानी संस्था ने बताया कि हमले में नौ जिहादियों की मौत हो गई और आठ अन्य जख्मी हो गए।

रेल सेवाएं हुईं बंद

पायनियर
रविवार, 6 अक्टूबर, 2019

एजेण्डा

{ शक्तिशाली औरतों का ताकतवर असर होने का कारण यह है कि आपने स्त्री की संवेदना व हृदय के साथ पुरुष की मजबूती हासिल की होती है -
ऐमिलिया क्लार्क }

एक नए अध्ययन ने पाया है कि देह व्यापार के सौ से अधिक मामलों से संबंधित, पुलिस फाइलों में देह तस्करों के नाम से दर्ज 429 व्यक्तियों में से केवल चार को बीते दशक में सजा दी गयी है। इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी देती हैं मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट

देह तस्करी
सतर्क निगाह रखे सरकार

एक कहावत है- मामूली चोर पकड़े जाते हैं मगर बड़े अपराधी बच निकलते हैं। यह बात आज के दौर में सच साबित होती है जहां सबसे खतरनाक अपराधियों का कभी कुछ पता नहीं चलता है। और यदि चलता भी है तो अधिकांशतया बहुत देर हो चुकी होती है।

एक नए अध्ययन ने पाया है कि देह व्यापार के सौ से अधिक मामलों से संबंधित, पुलिस फाइलों में देह व्यापारियों के नाम दर्ज 429 व्यक्तियों में से केवल चार को बीते दस सालों में सजा दी गयी है। यह इस बात को समझने का पर्याप्त प्रमाण देता है कि क्यों देह व्यापार देश में निर्बाध गति से बढ़ना जारी है।

इस अध्ययन ने, जिसने चार्जशीट, एफआईआर और पुलिस जनरल डायरीज जैसे केस दस्तावेजों के विश्लेषण किया, पाया कि 429 दर्ज अपराधियों में से एक फीसदी से भी कम को पांच और सात साल के बीच कारावास की सजाएं सुनाई गयीं। अध्ययन ने बताया कि 68 देह तस्करों को जमानत दे दी गयी, और पांच देह तस्करों से संबंधित जांचों में, मामले को आज एक दशक से अधिक समय बीतने के बावजूद सुनवाई में रखा गया है।

स्निग्धा सेन, जिन्होंने पश्चिम बंगाल व आंध्रप्रदेश के देहतस्करी के शिकार 173 से अधिक पीड़ितों से संबंधित मामलों में, अदालतों तथा पुलिस स्टेशनों से प्राप्त कानूनी दस्तावेजों के अध्ययन पर आधारित विश्लेषण कार्य किया है। वह कहती हैं, ''सजा कम मिलने तथा अधिकांशतया बरी हो जाने वाले आंकड़े, देह-तस्करी के मामलों में कानून लागू करने वाली संस्थाओं द्वारा की जाने वाली जांच की दक्षता पर संदेह व्यक्त करते हैं।''

सुश्री सेन जोड़ती हैं, '' जानकारियां पुष्टि करती हैं कि खामीपूर्ण जांचों के कारण देह-तस्कर खुले आम आजादी से घूमते हैं। सजा न मिलना उन्हें अपनी देह व्यापार संबंधी आपराधिक गतिविधियों को चलाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता है।''

सुश्री सेन ने आंध्रप्रदेश में हेल्प, तथा पश्चिम बंगाल की गोरानबोस ग्राम बिकास केन्द्र तथा पार्टनर्स फार एंटी ट्रेफिकिंग (पीएटी)- जो पश्चिम बंगाल में आठ समुदाय आधारित संगठनों का समूह है, जैसी अनेक संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया है। ये संगठन जस्टिस प्रोग्राम तफ्तीश की पहुंच के तहत पीड़ितों की सुरक्षा तथा पुनर्वास के काम के लिए एक साथ आए हैं।

429 देहतस्करों में 31 को देह व्यापार के अनेक मामलों में पुन: दोषी पाया गया है और उनके सभी पीड़ित बच्चे व किशोर हैं जो उस खुली छूट को दिखाता है जिसका ये उचित कानून क्रियान्वयन की अनुपस्थिति में लाभ लेते हैं। इन 31 देह तस्करों ने कुल अपराधों में से 91 अपराध किए हैं।

बीस से अधिक वर्षों से मानव तस्करी पर काम कर रही सहशोधकर्ता व मानवाधिकार कार्यकर्ता, रूप सेन कहती हैं, ''खुली छूट प्रमुख कारणों में से एक है कि क्यों पश्चिम बंगाल सरकार, पुलिस और एनजीओ संस्थाओं की तमाम कोशिशों के बावजूद देह तस्करों को गिरफ्तार नहीं कर पा रहा है। वर्तमान समय में, वे देह तस्कर जो इस राज्य में युवा महिलाओं व लड़कियों को नौकरी देने के व्यापार में हैं तथा उन्हें महाराष्ट्र, दिल्ली, तेलंगाना या गोवा में बेच रहे हैं, उनकी कोई जवाबदेही नहीं होती है। जैसे जैसे वे मालदार होते जाते हैं। वे पुराने लोगों के साथ नए लोगों को पहचान करने, काम पर रखने तथा कमजोर बच्चों व किशोरों की तस्करी के काम पर रख लेते हैं। ये जांचें इतनी लंबी तथा सजा इतनी कमजोर क्यों हैं इसका कारण यह है कि इनमें 99 फीसदी से अधिक मामलों में जांच स्थानीय पुलिस द्वारा की जाती है जिनके पास सीमित व संसाधन होते हैं। वे अपनी जांच को अपने क्षेत्र में सीमित कर देते हैं और जांच को गंतव्य राज्यों तक नहीं ले जाते जिससे कि गंतव्य राज्यों में वेश्यालय मालिकों व दलालों तथा पश्चिम बंगाल में देह तस्करों के बीच गंठजोड़ के सुबूत तलाश सकें। '' ये तथ्य स्पष्ट इंगित करते हैं कि किस तरह ये तस्कर न्याय के कटघरे में लाए जाने के बजाय फलते फूलते हैं, ऐसे में पीड़ितों की व्यथा का उल्लेख क्या किया जाए जो ऐसे अपराधों का शिकार हो जाते हैं।

सलमा खातून (नाम परिवर्तित) का मामला उल्लेखनीय है जिन्हें 13 साल की उम्र में बेच दिया गया था। सलमा कहती हैं, ''मैं जानती हूं कि मेरे मामले में लिप्त देह तस्कर खुले आम घूम रहे हैं। लेकिन मैं यह जानकर चकित व दुखी हूं कि अधिकांश अन्य मामलों में भी ऐसी ही स्थिति है। देह तस्करों के लिए निडर होकर खुलेआम घूमना अब सामान्य बात है।''

सलमा आज 22 वर्ष की है। वह बंधन मुक्ति समूह के सर्वाइवर लीडर्स की सदस्य है जहां से, उनके मुताबिक, उन्हें अपनी लड़ाई जारी रखने की हिम्मत मिलती है।

लेकिन यहां सबकुछ खत्म नहीं है। ऐसे मामलों में उम्मीद की किरण हैं नुसरत (नाम परिवर्तित), एक पीड़ित जिनके अपराधी को हाल ही में पांच साल कारावास की सजा सुनाई गयी है। बकौल नुसरत, ''मैं सोच नहीं सकती थी कि यह कभी संभव हो सकेगा कि उसे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए की गयी सुनवाई द्वारा सजा सुनाई जा सकती है। लेकिन ऐसा हुआ है, और अपराधी आज जेल में है। मुझे ज्यादा खुशी हुई होती यदि अपराधी को आजीवन कारावास की सजा मिलती। ''

ये आसरागृह अपराध का अड्डा है, इसलिए भी कि अधिकारी जानते हैं कि यहां रहने वाले बच्चे या तो अनाथ है या उनके माता पिता नहीं जानते कि वे कहां हैं। इसीलिए उनका शोषण किया जाता है।
- वकील पूजा सरीन

एक अन्य पीड़िता शिवानी (नाम परिवर्तित) जो अभी आंध्रप्रदेश स्थित विमुक्ति के सर्ववाइवर लीडर समूह से संबंधित हैं, वो सदमे को याद करती है जिनसे उन्हें गुजरना पड़ा। वह कहती हैं, ''मैं एक आश्रय गृह में चार साल बिताने के बाद घर लौटी थी लेकिन मैं अपने समुदाय द्वारा अपमानित की जाती हूं। लोग मुझे व मेरे परिवार को असामाजिक तत्व मानते हैं जबकि देह व्यापारी जिसने मुझे इतना पीड़ित किया खुलेआम आजादी से घूमता है। मैं इन देह तस्करों को सजा दिलाना चाहती हूं।''

2016 के नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो डाटा के अनुसार, 45 फीसदी बच्चे टेक्सटाइल्स व पटाखा कारखानों जैसे छोटे उद्योगों में घरेलू नौकरों के रूप में बंधुआ मजबूर बन जाते हैं। उनमें से अन्य 35 फीसदी को यौन उत्पीड़न में बेच दिया जाता है, जिनमें से 4980 को वेश्यालयों में बेच दिया गया तथा अन्य 162 को बाल पोर्नोग्राफी के काम में झोंक दिया गया।

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन, के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, राकेश सेंगर, कहते हैं कि देह तस्करों की कम सजा दर के पीछे का कारण है इम्मारल ट्रेफिकिंग प्रिवेंटिव एक्ट, 1956 में मौजूद खामियां।

''हम अब देह व्यापार के लिए एक समग्रतापूर्ण कानून की मांग कर रहे हैं। इसमें नए तरीकों समेत, इस्तेमाल किए गए विभिन्न तरीके शामिल हैं। वर्तमान अधिनियम में, यौनकर्मी तथा वेश्यालय मालिकों के बीच एक महीन रेखा होती है जिससे सजा देना और भी कठिन हो जाता है। हमने ट्रेफिकिंग आफ पर्सन, प्रीवेंशन, प्रोटेक शन एंड रीहेबिलिटेशन बिल, 2018 के तहत अधिनियम में विशेष बदलाव प्रस्तावित किए हैं। इस बिल को अभी लोकसभा से पारित होना है। हमने अधिक सजाओं की, तथा ऐसे मामलों पर विशेष अदालत गठित करने की मांग की है। हमने यह भी मांग की है कि वेश्यालयों को छापामारी के बाद तत्काल सीलबंद किया जाना चाहिए। साथ ही, जिला तथा राज्य स्तरों पर देह तस्करी विरोधी दस्ता बनाया जाना चाहिए ताकि कोई भी अपराध दर्ज होने से छूट न जाए। विशेष पुनर्वास फंड होना चाहिए जिससे कि पीड़ितों के सुधार में सहायता हो सके। '' वह जोड़ते हैं कि देह तस्करी मामलों में नाबालिगों की संख्या बहुत ज्यादा है।

इंटरनेट देह तस्करी के आने से देह तस्करी के तरीके बदल रहे हैं। ऑनलाइन ग्राहकों को वेश्यालय में ले जाया जाता है जो कुछ इस प्रकार बना होता है कि उसमें और गेस्ट हाऊस के बीच अंतर करना कठिन हो जाता है। यहां, अगर पुलिस छापा भी मारती है तो साबित करने का कोई प्रमाण नहीं होता कि यह जगह अतिथिगृह नहीं बल्कि वेश्यालय है।

सेंगर कहते हैं, पीड़ित भी ऐसे मामलों में बोलना नहीं चाहती हैं क्योंकि उन्हें विश्वास दिलाया जाता है कि यही उनका जीवन है। यदि वे भागने का प्रयास भी करती हैं तो वहां कोई उपाय नहीं होता है। ऐसी कोई जगह नहीं होती, जहां वे आसरा पा सकें।

देह व्यापार का एक और तरीका, जो झुग्गी झोपड़ियों में प्रचलित है, उन दुकानदारों के माध्यम से है जो युवाओं को नशीली चाकलेट बेचते हैं। इसे भोला लिंक कहा जाता है। चूंकि यह चाकलेट रूप में होता है तो माता पिता भी अपने बच्चों को इसे खाने से नहीं रोकते हैं। जब बच्चे इसे खाते हैं तो वे बेहोश हो जाते हैं और उनका आसानी से देह व्यापार के लिए अपहरण किया जा सकता है। बच्चों को ऐसे चंगुलों का शिकार होने से रोकने के लिए, कार्यशालाओं के रूप में, जहां बच्चों को ऐसी हानिकारक चीजें खाने के नुकसान बताए जाते हैं, ज्यादा जागरुकता पैदा की जानी चाहिए।

सेंगर याद करते हैं, ''2017 में, दिल्ली की एक 17 साल की लड़की को विवाह-प्रस्ताव का लालच दिया गया और गुड़गांव से अपहरण कर लिया गया। लड़की को गुरुग्राम के विभिन्न चकलाघरों को बेचा गया। इस मामले की भयावहता यह है कि लड़की के माता पिता खुद देह तस्करी का काम किया करते थे और वे ऐसे लोग थे जिन्होंने विवाह के नाम पर लड़की को बेचा था। लड़की किसी तरह भागने में कामयाब हुई। लेकिन उसकी मुसीबतों का अंत नहीं था। देह तस्करों झज्जर के निकट दुबारा उसका अपहरण कर लिया। तभी उसे महसूस हो गया कि जब तक वह अपराध की शिकायत दर्ज नहीं करती उसके बचे रहने की कोई संभावना नहीं है। फिर, किसी तरह से वह सहायता के लिए हम तक पहुंचने में कामयाब हो गयी।''

ऐसा ही एक और मामला पुणे के वेश्यालय का है जहां एक बीस वर्षीय लड़के को एक 17 साल की यौनकर्मी से प्रेम हो गया। ''उत्तरपूर्व की लड़की पुणे के वेश्यालय में काम कर रही थी। जब लड़की वेश्यालय आया तो वह लड़की से प्यार कर बैठा और उसने उसे उस जिंदा नर्क से बाहर निकालने का फैसला किया। वह सहायता के लिए हमारे पास आया। हमने पाया कि लड़की नार्थ-ईस्ट में एक गांव की रहने वाली थी और उसके दोस्त ने उसका अपहरण किया व उसे पुणे चकलाघर को बेच दिया। हमने उसे छुड़ाया और आसरा गृह भेज दिया।''

बोलते - आंकड़े

- एक तिहाई या 429 देह व्यापारियों में से 162 महिलाएं हैं।
- 50 फीसदी या 216 देह व्यापारी 25 से 45 आयुवर्ग से हैं।
- 28 फीसदी या 118 देह व्यापारी 25 से 35 वर्ष के बीच के हैं, जबकि दो - एक लड़का और एक लड़की- नाबालिग हैं।
- यह मिथ भी पुख्ता हुआ है कि देह व्यापारी अधिकांशतया पारिवारिक सदस्य रहे हैं।
- देह व्यापारियों (34 फीसदी या 148) का सबसे बड़ा समूह पड़ोसी थे, जबकि 31 फीसदी या 131 पीड़ितों के लिए पूर्णतया अजनबी थे।
- केवल 7 फीसदी या 30 देह व्यापारी परिजनों में से थे जिनमें विस्तारित पारिवारिक सदस्य शामिल रहे।

>> पेज 3

वास्तविकता में, हमारे स्तर पर स्वयं को चौंकाना एकमात्र पाबंदियां हैं और परस्पर हमारे मन द्वारा थोपी जाती हैं। - डेविड ब्लेन

सच्ची दौलत है खुशी

डा अवधेश सिंह कहते हैं कि हम तभी खुश हो सकते हैं यदि हम अपने जीवन में आंनद की महत्ता को पहचानते हैं और अपने सभी कार्यों को इसे पाने हेतु लगाते हैं

हम इंसानी दौड़ के इतिहास में सर्वाधिक कृपापात्र पीढ़ी हैं। इससे पहले लोगों को कभी भी इतनी अधिक भौतिक समृद्धि, व विचारों व अवसरों की आजादी प्राप्त नहीं रही है। आज साधारण व्यक्ति भी कार, एयरकंडीशनर, टेलीविजन, कंप्यूटर, व मोबाइल फोन जैसी आरामदेह वस्तुएं रखता है, जो पीढ़ी पहले सिर्फ धनी वर्ग को ही उपलब्ध थे। हालांकि समूची समृद्धि के बावजूद, आधुनिक पीढ़ी शायद अब तक की सर्वाधिक उदास पीढ़ी है। यह खराब स्वास्थ्य, मोटापा, कार्यस्थल पर तनाव, व अपने परिवार व मित्रों से खराब संबंधों से पीड़ित है।

आइए पता लगाने की कोशिश करें कि वर्तमान समय कौन सी चीज लोगों का नाखुश बना रही है।

सफलता की चाह

हम अक्सर खुशी को सफलता से जोड़ देते हैं। हम खुश हैं यदि हम हासिल करने में सफल होते हैं, वर्ना हम नाखुशी महसूस करते हैं। खुशी को सफलता से जोड़ना एक जाल है जो आपकी खुशी छीन लेता है चूंकि आप हमेशा सफलता नहीं पा सकते। आप सफल हो भी जाते हैं तो भी आप सफलता के नए व उच्च पैमाने तय करते हैं जब तक कि आप इसे और पाने में सक्षम नहीं रहते। इस तरह आप अपने जीवन बहुत सारी सफलता पाने के बावजूद अपने जीवन को दयनीय बना डालते हैं। खुशी हासिल करने के लिए, हमें अपनी आकांक्षाओं को वास्तविक व संभवयोग्य बनाए रखना चाहिए। आइए वह तलाशना सीखें जिसकी आवश्यकता है और संतुष्ट रहें। यह हमारे जीवन स्थायी खुशी सुनिश्चित करेगा।

तुलना की आदत

हमारा मन बचपन से ढला होता है कि हमें दूसरों से बेहतर बनना होगा। जब हम बड़े भी हो जाते हैं, मगर हम दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं और नाखुश रहते हैं जब हम अधिक सफल व्यक्ति से मुलाकात करते हैं। चिकन सूप फार द सॉल के सहलेखक, जैक कानफिल्ड, समझाते हैं, 'आम तौर पर मैं पाता हूं कि तुलना उदासी का त्वरित मार्ग है। कोई भी कभी किसी दूसरे अपनी तुलना नहीं करता है और समान नहीं पाता है। दस में से नौ बार, हम अपनी उन लोगों से तुलना करते हैं जो किसी न किसी रूप में हमसे बेहतर होते हैं और अंतिम भावना अधिक अपर्याप्त होती है।' हमें तारीफ करना व उस चीज पर ध्यान देना सीखना चाहिए कि हमारे पास क्या है बजाय इसके कि दूसरों के पास क्या है। यदि हम तुलना करने से परहेज करें तो हम अपना जीवन अधिक खुशहाल बना सकते हैं।

> खुशी हासिल करने के लिए, हमें अपनी आकांक्षाओं को वास्तविक व संभवयोग्य बनाए रखना चाहिए। आइए वह तलाशना सीखें जिसकी आवश्यकता है और संतुष्ट रहें। यह हमारे जीवन स्थायी खुशी सुनिश्चित करेगा।

भौतिकवाद

अधिकांश धनी लोग अपने मानवीय गुणों के आधार पर स्वयं को महत्व नहीं देते हैं, बल्कि जो उनके पास है, उसके आधार पर खुद को महत्व देते हैं। वे इस उम्मीद में अधिक संपत्ति चाहते हैं कि यह उन्हें अधिक खुशी प्रदान करेगी। जब वैसा नहीं होता है, तो वे जीवन में और भी अधिक संपत्ति चाहते हैं तथा और भी कड़ी मेहनत करते हैं। वे उस चूहा दौड़ का हिस्सा बन जाते है जिसका कोई अंत नहीं है, न ही वे कभी जीवन का आनंद लेते हैं। इसके बजाय, हमें उतना ही कमाना चाहिए जितना कि आवश्यक हो और पैसा कमाना सिर्फ अच्छे जीवन का माध्यम है, अंतिम लक्ष्य नहीं है। हमें प्रेम, दोस्ती, लिखने, पढ़ने, संगीत, कला आदि इत्यादि जैसी अभौतिक चीजों में खुशी हासिल करना सीखना होगा, जिसमें अधिक पैसे की जरूरत नहीं होती।

बाह्य वैधता

ज्यादातर लोग संपत्ति, सत्ता, प्रतिष्ठा व प्रसिद्धि में खुशी तलाशते हैं जो दूसरों पर निर्भर होती है। वे खुशी महसूस करते हैं जब उनकी प्रशंसा होती हैं और नाखुशी जब दूसरे उनकी आलोचना करते हैं। ऐसे लोगों की खुशी हमेशा दूसरों पर निर्भर रहती है जिन्हें वे हमेशा खुश करने का प्रयास करते हैं। हालांकि, जैसा कि वे कहते हैं, 'आप हर समय सभी लोगों को खुश नहीं कर सकते।' ये लोग बिरले खुशी पाते हैं क्योंकि कुछ लोग हमेशा उनके आलोचक होते हैं। इसके बजाय, हमें आंतरिक खुशी तलाशने का प्रयास करना चाहिए। यदि हम स्वयं को बेहतर जानते हैं और अपने शौक को पहचानते हैं तो हम अपने स्वभाव के अनुसार जीवन जी सकते हैं और आंतरिक आनंद का स्रोत तलाश सकते हैं। इससे कोई भी हमारी खुशी छीन नहीं सकता क्योंकि उसका स्रोत हमारे भीतर होता है। खुश होना संभव है यदि हम अपने जीवन में खुशी की महत्ता को पहचान लेते हैं और हमारे सभी कार्यों को खुशी को प्राप्त करने की दिशा में लगा देते हैं। अरस्तू ने इसे बहुत समझदारी से व्यक्त किया है, '' खुशी जीवन का माध्यम व लक्ष्य है, मानव जीवन का समूचा व अंतिम लक्ष्य।''

- लेखक ने 31 वेज आफ हैप्पीनेस नामक पुस्तक लिखी है।

वायु प्रदूषण से हो सकते हैं बच्चों में मानसिक रोग?

तीन नए अध्ययनों का कहना है कि शुरुआती जीवन के दौरान वायु प्रदूषण के संपर्क में आना किशोरावस्था में अवसाद, बेचैनी व अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में योगदान कर सकता है। द जर्नल इनवायरनमेंट हेल्थ पर्सपेक्टिव्स में प्रकाशित अध्ययन ने पाया कि वायु प्रदूषण के साथ अल्पकालिक संपर्क एक -दो दिनों के बाद बच्चों में मानसिक समस्याओं में वृद्धि से संबंधित था। अमरीका में युनिवर्सिटी आफ सिनसिनाटी से संबंधित शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि हानिकारक पड़ोस में रहने वाले बच्चे अन्य बच्चों की तुलना में वायु प्रदूषण के प्रभाव में अधिक आ सकते हैं, खासतौर पर बेचैनी व आत्महंता संबंधी बिमारियों के मामले में। सिनसिनाटी चिल्ड्रेन्स हास्पिटल मेडिकल सेंटर के कोल ब्रोकेम्प ने कहा, '' यह अध्ययन पहले तो बच्चों में दैनिक बाह्य वायू प्रदूषण स्तरों तथा बेचैनी व आत्महंता जैसी मानसिक समस्याओं के बढ़ते लक्षणों के बीच संबंध को दिखाना है। हालांकि इन जानकारियों की पुष्टि के लिए अधिक शोध की आवश्यकता है मगर यह मानसिक समस्या से संबंधित लक्षण अनुभव करने वाले बच्चों के लिए नयी रोकथाम रणनीतियों तक पहुंचा सकता है।'' शोधकर्ताओं ने कहा कि दो अन्य सिनसिनाटी बाल अध्ययन हाल ही में प्रकाशित हुए, वे भी वायू प्रदूषण को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ते हैं। इनवायरनमेंटल रीसर्च जर्नल में प्रकाशित दूसरे अध्ययन ने हालिया भारी ट्रेफिक संबंधी वायु प्रदूषण तथा उच्च सामान्यस्तरीय बेचैनी के बीच संबंध की पहचान की। सिनसिनाटी चिल्ड्रेंस में द डिवीजन आफ जनरल एंड कम्युनिटी पीडियाट्रिक्स में शोध निर्देशक, किंबरले योल्टन के अनुसार, यही जानकारियां वयस्कों में भी दर्ज पाई गयी हैं लेकिन शोध का बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य तथा वायु प्रदूषण संपर्क के बीच स्पष्ट संबंध दिखाना सीमित रहा है।

प्रतिरक्षण तंत्र के मोलिक्यूल कर सकते हैं कैंसर कोशिकाओं का खात्मा

एक अध्ययन के अनुसा, शोधकर्ताओं ने एक स्वाभाविक तौर पर उत्पन्न होने वाला मोलिक्यूल तथा प्रतिरक्षण तंत्र का तत्व खोजा है जो सफलतापूर्वक कैंसर कोशिकाओं को पहचान सकता है व उन्हें मार सकता है। ब्रिटिश जर्नल आफ कैंसर, ब्रिटेन में प्रकाशित, अध्ययन ने खोज की कि बेटा-गेलेक्टोसाइड बाइंडिंग प्रोटीन, प्रतिरक्षण कोशिकाओं द्वारा उत्पन्न, एक स्वाभाविक तौर पर उत्पन्न होने वाला मोलिक्यूल साधारण ढंग से कैंसर कोशिकाओं को चुन सकता है, और उनका खात्मा कर सकता है, और एक तनाव प्रतिक्रिया पद्धति के जरिए कैंसर कोशिकाओं को इम्यून सिस्टम में उद्घाटित कर सकता है ताकि कैंसररोधक प्रतिरक्षण प्रतिक्रिया जागृत हो सके ताकि उनके खिलाफ सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। किंग्स कालेज लंदन से अध्ययन के मुख्य लेखक प्रोफेसर लिवियो माल्लुकी ने कहा, मोलिक्यूल में चुनींदा एंटी ट्यूमर विशिष्टता है और सामान्य कोशिकाओं के लिए हानिकारक नहीं है। यह सर्वाधिक आक्रामक कोलोरेक्टल कैंसर कोशिकाओं तथा अन्य वृहत्तर किस्म की कैंसर कोशिकाओं के खिलाफ असरदायी है। उन्होंने कहा कि यह शोध एक ऐसी रणनीति के प्रयोगात्मक प्रमाण प्रस्तुत करता है जहां कैंसर कोशिकाओं को निशाना बनाना तथा प्रतिरक्षण मेल को प्रोत्साहित करने को एक साथ प्रोत्साहित करना है ताकि आक्रामक कैंसर के खिलाफ तात्कालिक एवं दूरगामी प्रतिक्रियाओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

अपने कर्मों की जिम्मेदारी लें

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

अंतर्राष्ट्रीय संस्था में उच्च पद पर आसीन एक सज्जन काम में परेशान करने वाली स्थितियों से अक्सर टकरा जाया करते हैं, और वो भी पिछले तीन से निजी स्तर पर। एक दिन उन्होंने आकर सवाल किया: ऐसा क्यों हो रहा है, खासतौरपर सितंबर के उत्तरार्द्ध में? इस समस्या से उबरने में लगभग दो महीने लग जाते हैं। वर्ना मेरा आम तौर पर प्रदर्शन अत्यंत अच्छा है। कुछ पंडित कहते हैं कि मेरी समस्याएं बनी रहेंगी, जब तक कि साढ़े साती बना रहता है, जिसका अर्थ है अगले तीन साल तक स्थिति का बरकरार रहना। उन्होंने शनि देवता को प्रसन्न करने के लिए कुछ आस्था आधारित कार्य कराने की सलाह दी, जिसकी संभावना बाहरी देश में नहीं दिखती है। कृपया कोई उपचारक उपाय बताएं, जो समस्या का काबू पाने के लिए मेरे वर्तमान परिवेश में उपयोगी हो।

वैसे, आपकी समस्याएं साढ़े साती का योगदान मात्र नहीं हो सकती हैं। मैं पंडित की राय की पैरवी नहीं करता हूं कि आपको साढ़े साती की शेष अवधि के लिए, जो कि जनवरी 2023 को समाप्त है, अनिवार्यतया इस प्रकार की मुसीबत से होकर गुजरना पड़ सकता है। उनके द्वारा बताए गए उपचारक उपाय किसी भी सहायता नहीं करेंगे। साढ़े साती पांच साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन इसने अपने ढाई वर्षों के शुरुआती चरण के दौरान आपको परेशान नहीं किया। आप जनवरी 2017 में, इसके दूसरे चरण की शुरुआत में प्रभावित हुए, जब परिक्रमारत शनि चांद-प्रसवकाल के करीब आ गया। जिसने आपकी अनुवांशिक मानसिक प्रवृत्तियों को अपने वास्तविक रूप में खुलकर सामने आने का अवसर दिया। तथ्य है कि आपने अनेक नकारात्मक प्रवृत्तियों को लेकर चले थे जो आपकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार हैं।

याद रखें, ग्रह कर्ता नहीं हैं जो अपने स्तर पर हमारे जीवन में अच्छा या बुरा कर सकते हों। ग्रहों की यात्रा आपके कार्मिक चक्र के सिर्फ संकेतकों का काम करती है कि विशेष अवधि के दौरान क्या होने वाला है। हालांकि हम अनिवार्यतया इससे बंधे नहीं हैं। अगरह हम अपने मन की बनावट की आधारभूत बुनावट से वाकिफ हो जाएं, तो हम आवश्यक सुधार कर सकते हैं और किसी भी नकारात्मक निहितार्थ का समझदारीपूर्वक मुकाबला करने की तैयारी कर सकते हैं। साथ ही, हमें अपनी आंतरिक क्षमताओं से भी परिचित होना चाहिए ताकि हम संभावित अवसरों को सफलतापूर्वक लाभ उठा सकें। हालांकि विडंबना यह है कि बिरले लोग ही अनिवार्य सुधार हेतु अपनी खुद की कमजोरियों को जानने के प्रति सजग पाए जाते हैं।

ध्यान रखें- जीवन जन्म से लेकर मृत्यु तक विभिन्न चरणों से होकर गुजरता है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति काम करने की विशेष अवस्था की मांग करता है। उसी के अनुसार, हमें जीवन के उभरते दौर की मांग के अनुसार गतिमान बने रहने के लिए समय समय पर कामकाजी बदलावों तथा अपनी विचार प्रक्रिया को निर्देशित करना चाहिए। वर्ना, हमारा जीवन अनचाहे मोड़ों व घुमावों का शिकार हो सकता है।

इंसानी स्वभाव है पूर्व की आदतों व मान्यताओं से चिपके रहना जब तक कि हालात उसे मजबूर नहीं कर देते। यह इस बात को लाजिमी बना देता है कि आप अपनी जिम्मेदारी उठाएं और जानबूझकर समय के साथ बदलें। इससे बेहतर कोई उपचारक उपाय नहीं हो सकता। जो लोग ऐसा करते हैं, साढ़े साती उनके सामने कोई समस्या पेश नहीं करता। वर्ना, आप खुद अपने कर्मों का शिकार बन सकते हैं जैसा कि आपके साथ हुआ है।

यहां, आपकी मानसिक प्रवृत्तियों के ज्योतिष संकेतकों की पड़ताल लाजिमी बन जाती है। सूर्य, जो आपकी पहचान का प्रतीक है, शनि के समन्वय तथा वरुण के विपरीत अवस्था में है। यह, सर्वप्रथम, आपको नकारात्मक सोच में रखता है खास तौर पर जब आपका अपनी सोच से विपरीत स्थिति से सामना हो। दूसरा, आप अक्सर जमीनी सच्चाइ से परे, अपनी काल्पनिक अवधारणाओं में कैद रहते हैं। साथ ही, आप सच्चाई को प्रथम दृष्टया स्वीकार नहीं कर पाते, बल्कि अपनी सोच में लिप्त रहते हैं जब तक कि पूरी तरह नकार नहीं दिए जाते।

चन्द्रमा का आपके दसवें घर पर काबिज होना, एक तरफ विशेष पर पर काबिज होने का वचन देता है, जिसका आप पहले से आनंद ले रहे हैं। लेकिन यह कि वो धनु राशि पर काबिज है, आपको मूर्ख, अव्यवहारिक व आदतन दूसरों के लिए शंकालु बनाता है। चन्द्रमा शनि व वीनस के साथ भी संग्रस्त है। जो सबसे पहले, आपकी निराशावादी सोच में और वृद्धि करता है। साथ ही, यह आपको भावी चुनौतियों का अनुमान लगाने के लिए पर्याप्त सजग नहीं रहने देता है।

दूसरा, यह आपको भावनात्मक रूप से अत्यधिक भावुक व संवेदनशील बनाता है, जिसके कारण आप उन मामूली मसलों तक को तूल दे सकते हैं, जो आपको अनावश्यक ढंग से टकराव की मुद्रा में डाल सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है आपका भयंकर अहंकार, जिसका संकेत मंगल की बृहस्पति के विरुद्ध अवस्था दर्शाती है। यह आपको स्वपरिभाषित अच्छे या बुरे कामों में कैद करता है, आपको वास्तविकता से परे देखने का अवसर नहीं देता। यह आपको बड़े पैमाने पर पूर्वाग्रही भी बनाता है।

आश्चर्य नहीं, कि जैसे ही परिक्रमारत शनि ने आपके प्रसव ग्रसित चन्द्रमा को उभारा, आपकी अनुवांशिक कमजोरियां खुल कर सामने आ गयीं। जिसने आपको अपने कर्मों का शिकार बना दिया, खासतौर पर जब सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है यह प्रसव शनि के विपरीत हो जाता है। यदि आप अपनी कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करें तो साढ़े साती आपको शायद और परेशान न करे।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

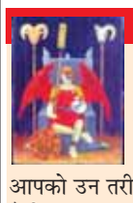

आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। आप अपने भविष्य को लेकर अत्यंत अच्छा व आशान्वित महसूस करेंगे। आपको उन तरीकों पर विचार करना चाहिए कि कैसे अपना अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखें। आप इस दौरान शांति, आनंद व समृद्धि का सुख लेंगे व सकारात्मक ऊर्जा से भरे होंगे। जो लोग गंभीर रोग से उबरे हैं उन्हें दैनिक सलाह का पालन करना चाहिए। करियर मोर्चे पर, आपको किसी भी छल के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** मंगलवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

इस सप्ताह आप अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाली व दुनियावी सुखों का आनंद ले सकते हैं। आपको जोश में रहना चाहिए। आपको सावधानीपूर्वक ध्यान व विचार करना चाहिए जो दूसरे लोग आपसे कहते हैं। आप एक लंबी छुट्टी पर जाने के बारे में सोच सकते हैं। विदेश यात्रा पर जा सकते हैं या घर पर ही रहकर खुद को तरोताजा करने के लिए छुट्टी मना सकते हैं। योग, ध्यान, सृष्टि उपचार से जुड़ें, नयी रुचियों सीखने की संभावनाएं हैं।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरुवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

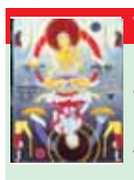

आपमें से जो आत्मसुधार की सोचते हैं, उनके लिए यह शुभ अवसर है। तनाव से बचने व खुद को व्यस्त रखने के लिए कुछ रचनात्मक की योजना बनाए। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त आराम व अच्छी खुराक लें। हाल के तनाव हल होंगे। अपने स्वास्थ्य की सुनें व उसके अनुसार काम करें। आध्यात्मिक यात्रा उपचारक साबित होगी। करियर स्तर पर, यह दूरगामी योजना शुरू करने के लिए अच्छा समय है। प्रेम में दुविधा का सामना करेंगे।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

आपका शारीरिक क्षमता इस सप्ताह तुलना से परे है। आपमें से कुछ विदेश यात्रा पर जा सकते हैं या काम करने, पढ़ने या अतिरिक्त समय के लिए विदेश में रहने का अवसर मिल सकता है। जहां भी आप जाएंगे, आपको नए अनुभव हासिल होंगे। कुल मिलाकर, यह एक अच्छा सप्ताह है। करियर मोर्चे पर सफलता प्राप्त करेंगे। उन्नत हैसियत, पदोन्नति या पदवी मिलने की संभावना है। अपनी भावनाओं को जानने के लिए तैयार रहें।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शनिवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

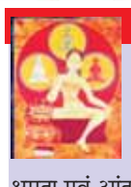

आपको अपने अंतर्मन व आसपास की ऊर्जाओं से जुड़ने के लिए शांत वातावरण व समय की आवश्यकता है। स्वास्थ्य, क्षमता एवं आंतरिक आवेग आपको सकारात्मक ऊर्जा व उत्साह से भर देंगे। रचनात्मक विचार आपके मन पर राज करेंगे। करियर स्तर पर, आपको कुछ बदलाव लाने पड़ सकते हैं। आपमें से कुछ लोग जो अपनी वर्तमान नौकरी से असंतुष्ट हैं, नयी नौकरी तलाशने के काम में लग सकते हैं। संभावना अच्छी है।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** मटमैला **शुभ दिन:** रविवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

यह इस बात पर विचार करने का समय है कि आप अपना स्वास्थ्य व क्षमता बढ़ाने के लिए क्या कर रहे हैं। अपनी दिनचर्या की योजना बनाएं। एकांत में अपने अंतर्मन से जुड़ें और दूसरों तक पहुंचें। करियर मोर्चे पर, अच्छी खबर की संभावना है। आपको उन चुनावों का लाभ प्राप्त होगा जो आपने किए हैं। कोई अवसर चौंका सकता है। आपकी कंपनी आपको विदेशी कार्यादेश भेज सकती है। आयात निर्यात व्यापार के लिए अच्छा समय है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग :** बैंगनी **शुभ दिन:** सोमवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

आप अपनी समझदारी से अपनी सारी स्वास्थ्य समस्याएं हल करेंगे। अपने अनुभव व परिपक्वता से, आप अपने जीवन को नियंत्रित कर सकते हैं। नवोन्मेषी होने के बजाय, मौजूदा मान्यताओं व प्रणालियों को अपनाएं। एक नया सिद्धांत या प्रचलित रुझान इस सप्ताह आपके लिए कारगर नहीं होगा। करियर मोर्चे पर, विदेश कार्यभार मिलने की संभावना है। यह समय है कि आप खुद को अपनी सच्ची अहमियत की याद दिलाएं।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** बुधवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

इस सप्ताह आपके स्वास्थ्य व क्षमता में वृद्धि की संभावना है। जो लोग गंभीर रोग से जूझ रहे हैं, उन्हें उपचारक मिल सकता है। सकारात्मक सोचें व सर्वोत्तम की अपेक्षा करें। दूसरों के साथ अपनी आध्यात्मिक समझ साझा करना जरूरी है। आपके जीवन में अत्यंत गहराई आएगी। करियर स्तर पर, जिम्मेदारियां सौंपना सीखें, खास तौर पर काम का बोझ ज्यादा हो। कदम उठाने या निर्णय की मांग करने वाले कार्यस्थल पर दुविधा का सामना कर सकते हैं।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शनिवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

इस सप्ताह आपको अतीत से बाहर निकलने व पुरानी की गयी गलतियों से बचने की जरूरत है। खासतौर पर यदि आप किसी जटिल बीमारी से जूझ रहे हैं। सकारात्मक सोचें। आप खुद को विचारों व उन आध्यात्मिक निर्देशों को जानने में लगा सकते हैं जो आपको कभी अपील नहीं करते थे। करियर स्तर पर, आप किसी नयी परियोजना को शुरू करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, मसलन कला कक्षाएं करने, या फिर नृत्य आदि।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** मंगलवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

इस सप्ताह आप एक शांत व जिज्ञासु प्रेक्षक हैं। आसपास सकारात्मकता देखकर, जीवन संबंधी आपकी सोच बदलेगी। आप पहले से अधिक स्वस्थ महसूस करते हैं। इस सप्ताह किसी सनक या जुनून से दूर रहें। करियर मोर्चे पर, आप अपना समय व अवकाश चाहेंगे और एकांत में समय बिता सकते हैं। जो लोग पस्ती व थकान महसूस कर रहे हैं उनके लिए यह अवकाश लेने का समय है। नए रिश्ते की शुरुआत रौनक लेकर आएगी।

शुभ अंक : 2 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** रविवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

आपको सच्चाई से भागना नहीं चाहिए, यह आपके व्यक्तित्व से मेल नहीं खाता है। यदि आप स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं तो आपको किसी अन्य स्वास्थ्य चिकित्सक के पास जाना चाहिए। खुद को तरोताजगी देने के लिए प्राकृतिक स्थल पर छुट्टी मनाने की योजना बनाएं। करियर मोर्चे पर, अपनी जिम्मेदारियां बांटें क्योंकि आप शायद अत्यधिक तनाव में हैं। अपने मित्रों के साथ अपने विचार साझा करें। आपने अतीत का आंकलन व सबक लिया है।

शुभ अंक: 14 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** गुरुवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

अपनी जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव लाएं व अपना स्वास्थ्य सुधारने के प्रयास करें। आपको निगरानी युक्त व्यायाम व पौष्टिक देखभाल की जरूरत है। मैदानी खेलों, तैराकी, जिम की ओर आपका ध्यान जाएगा। पेशेवर मोर्चे पर, आप अधिकारियों व सहकर्मियों से प्रेरणा हासिल करेंगे। कार्य वातावरण दोस्ताना रहेगा और यह आपकी क्षमता बढ़ाएगा। व्यक्तिगत स्तर पर, आप मजबूत, हिम्मती हैं।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** शुक्रवार

आत्मसजगता आत्मकेन्द्रियता नहीं है, और आध्यात्मिकता अहंकार नहीं है। स्वयं को जानना अहंकारी बनना नहीं है- मारियाने विलियमसन

चिंतामुक्त होने का समय

राधानाथ स्वामी महाराज का कहना है कि चिंता करके, हम अपने जीवन को छोटा बनाते हैं। अच्छा जीवन जीने के लिए, वर्तमान में रहने पर ध्यान दें व सोचना बंद करें कि क्या हो सकता था।

बीते कुछ वर्षों में, डाक्टरों, शोधकर्ताओं व मनोविज्ञान के क्षेत्र के लोगों में चिंता के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर को लेकर जबरदस्त दिलचस्पी बढ़ी है। चिंता तनाव का एक कारण है जिसके कारण तनाव संबंधी रोग हो सकते हैं। यदि हम चिंता शब्द का मूल अर्थ के बारे में सोचते हैं तो हम पाते हैं कि यह सटीक रूप में समझाता है कि चिंता हमारे साथ क्या करती है। जब हम घुटते या दबाव महसूस करते हैं तो हम सांस नहीं ले पाते। हमारी वायु आपूर्ति कट जाती है और हम जीने के लिए छटपटाते हैं। हालांकि हम चिंता से जुड़ी घुटन महसूस नहीं करें, यदि हम इसके बारे में सोचते हैं, मगर जब हम चिंतित होते हैं तो असलियत में अपने जीवन से कट जाते हैं। हम सीधे शारीरिक तनाव के चिन्ह न दिखाते हों लेकिन धीरे धीरे समय के साथ हमारा शरीर किसी प्रकार की गिरावट को प्रदर्शित कर देता है। तनाव ऐसे हार्मोन्स उत्पन्न करता है जो खतरे से पलायन का कारण बनते हैं। हम या तो भागते हैं या लड़ते हैं। यह ऐसे हार्मोन्स भेजता है जो हमारे हाथों व पैरों में लड़ने या भागने की शक्ति भरता है। लेकिन जब हम भागने या लड़ने की अनिवार्यता के बगैर तनाव महसूस करते हैं तो वे हार्मोन्स हमारे शरीर में फैल जाते हैं। इन हार्मोन्स की पहुंच का शरीर के विभिन्न हिस्सों पर दूरगामी हानिकारक प्रभाव पड़ता है। यद्यपि हम घुटते नहीं हैं या बेचैन नहीं होते हैं, मगर ये निश्चित रूप से समय बीतने पर शारीरिक रोग का कारण बनते हैं।

इस प्रकार, डाक्टरों व मनोवैज्ञानिकों ने मानसिक व शारीरिक दोनों प्रकार के बेहतर स्वास्थ्य के माध्यमों के रूप में चिंता से बचने में लोगों की सहायता करने पर अपना ध्यान केन्द्रित किया है। कुछ शोध बिन्दु इंगित करते हैं कि चिंता ऐसी स्थिति है जो भय से उत्पन्न होती है। चिंता के बारे में एक अध्ययन किया गया जिसने लोगों को होने वाली चिंता के प्रकारों का विश्लेषण किया। लोगों की एक तिहाई से अधिक चिंता उन बातों से निपटने से संबंधित होती है जो कभी नहीं होती हैं। दूसरी एक तिहाई चिंता उन चीजों से निपटती है जो अतीत में हो चुकी है जिन्हें बदला नहीं जा सकता। चिंता का शेष एक तिहाई हिस्सा उन चीजों की चिंता करने के बीच विभाजित है जो अन्य लोगों से संबंधित है और जो हमारा काम नहीं होता है, वे चीजें जो उस रोग से संबंध रखती है जो हमें वास्तविक तौर पर है या हम होने की कल्पना करते हैं और एक छोटा हिस्सा वे वास्तविक चीजें हैं जिनके बारे में हमें चिंतित होना चाहिए।

सोचें कि हम अक्सर किस प्रकार जबरदस्त ढंग से उन चीजों की चिंता करते हैं जो अब तक कभी नहीं होती हैं। उदाहरणार्थ, सोचें कि बीते वर्षों में कितनी बार मौसम विभाग भारी वर्षा व आंधी तूफान आने की रिपोर्ट करता है जिसने 4 जुलाई अवकाश पर मैदानी इलाकों में बर्बादी का अहसास कराया। फिर भी दिन में सुंदर व चमकीली धूप खिली। हमारा मन घटनाओं की भविष्य में परिकल्पना करता है जो फिर हमारी चिंता का कारण बनते हैं, जिससे कुछ लोग किसी संभावित विध्वंस की आशंका में खुद का बीमार तक बना लेते हैं। वे दिन-रात उस संभावित खतरे के बारे में सोच सकते हैं। वे दूसरों के साथ इसकी चर्चा कर सकते हैं। कुछ लोगों की तो नींद तक हराम हो सकती है। अधिकांश बार, जिस चीज की भी वे चिंता करते हैं वो कभी बीतने को नहीं आती है। परिणाम होता है कि वे सारे दिन व सप्ताह जो उन्होंने भविष्य के अपने भय के बारे में सोचते हुए बिताए थे, उनके जीवन का कीमती समय बर्बाद कर चुके होते हैं। यह कुछ ऐसा था मानो वे अपने भयों का दबाए हुए थे। वे जीवन सांसें जो उनके लिए आंवटित थी, बर्बाद हो चुकी होती है। उनके जीवन की गुणवत्ता चिंता के कारण सीमित हो गयी थी।

चिंता से कैसे बचें

अगली बार हम चिंतित होने लगें तो हम पुनर्विचार करें कि क्या अपने मूल्यवान जीवन को उन चीजों के बारे में सोचने में लिप्त कर देना फायदेमंद है जो कभी हुई हैं कि नहीं हुई हैं। यदि सचमुच में खतरा है तो चिंता करने के बजाय, हमें खतरे का रुख मोड़ने की विशिष्ट योजनाएं बनानी चाहिए। यदि हम कदम उठाते हैं तो हमने वो सब किया है, जो हम कर सकते हैं। हमें चिंता से उन कार्यों की सहायता करने की आवश्यकता नहीं है। कदम उठाना उपयोगी है, लेकिन चिंता करना बेकार है। हम अपना भरपूर प्रयास करें और फिर शेष समय में कुछ ऐसा करने में दिमाग लगाएं जो स्वयं व दूसरे लोगों के लिए लाभकारी होने जा रहा है। इस तरह, हम अपनी एक तिहाई चिंताएं खत्म कर सकते हैं।

चिंता का एक और कारण, वे घटनाएं हैं जो अतीत में घटित हुई हैं जिन्हें हम बदल नहीं सकते। हो सकता है यह सच हो कि अतीत में जो हुआ है वो हमारी पसंद नहीं था या अन्य लोगों की पसंद था। एक बार जब घटना हो गयी तो उसके बारे में चिंता करने से कुछ भी भला नहीं होता। जो हो गया सो हो गया। उसकी चिंता करने से वह बदलेगा नहीं, चिंता सिर्फ हमें बीमार बनाएगी। इस प्रकार, हम अतीत की घटनाओं से दुबारा पीड़ित होते हैं। हम पीड़ित हुए थे जब वो स्थिति आई थी जो हमें पसंद नहीं थी। लेकिन फिर हम हर पल दुबारा पीड़ित होते हैं जब हम उसकी चिंता करते हैं क्योंकि इससे वो स्थिति बार बार हमारे मन में उपस्थित होती है। यह एक ही खराब फिल्म को बार बार देखने जैसा है। क्या यह एक बार पर्याप्त नहीं है?

अतीत से सीखें लेकिन उसकी चिंता न करें

अतीत के बारे में सोचने का महत्व उससे सिर्फ सीख हासिल करना है, ऐसे कदम उठाना है ताकि वो गलतियां दुबारा न हों, और फिर आगे बढ़ते जाना है। उसकी चिंता करने से वो बदलेगी नहीं। चिंता हमें भविष्य में उन्हीं गलतियों से बचने में सहायता भी नहीं करेगी। हमें अतीत से शिक्षा लेनी चाहिए, और भविष्य में बेहतर करने का फैसला करना चाहिए। यदि हम अतीत भूल पाएं तो हम अपनी चिंता का एक और बड़ा हिस्सा निर्मूल कर सकते हैं।

ईश्वर में विश्वास

चिंता से मुक्त घोषित करने का सर्वोत्तम तरीका है ईश्वर में विश्वास करना। कभी कभी जीवन में हम अच्छे समय से गुजरते हैं तो कभी कभी कठिनाइयों से। जब चीजें हमारे लिए अच्छी चल रही हैं तो हम ईश्वर में विश्वास करते हैं। हालांकि जब अपने भरपूर प्रयासों व भलमनसाहत के बावजूद हमारा कठिन समय से सामना होता है, तो हम सवाल उठाते हैं कि ईश्वर है या नहीं। अपने खुद के जीवन में, हम उस दौर पर विचार कर सकते हैं जब हम चिंतित थे जो चीजें हमारे ढंग से नहीं चल रही थीं, हम ईश्वर पर सवाल उठाने लगे कि हमारे साथ ऐसी बुरी घटनाएं कैसे हो सकती हैं। हालांकि बाद में हमें अहसास होता हे कि आंखिरकार सबकुछ भले के लिए ही हुआ। जिस पर आघात लगता दिखता है, असलितय में वो कृपा थी क्योंकि अंत में चीजों ने उससे भी बेहतर काम किया जितना कि हम स्वयं उन्हें कर सकते थे। हम मजसूस करते हैं कि ईश्वर हमेशा हमारे साथ है और हमें देख रहा है। कभी कभी इसे स्पष्ट नहीं देख पाते हैं लेकिन उचित समय पर हमें पता चलता है कि ईश्वर जानता था कि हमारे लिए क्या सर्वोत्तम था। ईश्वर में भरोसा विकसित करने का एक तरीका है ध्यान करना। जब हम ध्यान करते हैं और अपने भीतर झांकते हैं तो अपने भीतर ईश्वर को खोजते हैं। फिर कोई प्रश्न शेष नहीं रह जाता है कि ईश्वर है या नहीं। हम अपने भीतर ईश्वर को व उसके सभी चमत्कारों को देख लेते हैं। इस जागृति से, हम ईश्वर के ज्ञान पर सवाल उठाना बंद कर देते हैं। हम सभी चीजों में ईश्वर की भूमिका देखते हैं और जानते हैं कि जो भी होता है, वो हमारे भले के लिए होता है। इसलिए आइए ईश्वर पर भरोसा कर जीवन के सभी क्षेत्रों में चिंता से मुक्त होने की घोषणा करें। हम ध्यान के जरिए ऐसा कर सकते हैं जहां हम अपने जीवन में ईश्वर की उपस्थिति को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं।

- लेखक आध्यात्मिक गुरू हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

वैश्विक प्रतीक - गांधी

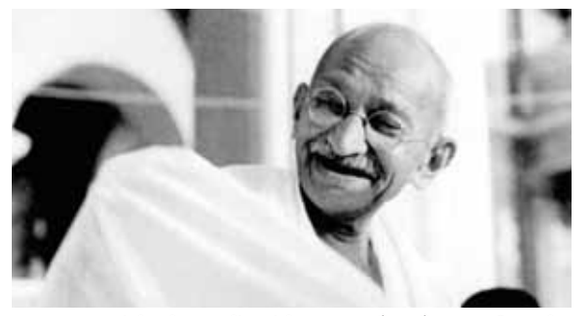

भारत गांधी की 150वीं जयंती मना रहा है। और यह उचित भी है। उस व्यक्ति को एक उपयोगी श्रद्धांजलि जो भारत का सबसे बड़ा वैश्विक प्रतीक है, चाहे कोई इसे पसंद करे या न करे। जब उनके जन्मदिन को संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक वैश्विक घटना के रूप में मान्यता दी गयी है तो उस व्यक्ति में निश्चित रूप से कुछ खास होना चाहिए। इसीलिए यह जरूरी है कि समझा व जाना जाए कि ऐसा क्यों है। हम कब कहते हैं कि गांधी एक वैश्विक मिसाल है? वो व्यक्ति जो 79 साल जीवित रहा और जो 17 आमरण अनशन पर बैठा, जिसमें वह 144 दिनों तक निराहार रहा। दो बारे उनकी भूख हड़ताल लगातार 21 दिनों तक चली। 1921 में, उन्होंने प्रत्येक सोमवार को व्रत पर रहने का फैसला किया। जो निराहार रहने में 1341 दिनों की और वृद्धि करता है। उन्हें 13 बार गिरफ्तार किया गया और कुछ छह साल पांच महीने जेल में रहे। चौबीस साल तक वह देश से बाहर रहे। पाकिस्तान और ग्रेट ब्रिटेन समेत 100 से अधिक देशों में गांधी प्रतिमाएं लगी हैं। मजेदार बात यह कि उनकी मूर्ति को ब्रिटेन में संसद चौक पर विंस्टन चर्चिल के बगल में जगह हासिल होती है। वही चर्चिल जिन्होंने गांधी को नंगा फकीर के नाम से बुलाया था। लगभग सत्तर देशों के 250 से भी अधिक शहर हैं जहां अनेक प्रमुख सड़कें गांधी के नाम से हैं। हमारे देश के सभी 719 जिलों में गांधी के नाम से या तो स्कूल हैं, सड़कें हैं, इमारते हैं, या पार्क हैं। लगभग 70 शहरों में महात्मा गांधी के नाम से सड़कें हैं। लगभग 150 देशों ने गांधी पर 800 प्रकार के स्टाम्प टिकट जारी किए हैं। 1969 में, गांधी की सौवीं जयंती के अवसर पर ब्रिटिश सरकार ने गांधी पर एक स्टेम्प जारी किया। उससे पहले शाही परिवार के सदस्यों को स्टेम्प पर स्थान दिया जाता था। गांधी पर 45 फिल्में व 500 डाक्यमेंट्री फिल्में बनी हैं और एक फिल्म को आस्कर भी प्राप्त हुआ। गांधी पर 90000 किताबें लिखी गयी हैं। और ये सब प्रायोजित नहीं था। ये उस व्यक्ति को सम्मान देने के स्वायत्त कदम थे जो आज तक के भारतीय इतिहास में सबसे महान जननेता है, और विश्व स्तर पर भी। एक सोचने वाला सवाल यह कि यह सब कैसे हुआ है। एक शब्द जो गांधी का प्रतीक है, वो है सत्य। सत्य की उनकी पैरवी, सत्य का उनका आचरण, तथा सत्य के प्रति उनका समर्पण ही कारण हैं कि गांधी अपनी मृत्यु के सात दशकों से अधिक समय बीतने के बावजूद आज भी क्यों जीवित हैं। दक्षिण अफ्रिका में मिस्टर गांधी से लेकर उनके नाम समय समय पर निरंतर बदलते रहे। चंपारन में, उन्हें 1917 में पहली बार बापू कहा गया। 1919 में, टैगोर ने उन्हें महात्मा की उपाधि दी और 1944 में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने उन्हें रेडियो संदेश में राष्ट्र का पिता नाम से संबोधित किया।

सत्य के प्रति उनके प्रयोग ही थे कि लगातार उनका कद ऊंचा होता गया कि वे मोहन दास से महामानव में बदल गए। उनकी 150वीं जयंती पर युवा भारत जाने और यदि संभव हो तो गांधी को समझे। खासतौर पर, क्योंकि भारतीय युवा के लिए आज गांधी को जानने के दो सबसे बड़े स्रोत हैं रिचर्ड अटनबरो जिन्होंने गांधी फिल्म बनाई और राज कुमार हिरानी जिन्होंने लगे रहो मुन्ना भाई फिल्म बनाई। लेकिन गांधी के अनेक अन्य योगदान हैं जिनसे अवगत होन चाहिए। एक व्यक्ति जो कांग्रेस पार्टी का नियमित 25 पैसा देने वाला सदस्य तक नहीं था और जिसने कभी भी पार्टी में कोई पद नहीं लिया, फिर भी कांग्रेस का सर्वकालिक महान नेता बना रहता है। हालांकि हम रामजन्म भूमि के मुद्दे का हल निकालने में बहुत व्यस्त है, मगर यह भी जरूरी है कि गांधी के नजरिए से राम को समझा जाए। गांधी के लिए राम भिन्न थे। उनके लिए राम ईश्वर और अल्लाह दोनों थे जो सभी को सदभाव प्रदान करेगा।

पेज एक का शेष

देह तस्करी - सतर्क निगाह रखे सरकार

ऐसा नहीं कि ये सरकारी आसरा गृह जेल से किसी भी रूप में कम हैं मगर इसका कारण खस्ता रख रखाव होना है। बकौल सेंगर, ''खस्ता साफ सफाई व ढांचागत कमी के कारण यहां का जीवन स्तर खराब है। हर तरह से वे अत्यंत भीड़ भाड़ वाले हैं, वहां कोई जीवनस्तर नहीं है।''

वकील, पूजा सरीन के अनुसार, ये आसरा गृह गैरकानूनी गतिविधियों का अड्डा हैं। ''ये आसरागृह अपराध का अड्डा है, इसलिए भी कि अधिकारी जानते हैं कि यहां रहने वाले बच्चे या तो अनाथ है या उनके माता पिता नहीं जानते कि वे कहां हैं। इसीलिए उनका शोषण किया जाता है।'' अधिकांश पीड़ित पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा, नार्थ-ईस्ट व नेपाल से हैं।

यह सिर्फ देह तस्कर ही नहीं हैं जो इस अपराध में लिप्त हैं बल्कि कुछ भ्रष्ट पुलिस अधिकारी भी इसमें शामिल हैं। ''सरकार सात साल से आजीवन कारावास के जुर्माने के आईटीपीए के जरिए व्यवसायिक यौन उत्पीड़न के लिए देह तस्करी पर लगाम लगाती है। भारत बंधुआ श्रम उन्मूलन अधिनियम, बाल श्रम अधिनियम तथा किशोर न्याय अधिनियम के जरिए बंधुआ तथा जबरन मजदूरी पर रोक लगाता है।

साथ ही, भारतीय दंड संहिता नाबालिगों के अपहरण व उन्हें वेश्यावृत्ति हेतु बेचने पर लगाम लगाने के लिए धारा 366 अ तथा 372 का उपयोग करती है। इन प्रावधानों के तहत जुर्माना अधिकतम दस साल की सजा व जुर्माना हैं। फिर भी, देह व्यापार की खबरें आमतौर पर रिपोर्ट नहीं होतीं, या उन पर ध्यान नहीं दिया जाता और वे बिरले ही सुर्खियों में आती हैं।''

हजारों महिलाओं व बच्चों को वेश्यावृत्ति में धकेला जाता है। ये यौनकर्मी भारतीय व विदेशी दोनों ग्राहक सेवाओं के लिए होते हैं। यह एक क्रूर गंठजोड़ जो बिरले की सतह पर आता है।

सरीन कहती हैं, ''भ्रष्ट अधिकारियों के कारण पीड़ितों के लिए हालात और बुरे हो जाते हैं। वे वेश्यालयों, देह तस्करों व वेश्यालय संचालकों को गिरफ्तार होने से बचाते हैं। कानून का अक्सर दुरुपयोग होता है। आम तौर पर, विदेश में रोजगार के लिए यौनकर्मियों को बेचने में सरकारी जटिलता की समस्या से निपटने के कोई प्रयास नहीं किए जाते हैं। भारतीय मजदूरों की गैरकानूनी व अमानवीय तस्करी के लिए मध्य पूर्व को भारी संख्या में बंधुआ मजदूर भेजे जाते हैं।''

बच्चों का अपहरण किया जाता है और उन्हें फर्जी परिचय पत्र व दस्तावेजों के जरिए बेच दिया जाता है।

''देश के सभी हिस्सों से महानगरों में लाए जाने तथा दिन रात देह व्यापार में धकेले जाने के बावजूद ऐसे पीड़ितों की प्रणालीगत रिहाई के रूप में हम विफल हुए हैं।''

आवासीय कालोनियों के करीब फले फूले पॉश इलाकों में बहुत सारे पब हैं। वेश्याएं व दलाल इस व्यापार का सहज हिस्सा हैं। यह पुलिस की नाक के नीचे होता है और अक्सर उनकी मिलीभगत के साथ। मैं ऐसे मामलों के बारे में बता सकता हूं जहां स्थानीय लोगों ने ऐसी गैरकानूनी गतिविधियों से संबंधित पुलिस के सामने समस्या रखी थी लेकिन कुछ कार्रवाई नहीं की गयी।''

सेंगर पीड़ितों को सदम से उबरने में सहायता हेतु अधिक परामर्शकारों की आपात आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। वह बताते हैं, ''पीड़ितों को कौंसिलिंग की आवश्यकता होती है। अनेक बार पीड़ित महीनों तक अपने सदमे के बारे में नहीं बताते हैं। उस समय के दौरान, उनके आसरा गृहों के संवासी मुख्य भूमिका निभाते हैं। ये उत्पीड़ित अक्सर संवासियों से अपनी भावनाएं साझा करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वे ऐसे लोग हैं जो उन्हें बेहतर समझेंगे क्योंकि वे भी ऐसी स्थिति से गुजर चुके हैं।''

ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए, सरीन कहती हैं कि पुलिस को गाहे बगाहे स्पॉ, बारों, व पबों जैसे स्थानों पर छापे मारने चाहिए और यह कि सरकार को उन पर करीबी निगाह रखनी चाहिए। एनजीओ, आसरा गृहों, बाल व महिला कल्याण संगठनों पर नजर रखने के लिए एक विशेष दस्ता होना चाहिए जो महिलाओं व बच्चों के रक्षक होने का दावा करते हैं।

इंसान और बुद्धि

अजित कुमार बिश्नोई कहते हैं कि धरती पर रहने वाली प्रजातियों में इंसान सबसे बुद्धिमान हैं। केवल कुछ ही लोग जिम्मेदारी के साथ काम करने का फैसला करते हैं

सचमुच? क्या आपने कभी किसी पशु को आत्महत्या करते सुना है? मैं हाल में सीएनएन पर मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित एक कार्यक्रम देख रहा था। ये कुछ तथ्य हैं जो उन्होंने प्रस्तुत किए। लगभग 47000 अमरीकियों ने साल 2017 में आत्महत्या की। चार में से एक अमरीकी अवसाद से पीड़ित है। और अमरीका दुनिया में सबसे विकसित देश है। क्या ये आंकड़े मेल खाते हैं?

नहीं, क्योंकि वे लोग जो इतने निराश हैं कि वे स्वयं को मार डालने का अतिरेक कदम उठा रहे हैं, सृष्टि विधान की वास्तविकता को नहीं जानते हैं। यह इतना उत्तम है कि अधिकांश के लिए कल्पना के परे है। प्रत्येक उभरती समस्या का समाधान है, लेकिन व्यक्ति को सृष्टि विधान की बारीकियों को जानने की जरूरत है। एक द्विपरतीय प्रणाली होती है। पहली परत वो है जिसे हम आम तौर पर जानते हैं या यह जानते हुए पाए जाते हैं कि कर्मफल सिद्धांत है, जिसका अर्थ होता है कि जैसा आप बोते हैं, वैसा काटते हैं। यह हमारे सभी कर्मों का मार्गदर्शक सिद्धांत है, सिवाय उनके जो आत्मा या ईश्वर के संपर्क में किए गए हों। यदि व्यवस्था को धोखा देने की कोशिश में अत्यधिक स्मार्ट बनने की कोशिश से प्रमाणित, कर्मफल सिद्धांत संबंधी कोई अज्ञानता है, तो इस संबंध में पूरी अज्ञानता है कि ईश्वर हमारे लिए क्या कर सकता है। जब व्यवस्था, जिसे हम देखते व जानते हैं, के पास सभी उत्तर नहीं होते हैं, तो हमें ईश्वर के पास जाने की जरूरत है, जिसके पास इनके उत्तर हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ होता, तो सृष्टि विधान बिगड़ गया होता, जो कि नहीं है। जब हमें लगता है कि अपनी समस्या से निपट पाना असंभव है, तो हमें ईश्वर के पास जाना चाहिए, उसके पास उत्तर होंगे।

द्वितीय श्रेणी इसी प्रकार काम करती है। सबसे पहले, हमें स्वीकार करना होगा कि हम आत्माएं हैं- ईश्वर का अंग। पुनर्जन्म, स्वर्ग आदि सारी चर्चा के बावजूद। हम कम या ज्यादा अज्ञानता में है, हमें सचमुच लगता है कि हम भौतिक कायाएं हैं जिन्हें हम देखते हैं। हमें अपनी सच्चाई के इस छद्म आंकलन से पार जाना पड़ेगा। हमारे धर्मग्रंथों ने आत्मा के बारे में विस्तार से बताया है। बच्चा तभी गर्भ में आता है जब आत्मा आती है, वर्ना प्रत्येक मिलन महिला के गर्भवती होने का प्रतिफल होगा। क्या कुछ इस प्रकार होता है जब यौन संबंध असुरक्षित होता है? शुक्राणु होते हैं, अंडा होता है। मैं सामान्य स्थिति का उल्लेख कर रहा हूं, उसका नहीं जिसमें चिकित्सा समस्या है। जैसे ही गर्भाशय में काया निर्मित होती है, व्यक्ति जीवित रहता है जब तक कि शरीर के भीतर आत्मा होती है। जैसे ही आत्मा प्रस्थान करती है, भौतिक काया वास्तविकता में एक भौतिक काया बन जाती है। जो चीज चीज भौतिक काया को इंसान में रूपांतरित करती है वो है शरीर में आत्मा की उपस्थिति।

जब इस तथ्य को स्वीकार कर लिया जाता है या, अधिक महत्वपूर्ण रूप में, महसूस कर लिया जाता है, तो हम अगले चरण में चले जाते हैं, जो कि ईश्वर से जुड़ने वाली गतिविधियों के साथ शुरू करके हम आत्मा के लिए लाभकारी गतिविधियां आरंभ करना होता है। इसे मंत्रोच्चार, ध्यान आदि आध्यात्मिक गतिविधियां कररके किया जाता है।

मूलत:, जरूरत तो है भौतिक काया के बजाय आत्मा संबंधी गतिविधि करने की। विश्वास करें कि बहुत सारे विकल्प हैं कि व्यक्ति विकल्प को लेकर बर्बाद है। तरीके के रूप में ईश्वर का चित्र खरीदने को आप क्या कहेंगे, जो आपको सर्वाधिक आकर्षित करता है और आप उसे वहां लटका देते हैं जहां से आप प्राय: इसे देख सकें। यह आपके लिए अपनी आध्यात्मिक यात्रा आरंभ करने की शुरुआत हो सकता है। आप ईश्वर से मिलने वाली प्रतिक्रिया पर गौर करने में चूक नहीं सकते। शुरुआत में वह आपसे सचमुच चर्चा नहीं करेगा लेकिन उसके संदेशों को नकारना कठिन होगा। ईश्वर, मार्गदर्शन, रक्षा व सहायता आदि करता है।

मैं इस मामले में अपना निजी अनुभव साझा करूंगा। ईश्वर के साथ मेरे सक्रिय रिश्ते की शुरुआत हुई जब मैंने मंत्रोच्चारण करना शुरू किया। धीरे धीरे, मुझे ईश्वर से लाभ मिलने लगा। उसने मुझे आध्यात्मिक लेख लिखने में सक्षम बनाया। अब मैं अपने प्रश्नों के उत्तर पाने में सक्षम हूं। उसने मुझ पर हर प्रकार की कृपा की, जो व्यक्ति उम्मीद कर सकता है, ठीक वैसे, जैसे संजय ने देखा था, सफलता, संपदा, व नैतिक सिद्धांत का राज होगा (गीता 18.78)।

हम, लोग, निसंदेह सर्वाधिक समझदार प्रजाति हैं, लेकिन क्या हम उस तरह से आचरण कर रहे हैं?

मैं सोच विचार कर दो तीन स्क्रिप्ट पर काम कर रहा हूं और समय आने पर मैं इसका खुलासा करूंगा। यह अफवाहों का दौर है, इससे मुझे कुछ नये आइडिया मिलेंगे - शाहरुख खान

सिद्धार्थ ने एक बयान में कहा, हमारे लिए सबसे अहम यह है कि हमारी फिल्म को सब तरफ से प्यार और सराहना मिल रही है। यह उन दुर्लभ क्षणों में एक है, जहां बच्चे, युवा, परिवार, बुजुर्ग सभी आयु वर्ग के लोग किसी फिल्म को पसंद कर रहे हैं।

'वॉर' तीन दिन में 100 करोड़ से अधिक की कमाई

मुंबई। बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ की हालिया रिलीज वॉर ने शुरुआती तीन दिन में 100.15 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन और यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म दो अक्टूबर को रिलीज हुई थी।

सिद्धार्थ ने एक बयान में कहा, हमारे लिए सबसे अहम यह है कि हमारी फिल्म को सब तरफ से प्यार और सराहना मिल रही है। यह उन दुर्लभ क्षणों में एक है, जहां बच्चे, युवा, परिवार, बुजुर्ग सभी आयु वर्ग के लोग किसी फिल्म को पसंद कर रहे हैं और सकारात्मक ढंग से इसका प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अत्यंत आभारी हैं।

हमने 'वॉर' को बहुत जुनून, यकीन और प्यार से बनाया है और यह देखना बहुत सुखद है कि दर्शक सिनेमाघरों में इसका पूरा लुत्फ ले रहे हैं। हमारी फिल्म बड़े पर्दे पर देखने वाली फिल्म है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में हम देश के सभी हिस्सों के लोगों का मनोरंजन करेंगे। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में वाणी कपूर भी नजर आएंगी।

'सफलता के लिए सही समय पर सही स्थान पर होना जरूरी'

बॉलिवुड अभिनेता संजय कपूर ने हाल ही में फिल्म 'द ज़ोया फैक्टर' में सोनम कपूर के पिता का चरित्र निभाया था। उनका कहना है कि इतने सालों बाद अब जाके उन्हें अभिनय के सर्वश्रेष्ठ अवसर मिल रहे हैं।

संजय के अनुसार, 'जब मैंने युवावस्था में 90 के दशक में अभिनय जीवन प्रारंभ किया था, उस समय मुख्यधारा की फिल्मों में अधिकांश चरित्र घिसेपिटे होते थे। वे ऐसे नहीं होते थे जैसे आज की फिल्मों में अब होने लगे हैं। ऐसे में प्रारंभ में मैंने हर तरह के रोल किये लेकिन अब जा के मुझे अच्छे रोल मिलने लगे हैं।'

संजय ने अपना कॅरियर 1995 में प्रारंभ किया था उस समय उन्होंने राजा, सिर्फ तुम, औजार, मोहब्बत, कोई मेरे दिल से पूछे जैसी फिल्मों में मुख्य चरित्र निभाया था।

उन्होंने बताया, 'उस समय हर अभिनेता की एक निश्चित छवि होती थी लेकिन अब हम विविध प्रकार की अच्छी भूमिकाएं कर अपनी सही प्रतिभा का परिचय दे पा रहे हैं।'

उनका कहना है कि परिपक्व होने के साथ ही वो अब अनुभव के भी धनी हैं और इससे उन्हें अभिनय में भी बहुत मदद मिली है, 'कुछ समय तक मैंने ऐसी फिल्मे करने से मना कर दिया था जिनमें मुझे केवल दिखना होता था। हो सकता है कि यही कारण हो कि मुझे अब अच्छे रोल ऑफर हो रहे हैं। अब फिल्म निर्माता अब मुझे विविध चरित्रों में देख सकते हैं क्योंकि मेरी प्रतिभा का पूरा मूल्यांकन नहीं हो सका था।' संजय ने 2009 ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में 'क्या टाइम है यार तथा 2004 में तेवर जैसी फिल्में बनाई थीं।'

संजय का कहना है कि फिल्मों में सफलता के लिए प्रतिभा और भाग्य का होना आवश्यक होता है। उनसे ये पूछे जाने पर कि उनके जीवन में भाग्य की क्या भूमिका रही है? उन्होंने बताया, 'मैं ये नहीं कह सकता कि मेरा अभिनय पूरी तरह से भाग्य पर निर्भर है लेकिन इतना कहा जा सकता है कि नेटलिक्स की कहानी 'लस्ट स्टोरीज़ में मुझे भूमिका मिलना एक सही समय की बात थी। उनकी निर्माण टीम सलमान के चरित्र के लिए एक अभिनेता की तलाश कर रही थी और वे उस क्लब में बैठे थे जिसमें मैं वर्कआउट के लिए जाता था। जैसे ही मैं पास से गुजरा उन्होंने मुझे देखा और फिल्म का ऑफर दिया। लेकिन वो रोल भी मुझे अपनी अभिनय क्षमताओं के कारण ही मिला। लेकिन ये तभी संभव हो सका जब मैं सही समय पर सही स्थान पर था।'

हाल ही में 1999 की उनकी फिल्म 'सिर्फ तुम' के गाने 'दिलबर दिलबर' को फिल्म सत्यमेव जयते के लिए दुबारा से बनाया गया है जिसमें नोरा फतेही ने नृत्य किया है। ये काफी सफल रहा है। पुराने गानों को रिक्रियेट करने के प्रश्न पर अपनी राय देते हुए उन्होंने कहा, 'ये मेरा सौभाग्य था कि जिन फिल्मों में मैंने काम किया उनका संगीत आज भी पसंद किया जा रहा है जैसे दिलबर दिलबर तथा अंखियां मिलाऊं कभी' आदि। इन गानों ने मेरा कॅरियर बनाने के साथ ही अब रीमिक्स संस्करण से नोरा फतेही को लोकप्रियता मिल रही है। मेरा मानना है कि इसी को भाग्य कहते हैं और ये ऐसे ही काम करता है-ये अनियोजित होता है', मुस्कुराते हुए उन्होंने बताया।

बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भूमि पेडनेकर फेस ऑफ एशिया पुरस्कार से सम्मानित

बुसान। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर को 24वें बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (बीआईएफएफ) में फेस ऑफ एशिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। भूमि की आगामी फिल्म डॉली किटी और वो चमके सितारे का बीआईएफएफ में शुक्रवार को वर्ल्ड प्रीमियर हुआ। फिल्म में उनके साथ कोंकणा सेन शर्मा भी हैं। अलंकृता श्रीवास्तव ने फिल्म की कहानी लिखने के साथ-साथ निर्देशन भी किया है। फिल्म का निर्माण शोभा और एकता कपूर ने किया है। अभिनेत्री को यह पुरस्कार कोरिया की एक प्रमुख फिल्म और फैशन पत्रिका ने दिया है। भूमि ने इस मौके पर कहा, मैं बेहद कृतज्ञ और भावुक हूं कि मेरे काम को बुसान में दर्शकों और आलोचकों ने सराहा। यह मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मान है, मुझे इस पर बहुत गर्व है। मैं ऐसी फिल्मों में अभिनय करने की इच्छा रखती हूं, जिसमें दर्शकों को बताने के लिए महत्वपूर्ण चीजें हों।

जब अमिताभ बच्चन को डॉक्टर्स ने मृत समझा और जया बच्चन बोलीं वो ज़िंदा हैं...

24 सितबंर 2019 को सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को दादा साहब फ़ाल्के अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई। दादा साहब फ़ाल्के पुरस्कार हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिये इसे पाने की चाह सब रखते हैं, पर ये अवॉर्ड चंद खुशकिस्मत लोगों को ही मिल पाता है। इसीलिये जब बच्चन साहब को दादा साहब फ़ाल्के अवॉर्ड देने की घोषणा की गई, तब उनके फ़ैंस में खुशी की लहर दौड़ गई। बच्चन साहब के लिये, तो ऐसी ख़बर थी कि जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। वैसे इस तारीख़ से बच्चन साहब का नाता काफ़ी गहरा और ख़ास है। क्योंकि यही वो तारीख थी जिस दिन बच्चन साहब ने अपने नई और दूसरी ज़िंदगी की शुरुआत की।

दरअसल, बच्चन साहब की ज़िंदगी की ज़िंदगी का ये किस्सा बेहद कम ही लोगों को पता है और जिन्हें पता है वो उनके दर्द को महसूस कर सकते हैं। बात ये है कि 26 जुलाई 1982 को 'कुली' की शूटिंग के दौरान अमिताभ बच्चन एक एक्शन सीन के दौरान घायल हो गये थे। फ़िल्म का निर्माण मनमोहन देसाई कर रहे थे और बिग बी का ये एक्शन सीन पुनीत इस्सर के साथ शूट हो रहा था।

इस सीन में पुनीत इस्सर को अमिताभ बच्चन के पेट पर मुक्का मारना था और बिग बी को उस सीन पर जंप करना था। पर सीन के दौरान सब कुछ उल्टा हो गया। सीन की शूटिंग शुरू होते ही बच्चन साहब ग़लत टाइमिंग पर जंप कर बैठे। इस वजह से पुनीत इस्सर का जो मुक्का बिग बी को छू कर निकलना था, वो तेज़ी से लग गया। इतना ही नहीं, पास में पड़ी टेबल भी उनके पेट पर लग गई थी। इस वजह से वो बुरी तरह घायल हो गये।

शूट के दौरान हुई घटना के बाद बिग बी शूटिंग रोक कर घर चले गये। पर कुछ ही देर बाद उनकी हालत काफ़ी गंभीर होने लगी। इसके बाद उन्हें बंगलुरु के सेंट फ़िलोमेनाज़ हॉस्पिटल में एडमिट करवाना पड़ा। हांलाकि, वहां भी काम नहीं बना और डॉक्टर्स ने उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के लिये भेज दिया। इस दौरान 8 दिनों के भीतर ही उनकी दो सर्जरी की गई। डॉक्टर्स उन्हें मृत ही समझ रहे थे। क्योंकि उन्होंने जया बच्चन को ये तक कह दिया था कि इससे पहले कि वो दुनिया में न रहें, आप आखिरी बार अपने पति से मिल लो। पर डॉक्टर उदवाडिया की आखिरी कोशिश ने बिग बी को नई ज़िंदगी और जया बच्चन चिल्ला पड़ी की 'देखो, वो ज़िंदा हैं'। बिग बी को रिकवर होने में काफ़ी समय लग गया था, जिसके बाद उन्होंने एक ब्लॉग के ज़रिये सबका शुक्रिया भी अदा किया था।

तनिष्ठा चटर्जी एशिया स्टार अवार्ड से सम्मानित

बुसान। अभिनेत्री तनिष्ठा चटर्जी को 24 वें बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (बीआईएफएफ) में उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म रोम रोम में के लिए एशिया स्टार अवार्ड मिला है।

फिल्म को समारोह के ए विंडो ऑन एशियन सिनेमा श्रेणी के तहत प्रदर्शित किया गया था। फिल्म के कलाकारों और निर्माताओं की उपस्थिति में मेरी क्लेयर और बीआईएफएफ ने संयुक्त रूप से यह पुरस्कार दिया।

तनिष्ठा ने इस मौके पर कहा, दुनिया के सबसे बड़े फिल्म समारोहों में से एक में प्रदर्शन के लिए निर्देशक के रूप में मेरी पहली फिल्म रोम रोम में का अधिकारिक चयन होना मेरे लिए एक बड़ा क्षण है। इसपर भी एशिया स्टार अवार्ड जीतना सोने पर सुहागा है। इससे बेहतर कुछ भी नहीं हो सकता।

रोम रोम में में नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में उनके अलावा वैलेंटिना कोर्टी, ईशा तलवार, फ्रांसेस्को अपोलोनी, उरबानो बार्बेरिनी, पामेला विलोरेसी, एंड्रिया स्कार्डुजियो भी हैं।

अंधाधुन ने मुझे मेरी कमजोरियों को चुनौती देना सिखाया : आयुष्मान

मुंबई। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म अंधाधुन की पहली सालगिरह पर शनिवार को अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा कि इस फिल्म ने उन्हें अपनी कमजोरियों से लड़ कर उबरना सिखाया।

श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित फिल्म में पियानो वादक का किरदार निभाने वाले 35 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि इस फिल्म ने उनके अभिनय को निखारा है। आयुष्मान ने कहा, एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा अभिनय की बारीकियां सीखता रहता हूं। मुझे हमेशा ऐसी फिल्मों की तलाश रहती है जो मेरे विचारों को चुनौती देकर मुझे नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित करे। अंधाधुन मेरे लिए ऐसी फिल्म साबित हुई, जिसने मेरे अभिनय को निखारा। उन्होंने कहा मैं राघवन का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा कर यह मौका दिया, जिस पर आज मैं गर्व कर सकता हूं।

आयुष्मान,तब्बू और राधिका आप्टे अभिनीत इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। खुराना को अंधाधुन और अभिनेता विकी कौशल को उनकी फिल्म उरी:द सर्जिकल स्ट्राइक के लिए संयुक्त रुप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। चीन में इस वर्ष अप्रैल माह में अंधाधुन को पियानो प्लेयर के नाम से रिलीज किया गया।

'संगीतमय फिल्म में अभिनय के बारे में भी सोच सकता हूं'

युवा पीढ़ी के गायक अरमान मलिक अपना नया सिंगल 'टूटे ख्वाब' लेकर फिर हमारे सामने हैं। प्रशंसकों को वीडियो में उनकी गायिकी के साथ ही परदे पर उनका स्वयं को प्रस्तुत करने का ढंग काफी अच्छा लग रहा है। अरमान का कहना है कि अभिनय के क्षेत्र में उतरने का उनका कोई इरादा नहीं है लेकिन यदि किसी गाने में उन्हें अच्छा लगेगा तो वो कैमरे के सामने आने से हिचकेंगे नहीं।

उन्होंने बताया, 'गायिकी तो मेरे अस्तित्व का एक अंश है ही लेकिन ये भी सही है कि मैं एक परफॉर्मर हूं और अभिनय परफॉर्मर की ही कला कही जाती है। लेकिन यदि मुझे आशिकी 2 या रॉकस्टार जैसी किसी फिल्म को करने का ऑफर मिलता है जिसमें मुझे रॉकस्टार या कलाकार बनना हो तो मैं इसे सहजता से कर सकता हूं। ऐसे किसी ऑफर के कारण मैं अभिनय करने की भी सोच सकता हूं। मैं बॉलिवुड की किसी संगीतमय फिल्म का हिस्सा बनकर प्रसन्नता का अनुभव करूंगा। मेरी फिल्म में चरित्र के साथ संगीत पक्ष का होना आवश्यक होगा।' लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में बॉलिवुड फिल्मों में अभिनय करना उनकी योजना का हिस्सा नहीं है, क्योंकि मैं अपने संगीत और लाइव जिग्स में ही अत्यंत व्यस्त रहता हूं।'

ऐसा पहली बार हो रहा है कि वो किसी वीडियो में इस प्रकार दिखाई दे रहे हों। उन्होंने बताया कि इस वीडियो को करने में उन्हें विशेष आनंद का अनुभव हुआ।

अरमान पहले ही नैना, हीरो, बोल दो न जरा, मैं रहूं या न रहूं जैसे हिट गाने कर चुके हैं और उनका मानना है कि आजकल किसी की छवि में सुधार लाने के लिए सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरा है। लेकिन उनके अनुसार ऐसा तभी हो सकता है जब स्टार अपनी वास्तविकता में रहता हो।

इस प्रश्न पर कि वो सोशल मीडिया पर कितने वास्तविक रहते हैं? उन्होंने बताया, 'मैं 90 प्रतिशत वास्तविक रहता हूं। (हंसते हुए) इसके बाद शेष 10 प्रतिशत मेरी व्यक्तिगत बातें हैं जो हर व्यक्ति का अधिकार होता है।'

आजकल युवा चाहे सिलेब्रिटीज़ हों या सामान्य व्यक्ति, जानते हैं कि कौन कितना वास्तविक है और कौन कितना फर्जी। मेरी फोटोज़, गाने, शूटिंग के दिन, छुट्टियां, मेरे लोग, जिस प्रकार से मैं कमेंट्स सेक्शन में अपना पक्ष रखता हूं आदि सभी बातें वास्तविक ही होती हैं।'

उन्होंने आगे बताया, 'प्रशंसकों को आजकल पता होता है कि कौन सा सोशल मीडिया फीड वास्तविक है और कौन सा नकली। आप सिलेब्रिटी होकर सोशल मीडिया पर अपनी छवि सुधारने के लिए फेक फीड नहीं दे सकते। ये तुरंत पकड़ लिया जाता है। अपनी वास्तविक छवि दिखाने के लिए आप फर्जी मीडिया फीड नहीं दे सकते।'

उनका नया गाना 'टूटे ख्वाब' का विषय ब्रेक-अप है। अरमान का कहना है कि उनके साथ आज तक कभी ब्रेकअप जैसी समस्या नहीं हुई लेकिन ये युवाओं से जुड़े विषय पर है और उन्होंने इसे युवाओं के बारे में जानकर इसे तैयार किया है।

मलिक ने बताया, 'हम आज ऐसे दौर में रह रहे हैं जहां प्यार होना और दिल टूटना काफी आसान हो गया है। हम ऐसे प्रेमियों जैसे नहीं हैं ब्रेकअप के बाद जिनका दिल टूट जाता था जैसा कि पुरानी फिल्मों में दिखाया जाता था। लेकिन मैंने ऐसे मित्र भी देखें हैं जो ब्रेकअप के बाद सामान्य होने से पहले रोते दिखाई देते थे। अपने वीडियो में मैंने यही दिखाने का प्रयास किया है। दिल टूटने के बाद इसमें लड़का कुछ समय तक उदास रहता है और इस दौरान वो एक गाना लिखता है और इसी ब्रेकअप सॉन्ग के बाद वो गायिकी की दुनिया में सिलेब्रिटी बन जाता है। अब आप समझ सकते हैं कि इस वीडियो में जो दिखाया गया है वो वास्तविकता के काफी निकट है।'

अरमान ने 2007 की फिल्म तारे जमीं पर में बम बम भोले वाला गाना गाया था। इसके बाद से वो युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गए हैं। उनके अनुसार उनके हर गाने के बाद उन्हें इस बात की उत्साहपूर्वक प्रतीक्षा रहती है कि दर्शकों को ये कैसा लगा?

'नए गानों को लेकर मैं सदैव उत्साहित रहता हूं क्योंकि मैं हमेशा इस प्रयास में रहता हूं कि अपने गानों को मैं पिछले गानों की तुलना में बड़ा और बढ़िया बनाऊं। अतः मेरे पिछले गानों को कितना भी प्यार और प्रशंसा मिली हो, मुझे तो नए गानों में नयापन, जोश और उत्साह पिरोना ही होता है। मुझे प्रसन्नता है कि मेरा नया गाना 'टूटे ख्वाब' भी यही कर रहा है,' कहते हुए अरमान ने हमसे विदा ली।